विषय वस्तु

01 राजस्थान भूगोल

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भौतिक विशेषताएँ (i) स्थिति एवं विस्तार (ii) भौतिक स्वरूप	1–10
2.	जलवायु	11–15
3.	अपवाह तंत्र	16–20
4.	प्राकृतिक वनस्पति	21–25
5.	कृषि	26–29
6.	पशुपालन व डेयरी विकास	30–34
7.	जनसंख्या	35–38
8.	उद्योग	39–43
9.	जनजातियाँ	44–48
10.	पर्यटन व प्रमुख पर्यटन केन्द्र	49–52

02 राजस्थान का इतिहास

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्राचीन संस्कृति एवं सभ्यता	1–7
2.	18वीं शताब्दी तक राजस्थान का इतिहास (i) गुर्जर प्रतिहार (ii) शाकंभरी एवं अजमेर के चौहान (iii) गुहिल राजवंश (iv) कच्छवाह राजवंश (v) जोधपुर एवं बीकानेर के राठौड़ (vi) अन्य राजवंश	8–43
3.	दिल्ली सल्तनत से संबंध- मेवाड़, रणथंभौर और जालोर	44–49
4.	राजस्थान और मुगल- मेवाड़ के राणा सांगा, महाराणा प्रताप एवं राजसिंह, आमेर का मानसिंह, मारवाड़ का चन्द्रसेन, बीकानेर का रायसिंह	50–55
5.	राजस्थान के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास- 1857 की क्रांति, राजनीतिक जागरण, प्रजामण्डल आंदोलन, किसान आंदोलन, जनजातीय (आदिवासी आंदोलन),	56–81
6.	राजस्थान का एकीकरण	82–86
7.	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	87–93

03 राजस्थान की कला एवं संस्कृति

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	समाज एवं धर्म- लोक देवता, लोक देवियाँ, संत एवं संप्रदाय	1–18
2.	स्थापत्य कला- दुर्ग, मंदिर, महल एवं स्मारक	19–35
3.	चित्रकला	36–41
4.	मेले एवं त्योहार- मेले, पर्व एवं त्योहार	42–49
5.	रीति रिवाज	50–54
6.	वेशभूषा एवं आभूषण	55–58
7.	लोककला एवं हस्तशिल्प	59–64
8.	वाद्य यंत्र	65–71
9.	लोकगीत (संगीत)	72–75
10.	लोक नृत्य एवं नाट्य	76–84
11.	भाषा एवं साहित्य- राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ, राजस्थानी साहित्य	85–93

04 राजस्थान की राजव्यवस्था

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	राज्यपाल	1–6
2.	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	7–10
3.	राज्य विधानसभा	11–14
4.	राजस्थान उच्च न्यायालय	15–19
5.	अधीनस्थ न्यायालय	20–23
6.	पंचायती राज प्रणाली एवं उसका प्रशासन	24–28
7.	नगरीय स्वशासन एवं उसका प्रशासन	29–32
8.	राज्य सचिवालय	33–36
9.	संभागीय आयुक्त	37–40
10.	जिला प्रशासन	41–45
11.	राजस्थान लोक सेवा आयोग	46–49
12.	राज्य महिला आयोग	50–53
13.	राजस्थान राज्य वित्त आयोग	54–57
14.	राज्य निर्वाचन आयोग	58–61
15.	लोकायुक्त	62–66
16.	राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण	67–69

05 विश्व का भूगोल

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	महाद्वीप	1–4
2.	महासागर एवं उनकी विशेषताएँ	5–8
3.	वैश्विक पवन प्रणाली	9–12
4.	पर्यावरण मुद्दे और रणनीतियाँ	13–17
5.	प्रमुख मानव व्यवसाय	18–21
6.	जनसंख्या वितरण और प्रवास	22–25

06 भारत का भूगोल

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भौतिक प्रदेश	1–4
2.	जलवायु प्रणाली	5–8
3.	अपवाह तंत्र, नदियाँ व झीलें (जल निकासी)	9–12
4.	प्राकृतिक वनस्पति	13–16
5.	जैव विविधता	17–20
6.	ऊर्जा संसाधन	21–24

07 भारत की अर्थव्यवस्था

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भारत में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में वृद्धि और विकास	1–10
2.	भारत का विदेशी व्यापार: रुझान, संरचना और दिशा	11–13

08 भारत की राजव्यवस्था

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भारत का संवैधानिक विकास	1–4
2.	संविधान सभा	5–8
3.	डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका	9–13
4.	नागरिकता	14–17
5.	मूल अधिकार	18–23
6.	राज्य के नीति निदेशक तत्व	24–27
7.	मूल कर्तव्य	28–31
8.	राष्ट्रपति	32–35
9.	उपराष्ट्रपति	36–39
10.	प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद	40–43
11.	संसद	44–47
12.	सर्वोच्च न्यायालय	48–51
13.	निर्वाचन आयोग	52–55
14.	भारत की विदेश नीति	56–59

09 शिक्षा मनोविज्ञान

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	शिक्षा मनोविज्ञान- प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रभावी शिक्षण के लिए इसके निहितार्थ	1–6
2.	अधिगमकर्ता का समग्र विकास- विकास की संकल्पना एवं सिद्धांत, संज्ञानात्मक, सामाजिक, नैतिक, भावात्मक, भाषाई एवं शारीरिक विकास	7–15
3.	अधिगम- अर्थ एवं प्रकार, व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक, सामाजिक संज्ञानात्मक एवं निर्माणवादी, अधिगम दृष्टिकोण, अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक एवं शिक्षक के लिए निहितार्थ	16–23
4.	व्यक्तित्व- अर्थ, सिद्धांत एवं मापन	24–32
5.	समायोजन एवं मानसिक स्वास्थ्य	33–39
6.	बुद्धिमत्ता और सृजनात्मकता- अर्थ, सिद्धांत एवं मापन, अधिगम में भूमिका, भावनात्मक बुद्धि- संकल्पना एवं व्यवहार	40–47
7.	अभिप्रेरणा- अर्थ एवं प्रकार, अभिप्रेरणा के सिद्धांत एवं शिक्षण-अधिगम में निहितार्थ	48–52
8.	व्यक्तिगत भिन्नताएँ- अर्थ, स्रोत एवं कक्षा में निहितार्थ, समावेशी शिक्षा	53–57
9.	21वीं सदी के कौशलों का विकास- संकल्पना एवं रणनीतियाँ	58–61

❑❑❑❑

राजस्थान का भूगोल

स्थिति एवं विस्तार

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. राजस्थान भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है।
2. राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार 23°3' उ.अ. से 30°12' उ.अ. तक है।
3. कर्क रेखा राजस्थान के मध्य भाग से होकर गुजरती है।
4. राजस्थान का देशांतर विस्तार 69°30' पू.दे. से 78°17' पू.दे. तक है।
सही कथनों का चयन कीजिए—
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) सभी कथन सही हैं

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. कर्क रेखा राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले से होकर गुजरती है।
2. राजस्थान का क्षेत्रफल महाराष्ट्र से अधिक है।
3. राजस्थान का देशांतर विस्तार 70° पू.दे. से 80° पू.दे. तक है।
4. राजस्थान का विस्तार 23°3' उ.अ. से 30°12' उ.अ. तक है।
सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 3 और 4 (d) सभी कथन सही

3. भारत में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति है-
(a) उत्तर-पश्चिमी भाग (b) दक्षिण-पश्चिमी भाग
(c) उत्तर-पूर्वी भाग (d) दक्षिण-पूर्वी भाग

4. सूची-I को सूची II से सुमेलित करें:-

सूची-I (देश-राज्य)	**सूची II (राजस्थान की सीमा)**
(a) पाकिस्तान	**(i) दक्षिण**
(b) मध्यप्रदेश	**(ii) पूर्व**
(c) पंजाब	**(iii) उत्तर**
(d) गुजरात	**(iv) उत्तर-पश्चिम**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) a-iv, b-iii, c-ii, d-i (b) a-iv, b-ii, c-iii, d-i
(c) a-iv, b-i, c-ii, d-iii (d) a-i, b-ii, c-iii, d-iv

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
(A) राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित है।
(B) राजस्थान का आकार पतंग/समांतर असमचतुर्भुजाकार माना जाता है।
(C) राजस्थान का आकार त्रिभुजाकार है।
(D) राजस्थान का आकार प्लेट के समान है।
सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) केवल (A) और (B) (b) केवल (B) और (C)
(c) केवल (A), (B) और (D) (d) सभी (A), (B), (C), (D)

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन्हे ध्यानपूर्व पढ़ें:
कथन (A): राजस्थान का सबसे पश्चिमी बिंदु जैसलमेर का 'कटरा' गांव है।
कारण (R): राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ लाइन) केवल जैसलमेर जिले से लगती है।
विकल्प:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

7. राजस्थान के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?
(a) इसका आधार विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
(b) इसका उत्तर से दक्षिण विस्तार 869 किमी. है।
(c) इसकी स्थलीय सीमा 6920 किमी. है।
(d) इसका क्षेत्रफल 3,42329 वर्ग किमी. है।

8. राजस्थान राज्य का कुल क्षेत्रफल है, लगभग -
(a) 2 लाख 24 हजार वर्ग किमी. (b) 3 लाख 42 हजार वर्ग किमी.
(c) 4 लाख 24 हजार वर्ग किमी. (d) 5 लाख 42 हजार वर्ग किमी.

9. निम्नलिखित राज्यों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।
(A) राजस्थान **(B) हरियाणा**
(C) उत्तर प्रदेश **(D) गुजरात**
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (A), (C), (B), (D)
(b) (B), (D), (C), (A)
(c) (D), (B), (C), (A)
(d) (A), (C), (D), (B)

10. राजस्थान का क्षेत्रफल निम्नलिखित यूरोपीय देशों में से किनके क्षेत्रफल के लगभग बराबर है?
1. नार्वे 2. बेल्जियम 3. स्विट्जरलैण्ड 4. पोलैण्ड
कुटः-
(a) 1, 2, 4 (b) 1, 3
(c) 2, 4 (d) 1, 4

11. राजस्थान राज्य की स्थिति एवं विस्तार के सम्बन्ध में सही कथन नहीं है?
(a) राज्य का उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम विस्तार क्रमशः 869 किलोमीटर तथा 826 किलोमीटर है।
(b) राज्य की आकृति विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
(c) राज्य की अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं की लम्बाई क्रमशः 1070 किमी. तथा 4850 किमी. है।
(d) राज्य का भौगोलिक क्षेत्र भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत के बराबर है।

12. राजस्थान के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौनसा एक सही नहीं है?
(a) उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार अधिक है।
(b) उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार कम है।
(c) इसकी कुल स्थल सीमा 6000 किमी. से कम है।
(d) इसका अक्षांशीय विस्तार 7 अक्षांश से कम नहीं है।

13. **राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को दक्षिण से उत्तर के क्रम में बढ़ते हुए अक्षांश के अनुसार व्यवस्थित करें।**
(a) झालावाड़
(b) झुंझुनूं
(c) जोधपुर
(d) सवाई माधोपुर
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (a), (c), (b), (d)
(b) (a), (b), (d), (c)
(c) (d), (c), (b), (a)
(d) (a), (d), (c), (b)

14. **राजस्थान के निम्नलिखित शहरों को पश्चिम से पूर्व दिशा में व्यवस्थित करें।**
a. बाड़मेर
b. बून्दी
c. पाली
d. राजसमंद
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) a, c, d, b (b) c, a, b, d
(c) b, d, a, c (d) d, b, a, c

15. **राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. रामदेवरा (जैसलमेर), जिला मुख्यालय से पूर्व दिशा में स्थित है।
2. राजस्थान का सबसे दक्षिणतम जिला राजसमंद है।
3. सोजत और मारवाड़ जंक्शन दोनों पाली जिले के अंतर्गत आते हैं।
4.अक्षांशों के आधार पर झुंझुनूं, जोधपुर से अधिक उत्तर में स्थित है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

16. **नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:**
कथन (A): राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर जिलों को 'अन्तर्राष्ट्रीय-अन्तर्राज्यीय' जिलों की श्रेणी में रखा जाता है।
कारण (R): ये दोनों जिले पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने के साथ-साथ पड़ोसी भारतीय राज्यों के साथ भी सीमा साझा करते हैं।
कूट:-
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

17. **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन-से ज़िले पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा को छूते हैं?**
a. जोधपुर b. बीकानेर c. जैसलमेर d. श्री गंगानगर
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर उत्तर चुनें:
(a) a, b और d (b) b, c और d
(c) b और c (d) a, c और d

18. **सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें:**

सूची-I (जिला)	सूची-II (सीमा)
(a) जालोर	(i) उत्तर प्रदेश
(b) श्री गंगानगर	(ii) गुजरात
(c) भरतपुर	(iii) मध्य प्रदेश
(d) बाँसवाड़ा	(iv) पंजाब

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) a-iv, b-iii, c-ii, d-i
(b) a-ii, b-iv, c-i, d-iii
(c) a-ii, b-iv, c-iii, d-i
(d) a-i, b-ii, c-iii, d-iv

19. **सूची-I (विशेषता) को सूची-II (संबंधित जिले) से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I (विशेषता)	सूची-II (जिला/जिले)
(A) गुजरात व पाकिस्तान के साथ सीमा	(1) हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर
(B) पंजाब के साथ सीमा साझा करने वाले	(2) बाड़मेर
(C) सर्वाधिक लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा	(3) श्रीगंगानगर व बाड़मेर
(D) अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय दोनों सीमाएँ	(4) जैसलमेर

कूट (Codes):
(a) A-2, B-1, C-4, D-3
(b) A-1, B-2, C-3, D-4
(c) A-3, B-4, C-1, D-2
(d) A-2, B-3, C-4, D-1

20. **मानचित्र में उन गाँवों की स्थिति को दर्शाया गया है जहाँ से राजस्थान का उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम विस्तार नापा जाता है। ये स्थितियाँ (i), (ii), (iii) और (iv) से अंकित की गई हैं। नीचे दी गई क्रमावली का सही अनुक्रम पहचानिए-**

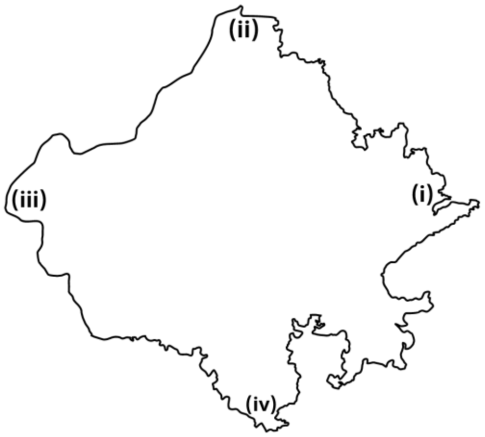

(a) सिलौन, कोणा, कटरा, बोरकुंड
(b) बोरकुंड, सिलॉन, कटरा, कोणा
(c) कटरा, कोणा, बोरकुंड, सिलौन
(d) कोणा, कटरा, सिलौन, बोरकुंड

21. **कर्क रेखा राजस्थान के किन जिलों से होकर गुजरती है?**
(a) बारां व झालावाड़
(b) बाड़मेर व चूरू
(c) बाँसवाड़ा व डूँगरपुर
(d) बूँदी व भीलवाड़ा

22. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 21 जून को सूर्य की लम्बवत किरणें राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में पड़ती हैं।
2. कर्क रेखा राजस्थान के दक्षिणी भाग से होकर गुजरती है।
3. राजस्थान में सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक श्रीगंगानगर जिले में होता है।
4. जैसलमेर राजस्थान का सर्वाधिक उत्तरी जिला है।
सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) सभी 1, 2, 3 और 4

23. सुमेलित कीजिए-

जिला	**अक्षांश/देशान्तर**
(A) बाँसवाड़ा	**(I) 30°12' उत्तर**
(B) जैसलमेर	**(II) 69°30' पूर्व**
(C) धौलपुर	**(III) 23°3' उत्तर**
(D) गंगानगर	**(IV) 78°17' पूर्व**

कूट:-
(a) A-III,B-II,C-I,D-IV (b) A-III,B-II,C-IV,D-I
(c) A-II,B-III,C-IV,D-I (d) A-I,B-II,C-IV,D-III

24. 23° उत्तरी अक्षांश तथा 70° पूर्वी देशान्तर रेखाएँ राजस्थान के निम्नलिखित में से क्रमशः किन जिलों से होकर गुजरती हैं?
(a) बाँसवाड़ा व जैसलमेर (b) डूँगरपुर व नागौर
(c) बाँसवाड़ा व डूँगरपुर (d) डूँगरपुर व धौलपुर

25. राजस्थान राज्य का अक्षांशीय विस्तार है?
(a) 23°3' दक्षिण से 30° 12' दक्षिण
(b) 23° 3' उत्तर से 30°12' उत्तर
(c) 23°3' उत्तर से 30° 12' दक्षिण
(d) 30°12' उत्तर से 2.3" 3' दक्षिण

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]
व्याख्या:–
- कथन 3 गलत है क्योंकि कर्क रेखा राजस्थान के **दक्षिणी भाग** से गुजरती है, न कि मध्य भाग से।

2. [a]
व्याख्या:–
- कथन 1 सही है।
- कथन 2 गलत है (राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है, महाराष्ट्र नहीं)।
- कथन 3 गलत है (सही देशांतर विस्तार 69°30' से 78°17' पू.दे. है)।
- कथन 4 सही है।

3. [a]
व्याख्या:–
- राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग (वायव्य कोण) में स्थित है। इसकी सीमाएँ पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में पंजाब, उत्तर-पूर्व में हरियाणा व उत्तरप्रदेश, दक्षिणी-पूर्व में मध्यप्रदेश तथा दक्षिणी-पश्चिम में गुजरात से लगती है।
- विश्व में राजस्थान उत्तरी पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- राजस्थान की आकृति T.H. हैण्डले के अनुसार विषमकोणीय चतुर्भुजाकार/पतंगाकार/रोहम्बस के समान है।
- **टोंक** जिले की आकृति राजस्थान की आकृति के समान है।

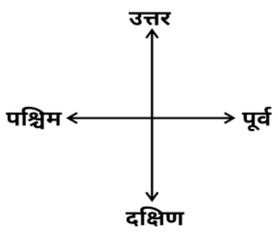

- **कोण -** ईशान कोण
- **अक्षांश (Latitude)**: 23°03' से 30°12' उत्तरी
- **देशांतर (Longitude)**: 69°30' से 78°17' पूर्वी

राजस्थान की ग्लोबीय स्थिति

- **अक्षांशीय स्थिति** (अक्षांशीय दृष्टि से राजस्थान उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।)
- **देशांतरीय स्थिति** (देशांतरीय दृष्टि से राजस्थान पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।)

4. [b]
व्याख्या:-
- पाकिस्तान राजस्थान के उत्तर–पश्चिम में स्थित है
- मध्यप्रदेश राजस्थान के पूर्व में है।
- पंजाब राजस्थान के उत्तर में स्थित है।
- गुजरात राजस्थान के दक्षिण में है।
- अतः सही सुमेलित क्रम होगा — a-iv, b-ii, c-iii, d-i।

(iii) उत्तर
पंजाब
↑
(iv) उत्तर-पश्चिम ← राजस्थान → **(ii)** पूर्व
पाकिस्तान मध्यप्रदेश
↓
(i) दक्षिण
गुजरात

5. [a]
व्याख्या:–
- (a) सही – राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।
- (b) सही – प्रतियोगी परीक्षाओं में राजस्थान का आकार पतंग/समांतर असमचतुर्भुजाकार बताया जाता है।
- (c) गलत – राजस्थान त्रिभुजाकार नहीं है।
- (d) गलत – प्लेट के समान आकार का वर्णन सही नहीं है।

6. [c]
व्याख्या:–
- कथन (A) सही है: राजस्थान का देशांतरीय विस्तार 69°30' पूर्वी देशांतर से शुरू होता है। यह बिंदु जैसलमेर जिले की सम (Sam) तहसील के 'कटरा' गांव में स्थित है। यह राजस्थान का सुदूर पश्चिमी छोर है।

- कारण (R) गलत है: यह कहना गलत है कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा केवल जैसलमेर से लगती है। राजस्थान की 1,070 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा) वर्तमान में 5 जिलों (अनूपगढ़ के गठन के बाद) से लगती है:
  - श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर
  - जैसलमेर (सबसे लंबी सीमा - 464 किमी), बाड़मेर

7. [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, जिसका कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी (भारत का 10.41%) है।
- विषमकोण चतुर्भुज (पतंग) के आकार का यह राज्य उत्तर से दक्षिण में 826 किमी और पूर्व से पश्चिम में 869 किमी लंबा है, जिसकी कुल स्थलीय सीमा 5,920 किमी है।

8. [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान का क्षेत्रफल **3,42,239 वर्ग किमी.** है।
- 1 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग होने पर राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम स्थान पर आया।

9. [d]

व्याख्या:–

- राज्यों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार अवरोही क्रम (घटते क्रम) में व्यवस्थित करने पर सही क्रम इस प्रकार है:
  (A) राजस्थान: लगभग 3,42,239 वर्ग किमी (भारत का सबसे बड़ा राज्य)
  (C) उत्तर प्रदेश: लगभग 2,40,928 वर्ग किमी (चौथा सबसे बड़ा राज्य)
  (D) गुजरात: लगभग 1,96,024 वर्ग किमी
  (B) हरियाणा: लगभग 44,212 वर्ग किमी

10. [d]

व्याख्या:-

- राजस्थान का क्षेत्रफल लगभग **नार्वे (3,23,802 वर्ग किमी.)** और **पोलैण्ड (3,12,696 वर्ग किमी.)** के बराबर है।
- जर्मनी, जापान, वियतनाम के भी लगभग बराबर है।
  इसके अतिरिक्त:
- **ब्रिटेन** से लगभग **2 गुना** बड़ा
- **श्रीलंका** से लगभग **5 गुना**
- **इज़रायल** से लगभग **17 गुना**
- **बेल्जियम से लगभग 13 गुना**
- **स्विट्ज़रलैंड और बेल्जियम** की तुलना में भी कहीं अधिक बड़ा है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल कई देशों से भी अधिक है, जो इसे विश्व स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण स्थान देता है।

11. [a]

व्याख्या:-

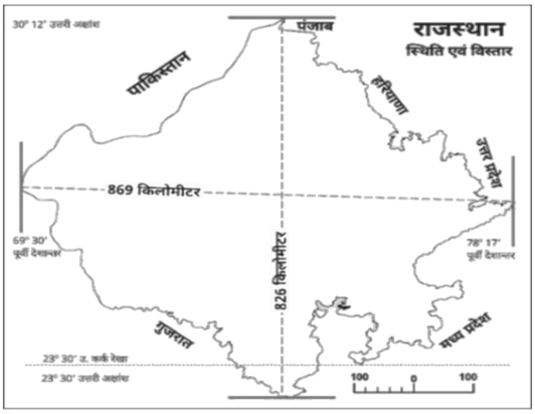

12. [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान का पूर्व-पश्चिम विस्तार (869 किमी.) उत्तर दक्षिणी विस्तार (826 किमी.) से अधिक है।
- राज्य की सीमा लगभग 5920 किमी. है (स्थल सीमा < 6000 किमी.)
- अक्षांशीय विस्तार लगभग **7 डिग्री** से कम है (23°03'N से 30°12'N)

राजस्थान का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार

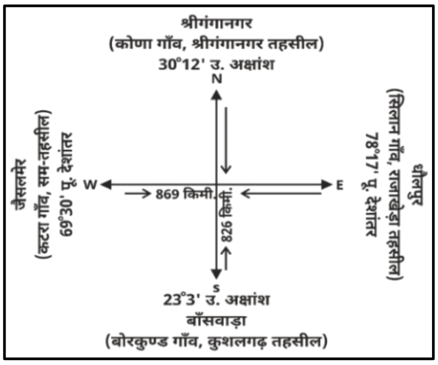

13. [d]

व्याख्या:-

- राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार **23°03' उत्तरी अक्षांश से 30°12' उत्तरी अक्षांश** तक है। दक्षिण से उत्तर के क्रम में व्यवस्थित करने का अर्थ है कम अक्षांश से अधिक अक्षांश की ओर जाना:
- **झालावाड़ (a):** यह राजस्थान के सुदूर दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है (लगभग **24°** अक्षांश)।
- **सवाई माधोपुर (d):** यह झालावाड़ के उत्तर में स्थित है (लगभग **26°** अक्षांश)।
- **जोधपुर (c):** सवाई माधोपुर की तुलना में इसका अक्षांशीय विस्तार थोड़ा उत्तर की ओर है (लगभग **26.2°** अक्षांश)।
- **झुंझुनूं (b):** यह राजस्थान के उत्तरी भाग (शेखावाटी क्षेत्र) में स्थित है**,** इसलिए इसका अक्षांश सबसे अधिक है (लगभग **28°** अक्षांश)।
- **सही क्रम:** झालावाड़– सवाई माधोपुर– जोधपुर – झुंझुनूं।

14. [a]

व्याख्या:

- राजस्थान के शहरों को **पश्चिम से पूर्व** दिशा में उनके देशांतरीय विस्तार के आधार पर इस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है:
- **बाड़मेर (a):** यह राजस्थान के सुदूर पश्चिम में स्थित सीमावर्ती जिला है।
- **पाली (c):** बाड़मेर के पूर्व में स्थित है।
- **राजसमंद (d):** यह पाली के पूर्व और थोड़ा दक्षिण-पूर्व की ओर स्थित है।
- **बून्दी (b):** यह हाड़ौती क्षेत्र में स्थित है**,** जो इन चारों में सबसे पूर्व में आता है।
- **सही क्रम:**

(पश्चिम) (पूर्व)
● बाड़मेर -------- ● पाली -------- ● राजसमंद -------- ● बून्दी

15. [b]

व्याख्या:–

- रामदेवरा: यह जैसलमेर मुख्यालय के पूर्व में पोकरण के पास स्थित है।
- दक्षिणतम जिला: राजस्थान का सबसे दक्षिणतम जिला बाँसवाड़ा है, राजसमंद नहीं।
- सोजत व मारवाड़ जंक्शन: ये दोनों स्थान भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से पाली जिले में स्थित हैं।
- अक्षांशीय स्थिति: झुंझुनूं (उत्तर) का अक्षांश जोधपुर (मध्य) से अधिक है, इसलिए झुंझुनूं अधिक उत्तर में है।

16. [a]

व्याख्या:-

◈ सत्यता: राजस्थान की 1070 किमी लंबी रेडक्लिफ रेखा पर स्थित 5-6 जिलों में से केवल दो जिले ऐसे हैं जो दोहरी सीमा बनाते हैं।
◈ श्रीगंगानगर: यह पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में पंजाब राज्य से सीमा बनाता है।
◈ बाड़मेर: यह पश्चिम में पाकिस्तान और दक्षिण में गुजरात राज्य से सीमा बनाता है।
◈ निष्कर्ष: चूंकि कारण (R) स्पष्ट करता है कि ये जिले अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय दोनों सीमाएँ छूते हैं, इसलिए यह कथन (A) की सही व्याख्या है।

नोट: नवीनतम प्रशासनिक बदलावों के बाद अब अनूपगढ़ और फलौदी (आंशिक स्पर्श) भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का हिस्सा माने जाते हैं, जिससे सीमावर्ती जिलों की संख्या में वृद्धि हुई है।

17. [b]

व्याख्या:-

◈ राजस्थान की 1,070 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा) पर स्थित जिलों का विश्लेषण इस प्रकार है:
◈ श्रीगंगानगर (d): सीमा को छूता है (210 किमी)।
◈ बीकानेर (b): सीमा को छूता है (168 किमी)।
◈ जैसलमेर (c): सीमा को छूता है और सर्वाधिक लंबी सीमा (464 किमी) बनाता है।
◈ जोधपुर (a): यह एक अन्तर्वर्ती (Inland) जिला है, इसकी सीमा पाकिस्तान से नहीं मिलती।

18. [b]

व्याख्या:–

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों और उनसे सटे राज्यों का सही मिलान निम्न है:

◈ **जालोर — (ii) गुजरात:** जालोर अपनी सीमा गुजरात राज्य से साझा करता है।
◈ **श्री गंगानगर — (iv) पंजाब:** यह राजस्थान का उत्तरी जिला है जो पंजाब को स्पर्श करता है।
◈ **भरतपुर — (i) उत्तर प्रदेश:** भरतपुर की सीमा उत्तर प्रदेश (UP) से लगती है।
◈ **बाँसवाड़ा — (iii) मध्य प्रदेश:** बाँसवाड़ा दक्षिणी जिला है जो मध्य प्रदेश (और गुजरात) के साथ सीमा बनाता है।

19. [a]

व्याख्या:–

◈ **बाड़मेर (A-2):** यह एकमात्र जिला है जो दक्षिण में गुजरात और पश्चिम में **पाकिस्तान** से मिलता है।
◈ **पंजाब सीमा (B-1):** राजस्थान के केवल दो जिले, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, उत्तर में पंजाब को स्पर्श करते हैं।
◈ **जैसलमेर (C-4):** यह पाकिस्तान के साथ सर्वाधिक **464 किमी** लंबी सीमा बनाता है।
◈ **उभयनिष्ठ सीमा (D-3): श्रीगंगानगर** (पंजाब+पाक) और **बाड़मेर** (गुजरात+पाक) ऐसे जिले हैं जो अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय दोनों सीमाएँ रखते हैं।

20. [a]

व्याख्या:-

◈ राजस्थान का विस्तार चार प्रमुख बिंदुओं से मापा जाता है:
◈ **उत्तर – कोणा गाँव**, श्रीगंगानगर
◈ **दक्षिण – बोरकुंड गाँव**, कुशलगढ़ (बाँसवाड़ा)
◈ **पश्चिम – कटरा गाँव**, सम (जैसलमेर)
◈ **पूर्व – सिलौन या सिलावट गाँव**, राजाखेड़ा (धौलपुर)

21. [c]

व्याख्या:-

◈ **कर्क रेखा (Tropic of Cancer)** पृथ्वी पर $23^1/_2°$ उत्तरी अक्षांश पर स्थित है। यह भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है और राजस्थान के **दो जिलों** से गुजरती है।
◈ **बाँसवाड़ा –** विशेषतः **कुशलगढ़** क्षेत्र से
◈ **डूँगरपुर –** विशेषतः **चिकली गाँव** के आसपास
◈ यहाँ पर 21 जून को सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं।
◈ इस दिन राजस्थान का सबसे बड़ा दिन व सबसे छोटी रात होती है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे छोटा दिन व सबसे बड़ी रात होती है।

नोट:- राजस्थान में कर्क रेखा की लंबाई 26 किमी. है।

22. [a]

व्याख्या:–

◈ **कथन 1 सही –** 21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत चमकता है, और कर्क रेखा बाँसवाड़ा जिले से गुजरती है।
◈ **कथन 2 सही –** कर्क रेखा राजस्थान के दक्षिणी भाग (डूँगरपुर, बाँसवाड़ा) से होकर गुजरती है।
◈ **कथन 3 सही –** श्रीगंगानगर राजस्थान का उत्तरी जिला है, इसलिए वहाँ सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक होता है।
◈ **कथन 4 गलत –** जैसलमेर पश्चिमी जिला है, सर्वाधिक उत्तरी जिला **श्रीगंगानगर** है।

23. [b]

व्याख्या:–

◈ बाँसवाड़ा (A) - राजस्थान का दक्षिणतम जिला, लगभग 23°3' उत्तर अक्षांश - (III)
◈ जैसलमेर (B) - पश्चिमतम जिला, लगभग 69°30' पूर्व देशांतर - (II)
◈ धौलपुर (C) - पूर्वतम जिला**,** लगभग **78°17' पूर्व देशांतर - (IV)**
◈ गंगानगर (D) - उत्तरतम जिला, लगभग 30°12' उत्तर अक्षांश - (I)

24. [a]

व्याख्या:–

राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के अनुसार महत्वपूर्ण अक्षांश और देशांतर रेखाएँ इन जिलों से गुजरती हैं:

◈ **23½° (23.5°) उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा):** यह रेखा राजस्थान के दक्षिणतम भाग से होकर गुजरती है। यह मुख्य रूप से **बाँसवाड़ा** जिले के मध्य से और डूँगरपुर जिले की दक्षिणी सीमा को स्पर्श करते हुए निकलती है। (प्रश्न में **23°** के निकटतम संदर्भ में बाँसवाड़ा सही उत्तर है)।
◈ **70° पूर्वी देशान्तर:** राजस्थान का पश्चिमी विस्तार **69°30' पूर्वी देशान्तर** से शुरू होता है। अतः **70°** पूर्वी देशान्तर रेखा राजस्थान के सुदूर पश्चिमी जिले **जैसलमेर** के मध्य से होकर गुजरती है।

25. [b]

व्याख्या:-

◈ राजस्थान पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है, इसलिए इसके अक्षांशीय विस्तार के साथ हमेशा 'उत्तर' (North) शब्द का प्रयोग होता है।
◈ विस्तार राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार 23° 03' उत्तरी अक्षांश (बोरकुण्ड गाँव, बाँसवाड़ा) से 30° 12' उत्तरी अक्षांश (कोणा गाँव, श्रीगंगानगर) तक है।
◈ कुल अंतर दोनों अक्षांशों के मध्य 7° 09' का अंतर है।
◈ दूरी उत्तर से दक्षिण की कुल लंबाई 826 किमी. है।

♦♦♦♦

राजस्थान का भौतिक स्वरूप

1. कथन–कारण (Assertion–Reason) प्रश्न
कथन (A): राजस्थान को चार प्रमुख भौतिक विभागों में विभाजित किया जाता है तथा अरावली पर्वतमाला राज्य का प्राचीनतम भौगोलिक अंचल है।
कारण (R): क्योंकि राजस्थान का लगभग 61% भू-भाग थार मरुस्थल से आच्छादित है, इसलिए उसे चार भौतिक विभागों में बाँटा गया है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए—
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. राजस्थान स्थित थार मरुस्थल को टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
2. राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग दो-तिहाई भाग मरुस्थल है।
3. 'थार' मरुस्थल का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,38,254 वर्ग किमी है।
4. थार मरुस्थल मुख्यतः अरावली पर्वतमाला के पूर्वी भाग में स्थित है।
सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1 और 4
(c) केवल 2 और 3 (d) सभी 1, 2, 3 और 4

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. राजस्थान में मरुस्थल राज्य के एक-चौथाई से भी कम क्षेत्र में फैला हुआ है।
2. मरुस्थलीय क्षेत्र में उच्च तापमान एवं निम्न वर्षा पाई जाती है।
3. चरागाहों में कमी, अनियंत्रित पशुचारण एवं वनों की कटाई मरुस्थल विस्तार के कारण हैं।
4. मरुस्थलीय क्षेत्रों की मृदा में लवणीयता एवं क्षारीयता की समस्या पाई जाती है।
सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) केवल 1 गलत है। (b) केवल 1 और 2 गलत हैं।
(c) केवल 2 और 3 सही हैं। (d) सभी कथन सही हैं।

4. थार मरुस्थल का विस्तार किन राज्यों तक है?
(a) राजस्थान
(b) राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश
(c) राजस्थान, पंजाब
(d) राजस्थान, पंजाब, गुजरात, हरियाणा

5. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के सम्बन्धों में सही कथन चुनिए-
1. राज्य के 61.11 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पश्चिमी रेतीले मैदान का विस्तार है।
2. राज्य के 9 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है।
3. राज्य के 23 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है।
4. राज्य के 7.37 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।
(a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 3 और 4

6. संरचनात्मक दृष्टि से राजस्थान के भौतिक स्वरूप भारत के निम्नलिखित में से किन उच्चावच प्रदेशों का हिस्सा है-
(a) उत्तरी वृहत मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
(b) उत्तरी पर्वतीय प्रदेश, उत्तरीय वृहत मैदान
(c) तटीय मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
(d) प्रायद्वीपीय पठार, उत्तरी पर्वतीय प्रदेश

7. राजस्थान का दक्षिण पूर्व पठार क्षेत्र:
(a) हाड़ौती पठार के रूप में भी जाना जाता है।
(b) यह बारां, बून्दी और कोटा जिलों में विस्तृत है।
(c) चंबल इस क्षेत्र की मुख्य नदी है।
(d) चूलिया जलप्रपात भी यहाँ स्थित है।
(e) यह छप्पन के मैदान के नाम से भी जाना जाता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (b), (c), (d) और (e) (b) (a), (b), (d) और (e)
(c) (a), (c), (d) और (e) (d) (a), (b), (c) और (d)

8. सुमेलित कीजिए

प्राकृतिक भाग	**औसत वर्षा**
अ. उत्तरी-पश्चिमी रेगिस्तान	**1. 12 से 15 सेमी.**
ब. पूर्वी मैदान	**2. 40 से 80 सेमी.**
स. मध्यवर्ती पहाड़ी प्रदेश	**3. 20 से 90 सेमी.**
द. दक्षिण-पूर्वी पठार	**4. 75 सेमी.**

(a) अ-4, ब-3, स-2, द-1 (b) अ-2, ब-3, स-4, द-1
(c) अ-2, ब-3, स-1, द-4 (d) अ-1, ब-2, स-3, द-4

9. थार मरुस्थल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सम्पूर्ण थार मरुस्थल रेतीला एवं बालुका स्तूप क्षेत्र है।
2. थार मरुस्थल लगभग 1,75,000 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है।
3. यह 25 सेमी. सम-वर्षा रेखा के पश्चिम में स्थित है।
4. भालेरी (चूरू) एवं मेंढा नदी घाटी (सीकर) में बरखान प्रकार के बालुका स्तूप पाए जाते हैं।
5. थार मरुस्थल मुख्यतः अरावली पर्वतमाला के पूर्व में फैला हुआ है।
नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए—
(a) केवल 2, 3 और 4 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2, 4 और 5 (d) केवल 1, 3 और 5

10. निम्नलिखित पर विचार कीजिए –
कथन (A): राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग में औसत वार्षिक वर्षा 80 सेमी. से 120 सेमी. के मध्य होती है।
कारण (R): क्योंकि राजस्थान में स्थित थार मरुस्थल राज्य के पश्चिमी भाग में फैला है, जहाँ वर्षा अत्यल्प होती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए—
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, परन्तु R सही है।

11. राजस्थान के धरातलीय स्वरूपों के सम्बन्ध में कौन-सा कथन गलत है?
(a) अरावली विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणी है।
(b) उत्तर-पूर्वी मैदान सिन्धु नदी द्वारा निर्मित मैदान का भाग है।
(c) प. (पश्चिमी) बालुका मैदान टैथिस सागर का अवशेष रूप है।
(d) दक्षिण-पूर्वी पठार गौंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग है।

12. निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन-से ज़िले 'भारतीय वृहत् मरुस्थल' के भाग हैं-
(a) जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर (b) बाड़मेर, जोधपुर, सिरोही
(c) बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर (d) जैसलमेर, बाड़मेर, अजमेर

13. राजस्थान के निम्नलिखित भौतिक विभाजन को पूर्व से पश्चिम के क्रम में व्यवस्थित करें।
(a) पश्चिमी बालू मैदान
(b) अरावली श्रृंखला और पर्वतीय क्षेत्र
(c) पूर्वी मैदान
(d) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पठार (हाड़ौती पठार)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (c), (b), (d), (a)
(b) (d), (c), (b), (a)
(c) (a), (b), (c), (d)
(d) (b), (a), (d), (c)

14. राजस्थान के भौतिक स्वरूप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. महान सीमा भ्रंश (Great Boundary Fault) राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से होकर गुजरता है।
2. पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का 41.5% क्षेत्र बालुका स्तूप-मुक्त (Dune free) है।
3. राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान के लगभग 60% क्षेत्र में बालुका स्तूप पाए जाते हैं।
4. महान सीमा भ्रंश का विस्तार मुख्यतः कोटा, चित्तौड़गढ़ और सवाई माधोपुर जिलों में देखा जाता है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) उपरोक्त सभी

15. झालावाड़ से बीकानेर की ओर सीधी रेखा में यात्रा करते हुए आप निम्न में से किस प्रकार के भौतिक स्वरूपों के क्रम का अवलोकन करेंगे?
(a) भोराट पठार, हाड़ौती पठार, मध्य अरावली
(b) मध्य माही मैदान, बनास बेसिन, बांगड़
(c) विन्ध्यन कगार, बनास बेसिन, भोराट पठार
(d) हाड़ौती पठार, बनास बेसिन, मध्य अरावली

16. सुमेलित कीजिए–
सूची–I (पठार)
A. गुरुशिखर का पठार **B. बीछिया का पठार**
C. माण्डलगढ़ का पठार **D. लसाड़िया का पठार**
E. भैंसरोड़गढ़ का पठार
सूची–II (विशेषता)
1. 1200 मीटर, सिरोही क्षेत्र
2. 1360 मीटर, सिरोही (अरावली की सर्वोच्च चोटी)
3. 325–650 मीटर, काला-पटार क्षेत्र
4. 450 मीटर, झालावाड़–मंदसौर क्षेत्र
5. उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में, देसूरी के मध्य
कूट:-
(a) A-2, B-1, C-5, D-3, E-4
(b) A-1, B-2, C-5, D-3, E-4
(c) A-2, B-1, C-3, D-5, E-4
(d) A-2, B-3, C-5, D-1, E-4
(e) A-2, B-1, C-4, D-3, E-5

17. अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:
I. अरावली पर्वतमाला थार मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को नियंत्रित करती है।
II. यह राजस्थान में एक 'जल विभाजक' के रूप में कार्य करती है।
III. अरावली को राजस्थान की 'जीवन रेखा' कहा जाता है।
IV. इसके पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ अपना जल बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं।
विकल्प:-
(a) केवल I और II सही हैं।
(b) केवल I, II और III सही हैं।
(c) केवल II, III और IV सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

18. सूची-I (दर्रे/नाल) को सूची-II (संबंधित स्थान/क्षेत्र) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (दर्रे/नाल)	सूची-II (संबंधित स्थान/जोड़ने वाले क्षेत्र)
(A) बर्र दर्रा	(1) उदयपुर
(B) शिवपुरा व सूरा घाट	(2) अजमेर और पाली
(C) फुलवारी की नाल	(3) अजमेर और राजसमन्द
(D) हाथीगुढ़ा नाल	(4) मेवाड़ और मारवाड़

कूट:–
(a) A-2, B-3, C-4, D-1 (b) A-2, B-3, C-1, D-4
(c) A-3, B-2, C-1, D-4 (d) A-1, B-4, C-2, D-3

19. राजस्थान के 'दक्षिणी-पूर्वी पठार' (हाड़ौती के पठार) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
I. विन्ध्यन कगार का निर्माण मुख्य रूप से चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से हुआ है।
II. दक्कन के लावा पठार पर पाई जाने वाली काली मृदा का निर्माण ज्वालामुखी के दरारी उद्गार से हुआ है।
III. चम्बल और इसकी सहायक नदियों द्वारा बारां और कोटा में 'त्रिकोणीय जलोढ़ मैदान' का निर्माण किया गया है।
IV. उच्चावच की दृष्टि से इस पठारी क्षेत्र को तीन धरातलीय उप-प्रदेशों में विभक्त किया गया है।
उपर्युक्त में से कौन से कथन सत्य हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I, II और III (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

20. राजस्थान के 'शाहबाद उच्च स्थल' (बारां) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए:
I. शाहबाद उच्च क्षेत्र 300 मीटर की समोच्च रेखा (Contour line) से घिरा हुआ है।
II. रामगढ़ पहाड़ी की आकृति 'घोड़े की नाल' (Horse Shoe) के समान है।
III. रामगढ़ क्रेटर झील का निर्माण प्राचीन काल में ज्वालामुखी के विस्फोट (Volcanic Eruption) से हुआ था।
IV. रामगढ़ की पहाड़ी को एक 'जियो हेरिटेज साइट' के रूप में मान्यता प्राप्त है।
विकल्प:–
(a) केवल I, II और III सही हैं। (b) केवल II, III और IV सही हैं।
(c) केवल I, II और IV सही हैं। (d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

21 राजस्थान में 'बृहत सीमान्त भ्रंश' फैला है, के सहारे-
(a) बूँदी- सवाई माधोपुर की पहाड़ियाँ
(b) उदयपुर की पहाड़ियाँ
(c) अलवर की पहाड़ियाँ
(d) शेखावाटी की पहाड़ियाँ

22. निम्नलिखित में से अरावली पर्वत की चोटियों का ऊँचाई के अनुसार सही घटता क्रम है-
(a) रघुनाथगढ़, नागपानी, ऋषिकेश, तारागढ़
(b) ऋषिकेश, रघुनाथगढ़, तारागढ़, नागपानी
(c) ऋषिकेश, तारागढ़, रघुनाथगढ़, नागपानी
(d) रघुनाथगढ़, ऋषिकेश, तारागढ़, नागपानी

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये-
1. कुम्भलगढ़, भौराट के पठार का सर्वोच्च बिन्दु है।
2. रघुनाथगढ़, उत्तरी अरावली का सर्वोच्च शिखर है।
3. उड़िया पठार, माउण्ट आबू के निकट स्थित है।
कूट-
(a) केवल 1 व 3
(b) केवल 2 व 3
(c) केवल 1 व 2
(d) 1, 2 व 3

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है:
कथन (A): राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान में जनसंख्या का घनत्व, विश्व के अन्य मरुस्थलों की तुलना में अधिक है।
कारण (R): थार मरुस्थल में अनुकूल जलवायु परिस्थितियाँ और अत्यधिक वर्षा पाई जाती है।
कूट (Options):
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]
व्याख्या:–
राजस्थान को चार प्रमुख भौतिक विभागों में बाँटा जाता है—
1. पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश **2.** अरावली पर्वतीय प्रदेश
3. पूर्वी मैदानी प्रदेश **4.** दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश
साथ ही अरावली पर्वतमाला भारत की प्राचीनतम पर्वतमालाओं में से एक है और राजस्थान का प्राचीनतम भौगोलिक अंचल है।
- कारण (R) भी सही है –
- राजस्थान का लगभग 61% भू-भाग मरुस्थल से आच्छादित है।
- लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता, क्योंकि चार भौतिक विभागों में विभाजन का कारण केवल मरुस्थल का प्रतिशत नहीं है, बल्कि स्थलाकृति (relief), संरचना एवं भौगोलिक विशेषताएँ हैं।

2. [a]
व्याख्या:–
- कथन 1 सही – थार मरुस्थल को प्राचीन टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- कथन 2 सही – राजस्थान के क्षेत्रफल का लगभग दो-तिहाई भाग मरुस्थलीय है।
- कथन 3 सही – थार मरुस्थल का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,38,254 वर्ग किमी माना जाता है।
- कथन 4 गलत – थार मरुस्थल अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी भाग में स्थित है, न कि पूर्वी भाग में।

3. [a]
व्याख्या:
- **कथन 1 गलत –** राजस्थान का लगभग **दो-तिहाई (≈ 61%)** भाग मरुस्थलीय है, न कि एक-चौथाई से कम।
- **कथन 2 सही –** मरुस्थल में उच्च तापमान एवं कम वर्षा प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- **कथन 3 सही –** अनियंत्रित पशुचारण, चरागाहों की कमी एवं वनों की कटाई मरुस्थलीकरण को बढ़ाते हैं।
- **कथन 4 सही –** मरुस्थलीय मृदा में लवणीयता एवं क्षारीयता की समस्या सामान्य है।

4. [d]
व्याख्या:-
- थार मरुस्थल का विस्तार भारत में **85 प्रतिशत**, पाकिस्तान में **15 प्रतिशत** है। इसका विस्तार भारत में राजस्थान (62%), हरियाणा, गुजरात, पंजाब में है। थार का मरुस्थल उत्तर-पश्चिम में 640 किलोमीटर लम्बा व 300 किलोमीटर चौड़ा रेतीला मरुस्थल है। इसका कुल क्षेत्रफल **1,75,000 वर्ग कि.मी**. (डॉ. हरिमोहन सक्सेना की पुस्तक 'राजस्थान का भूगोल' में) है। यहाँ सर्वाधिक जैव विविधता पाई जाती है। अतः इस क्षेत्र को रूक्ष क्षेत्र कहते है। मरुस्थलीय क्षेत्र में जहाँ जल बेसिन पाये जाते हैं उसके चारों ओर हरियाली विकसित हो जाती है, जिसे नखलिस्तान (Oasis) कहते हैं।
- मरुस्थल का राजस्थान में सर्वाधिक विस्तार जबकि हरियाणा में न्यूनतम विस्तार है।

5. [c]
राजस्थान के भौतिक प्रदेशों का आधिकारिक वर्गीकरण और क्षेत्रफल विस्तार निम्न प्रकार है:
1. **पश्चिमी रेतीला मैदान:** यह राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग **61.11%** भाग कवर करता है
2. **अरावली पर्वतीय प्रदेश:** यह राज्य के लगभग **9%** भू-भाग पर विस्तृत है
3. **पूर्वी मैदान:** यह राज्य के लगभग **23.03%** (या लगभग 23%) क्षेत्र में फैला हुआ है
4. **दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती):** इसका विस्तार राज्य के लगभग **6.89%** भाग पर है

6. [a]
व्याख्या:-
राजस्थान में दो प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र आते हैं:
1. उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र (गंगानगर, हनुमानगढ़) जो **इण्डो-गैंगेटिक प्लेन** यानी **उत्तरी वृहत मैदान** का भाग है।
2. दक्षिण और पूर्वी भाग (कोटा, झालावाड़, डूँगरपुर) जो **प्रायद्वीपीय पठार** का भाग है, विशेषकर **मालवा और दक्कन पठार** से जुड़ा हुआ है।

- भारत को सामान्यत: 05 भागों में बांटा गया है- हिमालय पर्वत, विशाल मध्यवर्ती मैदान, तटवर्ती मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, द्वीप समूह।
- इस क्षेत्र की प्रमुख नदी चंबल है जो चित्तौड़गढ़ के समीप चुलिया जल प्रपात बनाती है।

7. [d]

व्याख्या

- (a) हाड़ौती पठार: इसे ऐतिहासिक रूप से हाड़ा चौहानों के शासन के कारण 'हाड़ौती का पठार' कहा जाता है।
- (b) विस्तार: यह मुख्य रूप से कोटा, बूँदी, बारां और झालावाड़ जिलों में फैला हुआ है।
- (c) मुख्य नदी: चंबल इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण और जीवनदायिनी नदी है, जो यहाँ गहरे गार्ज और उपजाऊ मैदान बनाती है।
- (d) चूलिया जलप्रपात: यह जलप्रपात चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा (जो भौगोलिक रूप से दक्षिण-पूर्वी पठार का हिस्सा माना जाता है) में चंबल नदी पर स्थित है।

8. [d]

व्याख्या:-

राजस्थान में वर्षा का वितरण इस प्रकार है -	
प्राकृतिक भाग	**औसत वर्षा**
अ. उत्तरी-पश्चिमी रेगिस्तान	12-15 सेमी. (कम से कम)
ब. पूर्वी मैदान	40-80 सेमी.
स. मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र	20-90 सेमी. (विविधता)
द. दक्षिण-पूर्वी पठार	75 सेमी. या उससे अधिक

9. [a]

व्याख्या:–

- **कथन 1 गलत** – सम्पूर्ण मरुस्थल केवल रेतीला नहीं है; इसमें पथरीले एवं लवणीय क्षेत्र भी हैं।
- **कथन 2 सही** – थार मरुस्थल लगभग **1,75,000 वर्ग किमी.** क्षेत्र में फैला है।
- **कथन 3 सही** – यह **25 सेमी. सम-वर्षा रेखा** के पश्चिम में स्थित है, जहाँ वर्षा अत्यल्प होती है।
- **कथन 4 सही** – भालेरी (चूरू) एवं मेंढा नदी घाटी (सीकर) में **बरखान (अर्धचंद्राकार) बालुका स्तूप** पाए जाते हैं।
- **कथन 5 गलत** – थार मरुस्थल **अरावली पर्वतमाला के पश्चिम** में स्थित है, न कि पूर्व में।

10. [b]

व्याख्या:–

- कथन (A) सही है – दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग (कोटा, झालावाड़, बारां आदि) में औसत वर्षा लगभग 80–120 सेमी. होती है, जो राज्य में सर्वाधिक है।
- कारण (R) भी सही है – थार मरुस्थल राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित है, जहाँ वर्षा बहुत कम होती है।

11. [b]

व्याख्या:-

- **(a) सही** – अरावली पर्वतमाला विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणियों में से एक है।
- **(b) गलत** – उत्तर-पूर्वी मैदान मुख्यतः **चंबल एवं उसकी सहायक नदियों** द्वारा निर्मित है, न कि सिंधु नदी द्वारा।
- **(c) सही** – पश्चिमी बालुका मैदान (थार मरुस्थल) को टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- **(d) सही** – दक्षिण-पूर्वी पठार भू-वैज्ञानिक दृष्टि से **गौंडवाना लैण्ड** का विस्तारित भाग है।

12. [c]

व्याख्या:-

- भारतीय वृहत् मरुस्थल (थार मरुस्थल) राजस्थान के पश्चिमी और उत्तरी-पश्चिमी भाग में फैला है। इसमें **बीकानेर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे शुष्क जिले** शामिल हैं, जो मरुस्थल के प्रमुख हिस्से हैं।

13. [b]

व्याख्या:

- राजस्थान के भौतिक विभागों को **पूर्व से पश्चिम** के क्रम में व्यवस्थित करने पर सही उत्तर (b) होगा।

सही क्रम का विश्लेषण

- राजस्थान के भौतिक स्वरूप को जब हम पूर्व (उत्तर-प्रदेश/मध्य प्रदेश की सीमा) से पश्चिम (पाकिस्तान की सीमा) की ओर देखते हैं, तो उनका क्रम इस प्रकार है:-

  1. दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पठार (हाड़ौती पठार): यह राज्य के सबसे पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है।

  2. पूर्वी मैदान: हाड़ौती के पठार के पश्चिम में बनास और चंबल बेसिन का मैदानी भाग आता है।

  3. अरावली श्रृंखला: यह राजस्थान के मध्य में स्थित है, जो मैदान और मरुस्थल को अलग करती है।

  4. पश्चिमी बालू मैदान (थार मरुस्थल): यह राज्य के सबसे पश्चिम में स्थित रेतीला भाग है।

14. [b]

व्याख्या:-

- **कथन 1 गलत है:** महान सीमा भ्रंश भीलवाड़ा से नहीं गुजरता। बल्कि यह बांसवाड़ा से गुजरता है।
- **कथन 2 सही है:** आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार **41.5%** क्षेत्र बालुका स्तूप-मुक्त है।
- **कथन 3 सही है:** लगभग **58.5%** (निकटतम **60%**) क्षेत्र बालुका स्तूपों से ढका है।
- **कथन 4 सही है:** यह भ्रंश बूँदी, सवाई माधोपुर, कोटा और चित्तौड़गढ़ जिलों की सीमाओं के सहारे विस्तृत है
- **महान सीमा भ्रंश** राजस्थान की एक **प्रमुख भू-सांवेगिक संरचना** है। यह एक भ्रंश रेखा है जो दो भौगोलिक इकाइयों को अलग करती है:
- **पूर्व में - विंध्यन श्रेणी**
- पश्चिम में - अरावली श्रृंखला
- महान सीमा भ्रंश की अवस्थिति:
- यह भ्रंश रेखा राजस्थान में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिशा में विस्तृत है, और निम्नलिखित जिलों से होकर गुजरती है: कोटा, चित्तौड़गढ व सवाईमाधोपुर

15. [d]

व्याख्या:-

- **झालावाड़** हाड़ौती क्षेत्र में है, जो विध्यन पर्वत से बना पठारी क्षेत्र है। इसके बाद **बनास बेसिन** आता है, जो दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में फैला हुआ है। इसके बाद **अरावली पर्वतमाला** आती है जो राजस्थान को दो भागों में बाँटती है।
- इस क्रम से यह यात्रा सही होती है-
- हाड़ौती पठार → बनास बेसिन → मध्य अरावली → थल भाग (बीकानेर)
- हाड़ौती पठार मालवा के पठार पर स्थित है।

16. [a]

व्याख्या:-

A. गुरुशिखर का पठार

- ◈ समुद्रतल से 1360 मीटर ऊँचा।
- ◈ यह सिरोही जिले में स्थित है।
- ◈ अरावली पर्वतमाला की सर्वोच्च चोटी गुरुशिखर यहीं स्थित है।

B. बीछिया का पठार

- ◈ लगभग 1200 मीटर ऊँचाई।
- ◈ यह भी सिरोही क्षेत्र में स्थित है।

C. माण्डलगढ़ का पठार

- ◈ उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में स्थित।
- ◈ देसूरी दर्रे के मध्य क्षेत्र में पाया जाता है।

D. लसाड़िया का पठार

- ◈ ऊँचाई लगभग 325–650 मीटर।
- ◈ इसे काला-पटार क्षेत्र भी कहा जाता है।

E. भैंसरोड़गढ़ का पठार

- ◈ लगभग 450 मीटर ऊँचाई।
- ◈ यह क्षेत्र झालावाड़–मंदसौर तक विस्तृत है।

17. [b]

व्याख्या:–

- ◈ कथन I सही है: अरावली श्रेणी थार मरुस्थल के पश्चिम से पूर्व की ओर होने वाले विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- ◈ कथन II सही है: अरावली एक प्रमुख जल विभाजक है। इसके पूर्व से निकलने वाली नदियाँ (जैसे बनास) अपना जल बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं, जबकि पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ (जैसे लूनी) अरब सागर की ओर जाती हैं।
- ◈ कथन III सही है: खनिज संसाधनों की प्रचुरता, नदियों का उद्गम स्थल होने, विविध वनस्पति और वन्यजीवों के कारण इसे राजस्थान की जीवन रेखा कहा जाता है।
- ◈ कथन IV गलत है: क्योंकि अरावली के पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ अरब सागर की ओर जाती हैं, न कि बंगाल की खाड़ी की ओर। बंगाल की खाड़ी में जल ले जाने वाली नदियाँ अरावली के पूर्व से निकलती हैं।

18. [b]

व्याख्या:-

- ◈ बर्र दर्रा (A-2): यह मध्य अरावली का प्रमुख दर्रा है जो अजमेर को पाली जिले से जोड़ता है।
- ◈ शिवपुरा व सूरा घाट (B-3): ये दर्रे अजमेर को राजसमन्द से जोड़ने का मार्ग प्रदान करते हैं।
- ◈ फुलवारी की नाल (C-1): यह प्रसिद्ध नाल/दर्रा राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित है।
- ◈ हाथीगुढ़ा नाल **(D-4):** यह राजसमन्द में स्थित है और मेवाड़ को मारवाड़ (राजसमन्द को पाली) से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में से एक है।

19. [c]

व्याख्या:-

- ◈ **कथन I सत्य है:** विन्ध्यन कगार चूना पत्थर (**Limestone**) और बलुआ पत्थर (**Sandstone**) से निर्मित हैं, जिनका विस्तार धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर तक है।
- ◈ **कथन II सत्य है:** दक्कन लावा पठार का निर्माण क्रिटेशियस काल में ज्वालामुखी क्रिया से हुआ है। यहाँ **रेगुर (काली) मृदा** पाई जाती है, जिसे इसकी जल धारण क्षमता के कारण 'स्वतः जुताई वाली मृदा' भी कहते हैं।
- ◈ **कथन III सत्य है:** चम्बल, कालीसिंध और पार्वती नदियों ने बारां व कोटा क्षेत्र में उपजाऊ **त्रिकोणीय जलोढ़ मैदानों** का निर्माण किया है।
- ◈ **कथन IV गलत है:** आपकी जानकारी के अनुसार, उच्चावच की दृष्टि से हाड़ौती के पठार को **5 धरातलीय प्रदेशों** (अर्द्धचन्द्राकार पर्वत, नदी निर्मित मैदान, शाहबाद उच्च स्थल, झालावाड़ पठार, और डग-गंगधार क्षेत्र) में विभक्त किया गया है, न कि तीन में।

20. [c]

व्याख्या:-

- ◈ कथन I सही है: शाहबाद उच्च क्षेत्र बारां जिले में स्थित है और यह मुख्य रूप से 300 मीटर की समोच्च रेखा से आवृत है।
- ◈ कथन II सही है: रामगढ़ ग्राम के निकट पर्वत श्रेणी की आकृति विशिष्ट रूप से घोड़े की नाल जैसी है।
- ◈ कथन III गलत है: आपकी जानकारी के अनुसार, रामगढ़ क्रेटर का निर्माण ज्वालामुखी क्रिया से नहीं, बल्कि उल्का पिण्ड के गिरने से हुआ है।
- ◈ कथन IV सही है: अपनी विशिष्ट भू-वैज्ञानिक संरचना के कारण इसे जियो हेरिटेज साइट घोषित किया गया है।

21 [a]

व्याख्या:-

- ◈ **परिभाषा:** बृहत सीमान्त भ्रंश (**Great Boundary Fault - GBF)** एक प्रमुख भू-वैज्ञानिक संरचना है जो अरावली पर्वतमाला और विन्ध्याचल पर्वतमाला के मिलन स्थल को अलग करती है।
- ◈ **विस्तार:** यह भ्रंश राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग में मुख्य रूप से **बूँदी, सवाई माधोपुर, धौलपुर और चित्तौड़गढ़** के सहारे विस्तृत है।
- ◈ **महत्व:** यह क्षेत्र भू-गर्भीय हलचलों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और राज्य के दक्षिण-पूर्वी पठार (हाड़ौती) की सीमा निर्धारित करता है।

22. [d]

व्याख्या:–

- ◈ **रघुनाथगढ़ (सीकर):** इसकी ऊँचाई **1055 मीटर** है। यह उत्तरी अरावली की सबसे ऊँची चोटी है।
- ◈ **ऋषिकेश (सिरोही):** इसकी ऊँचाई **1017 मीटर** है।
- ◈ **तारागढ़ (अजमेर):** इसकी ऊँचाई **873 मीटर** है। यह मध्य अरावली की प्रमुख चोटी है।

  नागपानी (उदयपुर): इसकी ऊँचाई **867 मीटर** है।

23. [b]

व्याख्या:-

- ◈ कथन 1 (गलत): भौराट का पठार उदयपुर (गोगुन्दा) और राजसमन्द (कुम्भलगढ़) के मध्य स्थित है। इस पठार का सर्वोच्च बिंदु जरगा पर्वत (1431 मीटर) है, न कि कुम्भलगढ़ (1224 मीटर)।
- ◈ कथन 2 (सही): रघुनाथगढ़, जो सीकर जिले में स्थित है, 1055 मीटर की ऊँचाई के साथ उत्तरी अरावली का सबसे ऊँचा शिखर है।
- ◈ कथन 3 (सही): उड़िया पठार राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार (1360 मीटर) है, जो सिरोही जिले में माउण्ट आबू के पास गुरुशिखर के ठीक नीचे स्थित है।

24. [c]

व्याख्या:–

- ◈ कथन (A) की व्याख्या: यह बिल्कुल सही है। थार का मरुस्थल विश्व का सबसे अधिक 'जनसंख्या वाला' और 'जैव-विविधता वाला' मरुस्थल है। जहाँ सहारा या गोबी जैसे मरुस्थलों में जनसंख्या नगण्य है, वहीं थार में कृषि और पशुपालन के कारण जनघनत्व अन्य मरुस्थलों से काफी बेहतर है।
- ◈ कारण (R) की व्याख्या: यह गलत है। थार मरुस्थल में अनुकूल जलवायु नहीं बल्कि 'विषम जलवायु' पाई जाती है। यहाँ वर्षा बहुत कम (औसत 20-50 सेमी) होती है। यहाँ जनसंख्या अधिक होने का कारण अनुकूल जलवायु नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी नहर द्वारा पानी की उपलब्धता और लोगों का जुझारू स्वभाव है।

♦♦♦♦

राजस्थान का इतिहास

1. निम्नांकित में से कौन–से कथन सत्य है?
1. रंगमहल का उत्खनन वी. एन. मिश्रा एवं राजस्थान राज्य पुरातत्त्व विभाग ने संयुक्त रूप से 1959 ई. में किया था।
2. उत्तरी राजस्थान में रंगमहल प्राक्–हड़प्पा युगीन पुरास्थल है।
3. रंगमहल का उत्खनन स्वडिश के पुरातत्त्वविद हन्नारिड़ ने 1952–53 ई. में किया था।
4. रंगमहल संस्कृति कुषाणकालीन है।
कूट:–
(a) 1 और 4 (b) 3 और 4
(c) 2 और 3 (d) 1 और 2

2. निम्नलिखित में से ओझियाना के उत्खनन में कौन शामिल था/थे?
1. आर. सी. अग्रवाल 2. बी. आर. मीणा
3. आलोक त्रिपाठी
कूट:–
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) केवल 3

3. बागोर पुरास्थल के संदर्भ में कौनसे कथन सही हैं?
(1) यह कोठारी नदी के तट पर स्थित है।
(2) स्थानीय लोग इसे 'महासती' के नाम से जानते हैं।
(3) इसके उत्खनन कार्य से डॉ. वी.एन. मिश्रा सम्बद्ध रहे।
(a) केवल (1) और (2) सही हैं।
(b) केवल (1) और (3) सही हैं।
(c) केवल (2) और (3) सही हैं।
(d) (1), (2) और (3) सभी सही हैं।

4. निम्न कथनों में सर्वाधिक उपयुक्त कथन है-
1. बालाथल राजस्थान का एक महत्वपूर्ण पुरातत्व ताम्रपाषाण स्थल है।
2. इसकी खोज वी.एन. मिश्रा ने की थी। इसका हड़प्पा सभ्यता से सम्पर्क उनके गृह निर्माण से प्रमाणित होता है।
(a) कथन 1 सत्य है, किन्तु कथन 2 असत्य है।
(b) कथन 1 असत्य है, किन्तु कथन 2 सत्य है।
(c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य है।
(d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य है।

5. निम्नलिखित कथनों को पढ़िये एवं नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही विकल्प को चुनिए :
A. बी. बी. लाल के निर्देशन में गिलूण्ड का उत्खनन किया गया था।
B. वी. एन. मिश्र के निर्देशन में बालाथल का उत्खनन किया गया था।
कूट :
(a) केवल A सही है। (b) केवल B सही है।
(c) A और B दोनों सही हैं। (d) A और B दोनों गलत हैं।

6. "बीजक की पहाड़ी' मौर्यकालीन स्तूप चैत्य का एक खंडहर है, जिसका निर्माण बारी–बारी से लकड़ी के छब्बीस स्तम्भों तथा ईट के, चूने के पत्थर से प्लॉस्टर किए हुए पैनलों, से हुआ था। यह कहाँ स्थित है?
(a) बैराठ (b) तिलवाड़ा
(c) ओझियाना (d) सोथी

7. सही कथन चुनिए-
कथन-(1): बैराठ, कोटपूतली-बहरोड़ जिले में स्थित है। यह विभिन्न युगों के दौरान एक बहुत ही विकसित स्थान रहा है।
कथन-(2): यह महाभारत काल के दौरान मत्स्य क्षेत्र की राजधानी था। सम्राट अशोक के काल में शिला पट्टिकाएँ भी यहां मिली हैं।
(a) कथन 1 और कथन 2 दोनों सही हैं।
(b) कथन 1 और कथन 2 दोनों ही गलत है।
(c) कथन 1 सही है लेकिन कथन 2 गलत है।
(d) कथन 1 गलत है लेकिन कथन 2 सही है।

8. आहड़ सभ्यता के बारे में सही कथन का चयन कीजिए–
1. आहड़वासी ताँबा गलाना जानते थे।
2. ये लोग चावल से परिचित नहीं थे।
3. धातु का काम आहड़वासियों की अर्थव्यवस्था का एक साधन था।
4. यहाँ से काले–लाल रंग के मद्भाण्ड मिले हैं, जिन पर सामान्यतः सफेद रंग से ज्यामितीय आकृतियाँ उकेरी गई हैं।
कूट:-
(a) 1, 3 एवं 4 सही है। (b) 1 एवं 2 सही है।
(c) 1, 2 और 3 सही है। (d) 3 एवं 4 सही है।

9. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
(A) के.एन. दीक्षित बैराठ में उत्खनन से सम्बन्धित हैं।
(B) बैराठ से सूती वस्त्र का टुकड़ा प्राप्त हुआ था।
(C) बैराठ में बीजक की पहाड़ी पर एक अशोक कालीन वृत्ताकार मन्दिर के साक्ष्य मिले हैं, दयाराम साहनी ने अपनी रिपोर्ट में जिसका उल्लेख किया था।
सही कूट चुनिए-
कूट:-
(a) (B) और (C) (b) केवल (B)
(c) (A), (B) और (C) (d) (A) और (C)

10. निम्नलिखित प्रश्न में दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कथन (A): बैराठ सभ्यता के लोग वस्त्र बुनाई की तकनीक से भली-भांति परिचित थे।
कारण (R): यहाँ के उत्खनन में एक सूती कपड़े के टुकड़े में बंधी हुई 36 मुद्राएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें 28 सिक्के इंडो-ग्रीक शासकों के हैं।
विकल्प–
(a) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(d) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

11. निम्न में से किसके लिए कालीबंगा प्रसिद्ध है?
i. जुते हुए खेत ii. किलाबंद गढ़
iii. अग्नि वेदिकाएँ iv. ताम्र के बाट
सही विकल्प को चुनिए :

(a) i, ii, iii (b) i और ii
(c) ii और iii (d) iii और iv

12. सूची-I (पुरातात्विक स्थल) को सूची-II (संबंधित जिले) से सुमेलित कीजिए–

सूची-I (स्थल)	सूची-II (जिला)
(A) कुराड़ा व खुरड़ी	(i) अजमेर
(B) बूढ़ा पुष्कर व होकरा	(ii) जैसलमेर
(C) कुण्डा व ओला	(iii) डीडवाना-कुचामन
(D) आलनियाँ व दर्रा	(iv) श्रीगंगानगर
(E) बरोर व बिनजौर	(v) कोटा
(F) लाछुरा व जहाजपुर	(vi) भीलवाड़ा

सही कूट का चयन कीजिए:
(a) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(v), (E)-(iv), (F)-(vi)
(b) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(v), (E)-(iv), (F)-(vi)
(c) (A)-(i), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(iv), (E)-(v), (F)-(vi)
(d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv), (E)-(v), (F)-(vi)

13. निम्न में से कौन–सा/कौन–से मध्यपाषाण स्थल राजस्थान में स्थित है/हैं?
1. बागोर 2. रत्नापुर
3. तिलवाड़ा 4. लोटेश्वर
(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

14. लाछूरा (भीलवाड़ा) सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस स्थल का उत्खनन वर्ष 1998-99 में बी. आर. मीणा के निर्देशन में किया गया था।
2. यहाँ से शुंगकालीन तीखे किनारे वाले प्याले और 'ललितासन' में नारी की एक मृण्मूर्ति प्राप्त हुई है।
3. यहाँ से प्राप्त मिट्टी की एक मुहर पर खरोष्ठी लिपि के 4 अक्षर अंकित मिले हैं।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

15. बैराठ (विराटनगर) सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए 'असत्य' कथन का चयन कीजिए:
(a) बैराठ प्राचीन मत्स्य जनपद की राजधानी था, जिसका विस्तार वर्तमान अलवर, जयपुर और भरतपुर जैसे क्षेत्रों में था।
(b) यहाँ से केवल महाभारतकाल और बौद्ध धर्म के अवशेष प्राप्त हुए हैं, जबकि मुगलकाल के प्रमाणों का अभाव है।
(c) यहाँ के उत्खनन से उत्तर गुप्तकालीन 'शंख लिपि' के प्रमाण और लौहयुगीन चित्रित धूसर मृदभांड प्राप्त हुए हैं।
(d) यहाँ मुगलकालीन टकसाल के अवशेष मिले हैं और यहाँ ढाले गए सिक्कों पर 'बैराठ' अंकित मिलता है।

16. बैराठ सभ्यता के संदर्भ में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए एवं सही विकल्प चुनिए :
A. मान्यता है कि हूण आक्रांता मिहिरकुल ने बैराठ का विध्वंस किया था।
B. चीनी यात्री युवान-च्वांग ने भी अपने यात्रा वृतान्त में बैराठ का उल्लेख किया है।
(a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य हैं। (d) A और B दोनों असत्य हैं।

17. कालीबंगा सभ्यता के संदर्भ में गलत कथन का चयन कीजिए–
(a) कालीबंगा के लोग ग्रिड पैटर्न प्रणाली के आधार पर कृषि कार्य को अपनाते थे।
(b) कालीबंगा सभ्यता के लोग मृत शरीर को दफनाने पर कुण्डल व दर्पण साथ रखते थे।
(c) यह सभ्यता ग्रामीण सभ्यता के रूप में विकसित हुई।
(d) कालीबंगा सभ्यता के लोग शल्य चिकित्सा पद्धति से परिचित थे।

18. तिलवाड़ा सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह सभ्यता वर्तमान में बालोतरा जिले में लूणी नदी के किनारे स्थित है।
2. इसकी खोज और उत्खनन का कार्य डॉ. वी.एन. मिश्र के नेतृत्व में किया गया था।
3. यहाँ से प्राप्त अवशेषों का समय 500 ई.पू. से 200 ई.पू. के मध्य माना जाता है।
4. यह राजस्थान का एक प्रमुख लौह-युगीन सभ्यता स्थल है।
कूट (Options):
(a) केवल 1 और 2 सही हैं।
(b) केवल 1, 2 और 3 सही हैं।
(c) केवल 2, 3 और 4 सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

19. बागोर उद्योग की विशेषता शिल्प कौशल के उच्च मानकों से है, जिसकी तुलना भारत के किस स्थान के प्रारूप विज्ञान और प्रौद्योगिकी से की जा सकती है?
(a) गौरी गुंडम (तेलंगाना आ.प्र.)
(b) मोरहाना पहाड़ (उ.प्र.)
(c) पचमढ़ी (म.प्र.)
(d) बीरभानपुर (प.बं.)

20. लूनी घाटी डीडवाना, बूढ़ा पुष्कर के आसपास स्थित एक महत्त्वपूर्ण स्थल है। यह निम्नलिखित में से किस युग से संबंधित है?
(a) ऊपरी पुरापाषाण युग
(b) उत्तर पुरापाषाण युग
(c) मध्य पुरापाषाण युग
(d) इनमें से कोई नहीं

21. सूची-I (सभ्यता) को सूची-II (स्थान/जिला) से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (सभ्यता)	सूची-II (स्थान/जिला)
(A) अहेड़ा सभ्यता	(i) बाराँ
(B) रेलावन सभ्यता	(ii) केकड़ी
(C) जूना खेड़ा	(iii) चित्तौड़गढ़
(D) खोर सभ्यता	(iv) पाली

कूट (Codes):

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

22. गणेश्वर सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. यह सभ्यता नीमकाथाना (सीकर) में कांतली नदी के किनारे स्थित एक महत्त्वपूर्ण ताम्रयुगीन स्थल है।

2. यहाँ से प्राप्त ताँबे के उपकरणों में ताँबे की शुद्धता लगभग 50 प्रतिशत तक पाई गई है।

3. उत्खनन के दौरान यहाँ से 'मछली पकड़ने का कांटा' प्राप्त हुआ है, जो यहाँ के निवासियों के खान-पान और व्यवसाय को दर्शाता है।

4. गणेश्वर के लोग ताँबा मुख्यतः खेतड़ी और खो-दरीबा की खानों से प्राप्त करते थे तथा यहाँ से सिंधु सभ्यता को ताँबे की आपूर्ति की जाती थी।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

23. "अशुलियन औज़ार" शब्द मुख्यतः किस काल खंड के औज़ारों के लिए प्रयुक्त हुआ है?

(a) निम्न पुरापाषाण काल (b) मध्य पुरापाषाण काल
(c) उत्तर पुरापाषाण काल (d) मध्यपाषाण काल

24. निम्नलिखित प्रश्न में दो वक्तव्य दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कथन (A): आहड़ सभ्यता को प्राचीन काल में 'ताम्रवती नगरी' के नाम से जाना जाता था।

कारण (R): आहड़ के उत्खनन स्थल से बड़ी संख्या में ताँबे के औजार, उपकरण एवं गलाने की भट्टियाँ प्राप्त हुई हैं।

कूट (Codes):

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

25. राजस्थान के ताम्रयुगीन सभ्यता स्थलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कुराड़ा (डीडवाना-कुचामन) से ईरान के समान एक नालीदार प्याला प्राप्त हुआ है।

2. मलाह (भरतपुर) सभ्यता स्थल घना पक्षी अभयारण्य में स्थित है, जहाँ से ताँबे की तलवारें और हार्पून मिले हैं।

3. किराड़ोत (जयपुर) से ताम्रकालीन चूड़ियों के दो सेट प्राप्त हुए हैं, जिनमें कुल 56 चूड़ियाँ मिली हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

26. राजस्थान की प्राचीन सभ्यताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. सानू गाँव सभ्यता और ओला सभ्यता दोनों का संबंध जैसलमेर जिले से है।

2. ओला से एक लाख वर्ष पुरानी पाषाणकालीन कुल्हाड़ी प्राप्त हुई है, जबकि सानू गाँव से चूहे के दाँत के अवशेष मिले हैं।

3. चन्द्रावती सभ्यता (सिरोही) से गरुड़ासन पर विराजित भगवान विष्णु की प्रतिमा और 11वीं-12वीं सदी के मंदिरों के अवशेष मिले हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1 और 2

27. राजस्थान के ऐतिहासिक स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

I. गुरारा (सीकर) से चांदी के 2744 पंचमार्क सिक्के प्राप्त हुए हैं।

II. जहाजपुर (शाहपुरा) से महाभारतकालीन अवशेषों के प्रमाण मिले हैं।

III. मुगलकाल में भरतपुर का बयाना क्षेत्र सर्वाधिक नील उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल I और II (b) केवल II और III
(c) केवल I और III (d) I, II और III सभी

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) अंकित किया गया है–

कथन (A): हनुमानगढ़ के पल्लू क्षेत्र से प्राप्त सरस्वती माता की प्रतिमा अपनी अद्भुत शिल्पकला और अद्वितीय संरचना के लिए प्रसिद्ध है।

कारण (R): यह प्रतिमा काले ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित है और इस पर मौर्यकालीन लिपि में लेख अंकित हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में सही विकल्प का चयन कीजिए–

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (पुरातात्विक स्थल)	सूची-II (जिला)
(A) पिण्ड पाडलिया	**(i) जालोर**
(B) एलाना	**(ii) सवाईमाधोपुर**
(C) कोल महोली	**(iii) चित्तौड़गढ़**
(D) साबानिया	**(iv) बीकानेर**

कूट (Code):

(a) A-(iii), B-(i), C-(ii), D-(iv)
(b) A-(iv), B-(ii), C-(i), D-(iii)
(c) A-(iii), B-(i), C-(iv), D-(ii)
(d) A-(i), B-(iii), C-(ii), D-(iv)

30. बिन्जोर सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (I): यह सभ्यता स्थल अनूपगढ़ में घग्घर नदी के किनारे स्थित है, जहाँ से हड़प्पा संस्कृति के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

कथन (II): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI), दिल्ली के दल द्वारा वर्ष 2015 में यहाँ उत्खनन (खुदाई) का कार्य किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल कथन I सत्य है।
(b) केवल कथन II सत्य है।
(c) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(d) न तो कथन I और न ही कथन II सत्य है।

31. कर्णपुरा सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (1): यह सभ्यता हनुमानगढ़ जिले में स्थित है, जहाँ वर्ष 2012 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा खुदाई की गई थी।
कथन (2): इस सभ्यता का समय 2800 ई. पूर्व से 2500 ई. पूर्व के मध्य का माना जाता है।
कथन (3): यहाँ की खुदाई में पक्की ईंटों के घर तथा लोहे से निर्मित दर्पण और तीर की नोक प्राप्त हुई है।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1 और 2 दोनों

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है–
कथन (A): राजस्थान में पाषाण युग (Stone Age) की समाप्ति के बाद धातु युग के दौरान सर्वप्रथम ताँबे का प्रयोग प्रारंभ हुआ।
कारण (R): मानव सभ्यता के विकास क्रम में मिश्रित धातु 'काँसे' और 'लोहे' का प्रयोग ताँबे के प्रयोग के बाद की अवस्थाएँ हैं।
कूट (Code):
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

33. राजस्थान के पुरातात्विक स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (1): डीडवाना के सिंघी तालाब और जायल क्षेत्र से पुरापाषाणकालीन हस्तनिर्मित कुल्हाड़ियाँ (Hand-axes) प्राप्त हुई हैं।
कथन (2): सोहनपुरा (नीमकाथाना) स्थल की खोज 1994 में मुरारी लाल शर्मा द्वारा की गई थी, जहाँ से चित्रित शैलाश्रय मिले हैं।
कथन (3): हरसौरा (अलवर) एक मध्यपाषाणकालीन स्थल है, जहाँ से रेखाचित्र बना हुआ चर्ट पत्थर प्राप्त हुआ है।
कथन (4): चन्द्रावती (झालावाड़) से भी प्राचीन चित्रित शैलाश्रयों के प्रमाण मिलते हैं।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

34. राजस्थान के प्रागैतिहासिक स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (1): सोजत और धनेरी (पाली) मुख्य रूप से लघुपाषाणकालीन (Microlithic) सभ्यता के स्थल हैं।
कथन (2): अजमेर में स्थित 'बूढ़ा पुष्कर' और 'होकरा' को पुरापाषाणकालीन (Paleolithic) सभ्यता स्थल माना जाता है।
कथन (3): 'झर' (जयपुर) से श्रीमती आलचिन को 'पुरापाषाण काल' के अवशेष के रूप में 'माइक्रोलिथ' प्राप्त हुए हैं।
कथन (4): जोधपुर के भीमभड़क (कायलाना के निकट) से लगभग 8 हजार वर्ष पुराने शैलचित्र और चर्ट व अगेट से बने औजार मिले हैं।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]
व्याख्या:-
रंगमहल (हनुमानगढ़)
पुरातात्विक साक्ष्य–
➢ रंगमहल का उत्खनन स्वीडिश पुरातत्त्वविद श्रीमती हन्नारिड के नेतृत्व में 1952–54 ई. के मध्य किया गया था।
➢ यहाँ से **कुषाणकालीन तथा उससे पहले की 105 ताँबे की मुद्राएँ** प्राप्त हुई है जिनमें कुछ पंचमार्क मुद्राएँ भी है।
➢ इसे **कुषाणकालीन सभ्यता के समान** माना जाता है।
➢ लाल रंग के पात्रों पर काले रंग के डिजाइन के कारण इसे रंग महल नाम मिला।
➢ **रंगमहल** के तीन बार बसने एवं उजड़ने के प्रमाण मिले हैं।
➢ यहां से गुप्त कालीन ब्राह्मी लिपि में बनी यशोदा कृति मिली है।

2. [b]
व्याख्या:-
ओजियाना (बदनोर, ब्यावर)
➢ **स्थिति–** बदनोर (ब्यावर) के पास खारी नदी के तट पर एक पहाड़ी पर स्थित एक आहड़ सभ्यता का प्रसिद्ध केंद्र।
➢ **उत्खनन – बी. आर. मीणा तथा आलोक त्रिपाठी** द्वारा (2000–2001 में)
➢ यहाँ से तांबे की चूड़ियाँ, अंगूठी व मांदलिया प्राप्त हुआ है।
➢ यहाँ से **बैल (वृषभ) तथा गाय की मृण्मय मूर्तियां** प्राप्त हुई है। जिन पर सफेद रंग से डिजाइन किया गया है।

3. [d]
व्याख्या:-
बागौर सभ्यता –
➢ **स्थिति –** कोठारी नदी के किनारे, भीलवाड़ा।
➢ **उत्खननकर्ता –** डॉ. वी.एन.मिश्र तथा डॉ. एल.एस. लेश्निक द्वारा (1967-70 ई.)।
➢ **उत्खनित स्थल –** महासतियों का टीला।
➢ **उत्खनन के स्तर –** 3 (मध्यपाषाण काल, ताम्रपाषाण काल व लौहकाल)।

अन्य नाम -
(1) आदिम संस्कृति का संग्रहालय
(2) प्राचीन सभ्यताओं का पालना
(3) लघुपाषण उपकरणों का घर
(4) मध्य पाषाणकालीन सभ्यता स्थल

उत्खनन से प्राप्त साक्ष्य/पुरावशेष -
(1) भारत में पशुपालन के पाचीनतम साक्ष्य।
(2) 14 प्रकार की कृषि के साक्ष्य।
(3) पशुओं के कंकाल व कसाई खाने के साक्ष्य।
(4) एक कंकाल के गले में पत्थर व हड्डियों का हार।
(5) 5 ताम्र उपकरण, 7 लौह उपकरण व एक 10.5 सेमी. छेद वाली तांबे की सूई।
(6) मध्य पाषाणकालीन लघु उपकरण (माइक्रोलिथ)।
(7) पत्थर व ईंटों से निर्मित घर तथा चाक पर निर्मित मृदभाण्ड।

4. [c]

व्याख्या:-

➢ बालाथल सभ्यता के उत्खनन से प्राप्त मृदभाण्डों, ताँबे के औजारों और मकानों पर सिन्धु घाटी सभ्यता का प्रभाव दिखाई देता है।
➢ इससे स्पष्ट होता है कि बालाथल का सिन्धुवासियों अर्थात् हड़प्पा सभ्यता के लोगों के साथ सम्पर्क था।
➢ यहां से एक 4000 वर्ष पुराना नर कंकाल प्राप्त हुआ है। जिसे भारत में कुष्ठ रोग का प्राचीनतम प्रमाण माना जाता है।

5. [c]

व्याख्या:-

बालाथल (प्रागैतिहासिक ताम्रपाषाणिक स्थल) -

➢ **स्थिति -** बेड़च नदी के किनारे (वल्लभनगर, उदयपुर)
➢ **उत्खनन -** प्रो.वी.एन.मिश्र द्वारा (1993 ई.) में।

उत्खनन से प्राप्त पुरातात्विक अवशेष -

(1) लोहा गलाने की 5 भट्टियाँ। (2) लौहयुगीन नलकूप।
(3) दुर्गीकरण के साक्ष्य। (4) 11 कमरों वाला विशाल भवन।
(5) मिट्टी से निर्मित सांड की आकृतियाँ। (6) अपरिष्कृत मृदभाण्ड।

गिलुण्ड सभ्यता

➢ **स्थिति-** बनास नदी के किनारे (राजसमंद)।
➢ **सर्वप्रथम उत्खनन -** श्री बी.बी. लाल द्वारा (1957-58 ई.) में।
➢ **अन्य उत्खननकर्ता -** प्रो. वी.एस.शिन्दे व प्रो. गेगरी पोशल (1998-2003 ई.)।
➢ **समयकाल -** 1900 ई. पू. से 1700 ई.पू.।
➢ **उपनाम -** नवपाषाणिक संस्कृति व ताम्रप्रस्तर युगीन सभ्यता।

6. [a]

व्याख्या:-

➢ बैराठ से मौर्यकालीन स्तूप, चैत्य, विहार व मंदिर के अवशेष प्राप्त हुए है।
➢ यहां से चित्रित शैलाश्रय, भीमताल व कीचक महल के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं।

7. [a]

व्याख्या:-

बैराठ सभ्यता (कोटपूतली-बहरोड़)–

➢ प्राचीन नाम: विराट नगर (मत्स्य जनपद की राजधानी)।
➢ वर्तमान स्थान: कोटपुतली-बहरोड़ (राजस्थान)।
➢ कालक्रम: 600 ई. पूर्व से 322 ई. पूर्व तक।
➢ नदी: यह सभ्यता बाणगंगा नदी के किनारे स्थित है।

प्रमुख पहाड़ियाँ (डूँगरी)–

➢ बीजक पहाड़ी, गणेश डूँगरी, भीम डूँगरी और महादेव डूँगरी।

पुरातात्विक खोज एवं शिलालेख–

➢ प्रारम्भिक खोज: कैप्टन बर्ट द्वारा।
➢ भाब्रू शिलालेख (1837 ई.): कैप्टन बर्ट को बीजक की पहाड़ी से अशोक कालीन शिलालेख मिला।
➢ लिपि व भाषा: ब्राह्मी लिपि और प्राकृत भाषा।
➢ महत्व: यह अशोक के बौद्ध धर्म अनुयायी होने का सबसे ठोस प्रमाण है। इसमें 'बुद्ध, धम्म, संघ' शब्द अंकित हैं और अशोक को 'मगध का राजा' बताया गया है।
➢ वर्तमान स्थिति: 1840 से कोलकाता संग्रहालय (रॉयल एशियाटिक सोसायटी बंगाल) में सुरक्षित।
➢ कार्लाइल का सर्वेक्षण (1871 ई.): इन्हें भीम की डूँगरी से एक और शिलालेख प्राप्त हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण अवशेष–

➢ यहाँ से मौर्यकालीन गोल मंदिर, बौद्ध मठ, बौद्ध विहार और बौद्ध चैत्य के अवशेष मिले हैं।
➢ शिलालेख में गौहत्या पर प्रतिबंध का भी उल्लेख मिलता है।

8. [a]

व्याख्या:-

आहड़ से प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य -

1. लहंगा पहने नारी की खण्डित मूर्ति।
2. रंगाई-छपाई में प्रयुक्त ठप्पें।
3. अनाज पीसने की चक्की।
4. दो मुँह वाला चूल्हा, सिलबट्टा व पेन।
5. माप-तौल के बांट।
6. गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा व चावल की फसलों के साक्ष्य।
7. शरीर से मेल छुड़ाने के झावे।
8. कच्ची ईंटों से निर्मित घर।
9. इस सभ्यता के लोग घरों का गंदा पानी बाहर निकालने के लिए चक्रकूप पद्धति का प्रयोग करते थे।
10. आवसीय भवनों की नीव पत्थर से बनी होती थी।
11. नीव व दीवारों को मजबूत तथा सौन्दर्ययुक्त बनाने हेतु मिट्टी में क्वार्ट्ज के टुकड़े एवं चिप्स के सम्मिश्रण का प्रयोग करते थे।
12. यहां एक घर से 6 चूल्हे प्राप्त हुए हैं। जिससे संयुक्त परिवार प्रथा व सामूहिक भोजन व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

9. [c]

व्याख्या:-

➢ दयाराम साहनी, कैलाशनाथ दीक्षित व नीलरत्न बनर्जी बैराठ सभ्यता के उत्खनन से संबंधित है।
➢ बैराठ से **सूती कपडे** का टुकड़ा प्राप्त हुआ है जिसमें **36 मुद्राएं** बंधी हुई प्राप्त हुई है।
➢ बैराठ में बीजक की पहाड़ी पर एक अशोक कालीन **वृत्ताकार मन्दिर** के साक्ष्य मिले हैं, दयाराम साहनी ने अपनी रिपोर्ट में जिसका उल्लेख किया था।

10. [a]

व्याख्या:-

➢ बैराठ सभ्यता के लोग वस्त्र बुनाई की तकनीक से परिचित थे।
➢ यहां से एक सूती कपड़े के टुकड़े में बंधी हुई 36 मुद्राएं प्राप्त हुई है। इनमें से 8 चांदी के पंचमार्क (आहत) सिक्कें व 28 सिक्कें इंडो-ग्रीक शासकों के थे।
➢ 28 में से 16 सिक्कें प्रसिद्ध हिंद-यूनानी शासक मिनेण्डर के थे।
➢ ध्यातव्य रहे कि बालाथल सभ्यता से भी एक सूती कपड़े का टुकड़ा प्राप्त हुआ है।

11. [a]

व्याख्या:-

➢ कालीबंगा सभ्यता से दुर्गीकरण, प्राचीर युक्त किलेबंदी व द्वारपाल कक्ष के साक्ष्य प्राप्त हुए है।

कालीबंगा शहर दो भागों या टीलों में विभाजित था-

(1) पश्चिमी भाग (2) पूर्वी भाग

➢ पश्चिमी टीला ऊंचाई पर स्थित था जहां पर संभवत: पुरोहित वर्ग का निवास रहा होगा।
➢ **पूर्वी भाग अपेक्षाकृत कम ऊँचाई** पर था, जिसे **नगर** कहा जाता था। यहां पर सामान्य जनता निवास करती थी।
➢ दोनों भाग अलग–अलग सुरक्षा प्राचीरों से घिरे हुए थे।
➢ कालीबंगा एक नगरीय सभ्यता थी। यहाँ धूप में सुखाई गई कच्ची ईंटों से निर्मित घर व चबूतरे तथा अलंकृत ईंटों से निर्मित फर्श के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
➢ विश्व में सर्वप्रथम कालीबंगा सभ्यता से जूते हुए खेत के साक्ष्य (दक्षिणी-पूर्वी दिशा) प्राप्त हुए हैं।
➢ यहां से एक साथ दो फसलें बौने के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

12. [a]

व्याख्या:-

सही सुमेलन इस प्रकार है –

खुरड़ी व कुराड़ा	परबतसर (डीडवाना)
अहेड़ा, बूढ़ा पुष्कर व होकरा	अजमेर
कुण्डा व ओला तथा रातड़िया री डेरी	जैसलमेर
चक-84, चक-64, बरोर, बिनजौर, तरखानवाला डेरा व अनूपगढ़	श्रीगंगानगर
आलनियाँ व दर्रा	कोटा
बागौर, मंडपिया, लाछुरा व जहाजपुर	भीलवाड़ा

13. [c]

व्याख्या:-

राजस्थान में स्थित मध्यपाषाण कालीन स्थल –

काल	**स्थल**
मध्यपाषाण काल	बागौर व मंडपिया (भीलवाड़ा), सोजत व धनेरी (पाली), तिलवाड़ा (बालोतरा), निम्बाहेड़ा (चित्तौड़), बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़), हरसौरा (अलवर), सोहनपुरा (सीकर) आदि।

14. [a]

व्याख्या:-

लाछूरा (भीलवाड़ा)

➢ यह पुरातात्त्विक स्थल **भीलवाड़ा** जिले की आसींद तहसील में स्थित है।
➢ यहाँ पर उत्खनन कार्य **वर्ष 1998–1999 में बी. आर. मीणा** के निर्देशन में एस.सी. सरन, कंवर सिंह व बी.आर.सिंह द्वारा किया गया।
➢ यहाँ से **शुंगकालीन तीखे किनारे** वाले प्याले प्राप्त हुए हैं।
➢ यहां से ललितासन में नारी की मृणमूर्ति तथा लौहे का चाकू व तांबे की चूड़ियां प्राप्त हुई है।
➢ यहां से प्राप्त मिट्टी की मुहर पर ब्राह्मी लिपि के 4 अक्षर अंकित है।

15. [b]

व्याख्या:-

➢ बैराठ से न केवल महाभारत और बौद्ध काल के, बल्कि मौर्यकाल, गुप्तकाल और मुगलकाल के अवशेष भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त हुए हैं। यहाँ मुगल काल का हथियारों का कारखाना भी मौजूद था।

16. [c]

व्याख्या:-

➢ 7वीं सदी में **चीनी यात्री ह्वेनसांग** ने बैराठ की यात्रा की तथा अपने यात्रा वृतांत सी-यू-की में इसका उल्लेख किया है।
➢ ह्वेनसांग के अनुसार यहाँ पर **8 बौद्ध मठ** थे जिन्हें हूण आक्रान्ता मिहिरकुल ने तुड़वा दिया था।
➢ ह्वेनसांग ने बैराठ को पी-लो-यो-तो-लो कहा तथा यहां के बैल व भेड़े प्रसिद्ध बताई।

17. [c]

व्याख्या:-

कालीबंगा सभ्यता एक ग्रामीण सभ्यता नहीं, बल्कि एक नगरीय (शहरी) सभ्यता थी। यह सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख नगरों में से एक था, जो अपनी सुनियोजित नगर व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली के लिए जाना जाता है।

18. [b]

व्याख्या:-

➢ यह एक **मध्य पाषाणकालीन स्थल** है जहाँ से 500 ई.पू. से 200 ई.पू. तक विकसित सभ्यताओं के अवशेष मिले हैं।
➢ यहाँ एक अग्निकुण्ड मिला है जिसमें मानव अस्थि भस्म तथा मृत पशुओं के अवशेष मिले हैं।
➢ यहां से पाषाणकालीन लघु उपकरण प्राप्त हुए है।

19. [b]

व्याख्या:-

➢ वी.एन. मिश्र ने बागौर की तुलना मोरहाना पहाड़ (उत्तरप्रदेश) से की है।

20. [c]

व्याख्या:-

➢ मानव सभ्यता के उद्भव के काल को **पाषाण काल कहा** जाता है, जिसे **तीन भागों में विभाजित** किया गया है–

(I) पूर्व पाषाण काल (Palaeolithic Age)

➢ **1870 ई. में सी.ए. हैकेट** ने **जयपुर और इन्द्रगढ़ (बूंदी)** से पत्थर से बनी पूर्व पाषाणकालीन **हस्त कुठार (Hand–axe)** खोज निकाली थी।
➢ कार्लाइल ने दौसा क्षेत्र से कठोर पाषाण उपकरण, मानव अस्थियों व **महापाषाण कब्रों** को खोजा था।
➢ **सेटनकार ने 1908 ई. में झालावाड़** से इसी युग के अनेक उपकरण खोज निकाले।
➢ जालोर से इस युग के उपकरणों की खोज का श्रेय **बी. आल्चिन** को जाता है।
➢ **राजस्थान के प्रमुख पुरापाषाणकालीन स्थल निम्नलिखत है-**
➢ डीडवाना (सबसे प्राचीन स्थल), जायल (नागौर), भानगढ़ (अलवर), बूढ़ा पुष्कर व होकरा (अजमेर) बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़) तथा इंद्रगढ़ (बूंदी) आदि है।

(II) मध्य पाषाण काल (Mesolithic Age)

➢ राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में लूनी और उसकी सहायक नदियों, चित्तौड़ की बेड़च नदी घाटी और विराटनगर से मिले मध्य पाषाणकालीन उपकरण इस बात के प्रमाण हैं कि मानव ने उन क्षेत्रों में निवास किया था। इस समय के उपकरण छोटे, हल्के और अच्छी तरह से निर्मित होते थे।
➢ इन उपकरणों का निर्माण **जेस्पर**, **एगेट**, **चर्ट**, **कार्नेलियन**, **क्वार्टजाइट और कल्सेडोनी** जैसे पाषाणों से किया गया था। इन उपकरणों में विशेष रूप से **ब्लेड**, **इग्रेवर**, **ट्रायएंगल**, **क्रेसेन्ट**, **ट्रेपेज**, **स्क्रेपर**, **और प्वाइंटर** आदि उल्लेखनीय हैं।
➢ इन उपकरणों को **माइक्रोलिथ (लघु पाषाण उपकरण)** के नाम से भी जाना जाता है।
➢ राजस्थान के प्रमुख मध्य पाषाणकालीन सभ्यता स्थल निम्नलिखित है-
➢ बागौर व मंडपिया (भीलवाड़ा), सोजत व धनेरी (पाली), तिलवाड़ा (बालोतरा), बैराठ (कोटपूतली-बहरोड़), हरसौरा (अलवर), सोहनपुरा (सीकर), बूढ़ा पुष्कर (अजमेर) आदि।

(III) उत्तर (नव) पाषाण काल (Neolithic Age)

➢ राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों अजमेर, नागौर, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, उदयपुर, चित्तौड़, और जोधपुर से उत्तर पाषाणकालीन सभ्यता के कई उपकरण मिले हैं।
➢ उत्तर पाषाण काल में मानव ने **कृषि**, **पशुपालन और स्थायी निवास** की ओर बढ़ना शुरू किया।
➢ इस काल के उपकरणों में पत्थर की छड़ें, चाकू और अन्य औजार शामिल हैं, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं को सरल बनाने में सहायक थे।

21. [a]

व्याख्या:-

सही मिलान इस प्रकार है:
अहेड़ा सभ्यता: यह राजस्थान के केकड़ी में स्थित है।
रेलावन सभ्यता: यह बाराँ जिले में स्थित है।
जूना खेड़ा: यह पुरातात्विक स्थल पाली जिले में स्थित है।
खोर सभ्यता: यह चित्तौड़गढ़ जिले से संबंधित है।

22. [c]

व्याख्या:-

- ➢ गणेश्वर सभ्यता **नीमकाथाना क्षेत्र (सीकर) में कांतली नदी के किनारे** स्थित ताम्रयुगीन संस्कृति का महत्त्वपूर्ण स्थल है।
- ➢ यहां से प्राप्त उपकरणों में तांबे की मात्रा 99 प्रतिशत है।
- ➢ यहां से मछली पकड़ने का कांटा मिला है।
- ➢ गणेश्वर सभ्यता के लोग ताँबा संभवत: **खेतड़ी व खो–दरीबा** से प्राप्त करते थे।
- ➢ गणेश्वर से सिंधु सभ्यता में तांबे की आपूर्ति की जाती थी।

23. [a]

व्याख्या:-

- ➢ **"अशुलियन औज़ार"** शब्द मुख्यत: निम्न पुरापाषाण काल खंड के औज़ारों के लिए प्रयुक्त हुआ है।
- ➢ मध्यपाषाण युगीन औजारों को माइक्रोलिथ कहा जाता है।

24. [b]

व्याख्या:-

- ➢ आहड़ को ताम्रवती नाम से भी जाना जाता था क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में ताँबे के औजार व उपकरण प्राप्त हुए हैं।
- ➢ आहड़ के उत्खनित स्थल को **'महासतिया'** कहा जाता है।
- ➢ गिलूण्ड (राजसमन्द) से भी आहड़ के समान धर्म संस्कृति मिली है।
- ➢ आहड़वासी धातुकर्मी होने के साथ-साथ **कृषि (चावल की खेती) एवं पशुपालन (कुत्ता, हाथी आदि)** से भी परिचित थे।

25. [d]

व्याख्या:-

कुराड़ा (डीडवाना-कूचामन)

- ➢ यह **ताम्रयुगीन सभ्यता स्थल** है।
- ➢ पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा 1934 ई. में यहां पर उत्खनन किया गया था।
- ➢ यहां से एक नालीदार प्याले (ईरान के जैसा) सहित 103 उपकरण प्राप्त हुए हैं।
- ➢ कुराड़ा को **'औजारों की नगरी'** भी कहा जाता है।

मलाह (भरतपुर)

- ➢ यह स्थल भरतपुर जिले के **घना पक्षी अभयारण्य** में स्थित है।
- ➢ इस स्थल से अधिक संख्या में ताँबे की तलवारें एवं हार्पून प्राप्त हुए हैं।

किराड़ोत (जयपुर)

- ➢ इस सभ्यता स्थल से **ताम्रयुगीन 56 चूड़ियाँ** प्राप्त हुई है। इसमें अलग–अलग आकार की 28 चूड़ियों के 2 सेट प्राप्त हुए हैं।

26. [a]

व्याख्या:

- ➢ सानू गाँव, ओला और लोद्रवा—ये तीनों जैसलमेर जिले में स्थित हैं। ओला अपनी प्राचीन कुल्हाड़ी के लिए प्रसिद्ध है और सानू गाँव चूहे के दांत के अवशेषों के लिए जाना जाता है।
- ➢ यह स्थान आबू के परमारों की राजधानी रहा है। यहाँ से प्राप्त गरुड़ासन विष्णु प्रतिमा ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। कर्नल जेम्स टॉड ने भी अपनी पुस्तक में इस स्थान का उल्लेख किया है।

27. [d]

व्याख्या:

- ➢ गुरारा (सीकर): यहाँ से पुरातत्वविदों को 2744 चांदी के पंचमार्क सिक्के मिले हैं, जो इस स्थान की प्राचीन आर्थिक महत्ता को दर्शाते हैं।
- ➢ जहाजपुर (भीलवाड़ा): यह स्थान महाभारतकालीन अवशेषों के लिए जाना जाता है, जिससे इसकी ऐतिहासिक प्राचीनता सिद्ध होती है।
- ➢ बयाना (भरतपुर): यहाँ से न केवल गुप्तकालीन सिक्कों का भंडार मिला है, बल्कि मुगलकाल के दौरान यह क्षेत्र पूरे राजपूताना में नील (Indigo) के सर्वाधिक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था।

28. [c]

व्याख्या:

- ➢ पल्लू (हनुमानगढ़) से 10-11वीं शताब्दी की जैन सरस्वती की प्रतिमा प्राप्त हुई है। यह प्रतिमा अपने उत्कृष्ट शिल्प और कलात्मक संरचना के कारण विश्वभर में अद्वितीय मानी जाती है।
- ➢ यह प्रतिमा 'सफेद संगमरमर' (White Marble) से बनी है, न कि काले ग्रेनाइट से। साथ ही, मौर्यकालीन लिपि का उल्लेख यहाँ नहीं है (गुप्तकालीन लिपि का उल्लेख ढलिया से प्राप्त मोहर के संदर्भ में है)।

29. [a]

- ➢ सही सुमेलन इस प्रकार हैं –
- ➢ पिण्ड पाडलिया – चित्तौड़गढ़ ➢ एलाना – जालौर
- ➢ कोल महोली – सवाईमाधोपुर ➢ साबनिया – बीकानेर

30. [c]

व्याख्या:

- ➢ बिन्जोर सभ्यता अनूपगढ़ में घग्घर नदी के तट पर स्थित है।
- ➢ यहाँ से हड़प्पा कालीन साक्ष्य मिले हैं।
- ➢ वर्ष 2015 में दिल्ली की ASI टीम ने यहाँ खुदाई की थी, जहाँ से एक कंकाल भी मिला है।

31. [c]

व्याख्या:

कर्णपुरा सभ्यता –

- ➢ यह हनुमानगढ़ में है और 2012 में खुदाई हुई थी।
- ➢ इसका समय 2800-2500 ई. पूर्व ही है।
- ➢ यहाँ 'कच्ची ईंटों' के घर मिले हैं (पक्की नहीं) और दर्पण व अन्य औजार 'ताँबे' (Copper) के मिले हैं, लोहे के नहीं।

32. [a]

व्याख्या:

- ➢ पाषाण युग के खत्म होते ही मानव ने सबसे पहले ताँबे का उपयोग करना सीखा। इसीलिए राजस्थान की प्राचीन सभ्यताओं में 'ताम्रयुगीन' सभ्यताएँ (जैसे गणेश्वर, आहड़) सबसे पुरानी मानी जाती हैं।
- ➢ ताँबा एक शुद्ध धातु थी जिसे प्राप्त करना आसान था। इसके बाद मनुष्य ने ताँबे में टिन मिलाकर काँसा (मिश्रित धातु) बनाना सीखा और तकनीकी विकास के सबसे अंतिम चरण में लोहे का प्रयोग शुरू हुआ।

33. [a]

व्याख्या:

- ➢ डीडवाना के सिंघी तालाब, जायल, कोलिया आदि क्षेत्रों से पुरापाषाण काल की कुल्हाड़ियाँ मिली हैं।
- ➢ सोहनपुरा की खोज मुरारी लाल शर्मा ने की थी और यहाँ से चित्रित शैलाश्रय (Rock Shelters) मिले हैं।
- ➢ रेखाचित्र वाला चर्ट पत्थर और मध्यपाषाणकालीन होने की विशेषता चन्द्रावती (झालावाड़) की है, न कि हरसौरा की।
- ➢ चित्रित शैलाश्रय हरसौरा (अलवर) से मिले हैं, जबकि चन्द्रावती अपनी विशिष्ट पत्थर कला (चर्ट पत्थर) के लिए जाना जाता है।

34. [b]

व्याख्या:

- ➢ सोजत और धनेरी वास्तव में लघुपाषाणकालीन स्थल हैं।
- ➢ बूढ़ा पुष्कर और होकरा अजमेर के प्रसिद्ध पुरापाषाणकालीन स्थल हैं।
- ➢ श्रीमती आलचिन को 'झर' से "उत्तर पाषाणकाल" (Late Stone Age) के अवशेष मिले हैं, न कि "पुरापाषाण काल" (Paleolithic) के।
- ➢ भीमभड़क में प्राचीन गुफा, शैलचित्र और चर्ट/अगेट के ब्लेड व बाणों के नुकीले भाग मिले हैं।

♦♦♦♦

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

लोक देवता

1. **लोकदेवता बाबा रामदेव जी से संबंधित शब्दावली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
i. रामदेव जी की पचरंगी या सफेद रंग की ध्वजा को 'नेजा' कहा जाता है।
ii. इनके मेघवाल जाति के भक्तों को 'रिखिया' कहा जाता है।
iii. इनके भक्तों द्वारा गाए जाने वाले भजनों को 'ब्यावले' और रात्रि जागरण को 'जम्मा' कहते हैं।
iv. रामदेव जी की सौगंध को 'परचा' कहा जाता है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल i और ii (b) केवल i, ii और iii
(c) केवल ii, iii और iv (d) i, ii, iii और iv

2. **सुमेलित कीजिए:**

रचना	**रचनाकार**
A. पाबूजी के छन्द	**i. आसिया मोडजी**
B. पाबूजी के गीत	**ii. रामनाथ**
C. पाबूजी के सोरठे	**iii. मेहा चारण (बिठु)**
D. पाबू प्रकाश	**iv. बांकीदास**

(a) A-iii, B-ii, C-iv, D-i (b) A-iv, B-ii, C-iii, D-i
(c) A-ii, B-iii, C-iv, D-i (d) A-iii, B-iv, C-ii, D-i

3. **लोकदेवता हड़बूजी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
i. इनका जन्म भुंडेल (नागौर) में हुआ था और ये शकुन शास्त्र के ज्ञाता माने जाते हैं।
ii. हड़बूजी बाबा रामदेव जी के मौसेरे भाई थे और इनके गुरु का नाम बालीनाथ था।
iii. इनका प्रमुख पूजा स्थल बेंगटी (फलोदी) है, जहाँ इनकी गाड़ी की पूजा की जाती है।
iv. राव जोधा ने इन्हें बेंगटी की जागीर भेंट की थी और इनका वाहन 'सियार' है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल i और ii (b) केवल ii और iii
(c) केवल i, iii और iv (d) i, ii, iii और iv

4. **लोकदेवता तेजाजी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए असत्य कूट का चयन कीजिए–**
कथन:
1. तेजाजी का जन्म खरनाल में नागवंशीय जाट परिवार में हुआ था।
2. इन्हें 'काला और बाला के देवता' तथा 'कृषि कार्यों के उपकारक देवता' के रूप में पूजा जाता है।
3. तेजाजी ने लाछा गुर्जरी की गायों को मेर के मीणाओं से छुड़ाने हेतु अपने प्राणों का उत्सर्ग किया था।
4. इनका मुख्य मेला भाद्रपद शुक्ल दशमी को परबतसर में भरता है, जो आय की दृष्टि से राज्य का सबसे बड़ा पशु मेला है।
5. तेजाजी का नया मंदिर बनाने के लिए भावतां से ज्योति लाई जाती है।
कूट (Options):
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 5
(c) केवल 3 और 5 (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

5. **निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म (लोक देवता - माता) सुमेलित नहीं है?**
(a) तेजाजी – रामप्यारी (b) रामदेवजी - मैणादे
(c) पाबूजी - कमलादे (d) गोगाजी – बाछल

6. **लोकदेवता गोगाजी चौहान के बारे में निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए–**
1. गोगाजी का जन्म ददरेवा (चूरू) में हुआ था और इनके पिता जेवरजी चौहान थे।
2. इन्हें 'जाहर पीर' और 'चंडकोशिया का अवतार' जैसे उपनामों से पूजा जाता है।
3. गोगाजी की सवारी नीली घोड़ी है और इनकी पत्नी का नाम केलमदे था।
4. सांकल नृत्य के दौरान भक्त अपनी पीठ पर लोहे की साँकलें मारते हैं, जिसे 'छाया चढ़ाना' कहा जाता है।
5. किसान खेत जोतने से पहले हल और बैल को 7 गाँठों वाली 'गोगा राखड़ी' बाँधते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1, 2, 3 और 4 (b) केवल 2, 3, 4 और 5
(c) केवल 1, 3, 4 और 5 (d) 1, 2, 3, 4 और 5

7. **सुमेलित कीजिए-**

स्थानीय देवी/देवता	**जन्म स्थान**
A. तेजाजी	**1. कोलू**
B. गोगाजी	**2. जोधपुर**
C. तल्लीनाथ	**3. चूरू**
D. पाबूजी	**4. नागौर**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-
(a) A-3, B-2, C-4, D-1 (b) A-2, B-3, C-4, D-1
(c) A-4, B-3, C-2, D-1 (d) A-4, B-2, C-3, D-1

8. **निम्नलिखित युग्मों को सुमेलित कीजिए-**

A मेहाजी	**1. लीलण**
B हड़बू जी	**2. लीलांगर**
C देवनारायण जी	**3. सियार**
D तेजा जी	**4. किरड़ काबरा**

कूट
(a) A-1, B-2, C-3, D-4 (b) A-4, B-3, C-2, D-1
(c) A-2, B-3, C-1, D-4 (d) A-3, B-2, C-4, D-1

9. **लोक देवताओं के निम्नांकित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?**
लोक देवता **वंश**
(a) हड़बूजी - पँवार
(b) पाबूजी - राठौड़
(c) गोगाजी - चौहान
(d) रामदेवजी - तँवर

10. **गोगाजी के गोगामेड़ी (नोहर) में गोगा नवमी को लगने वाले मेले का भारतीय तिथिक्रम के अनुसार महीना और तिथि है?**
(a) भाद्रपद शुक्ल नवमी (b) भाद्रपद कृष्ण नवमी
(c) चैत्र शुक्ल नवमी (d) चैत्र नवमी

11. लोक देवता रामदेवजी एवं कामड़िया पंथ के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. कामड़िया पंथ के प्रवर्तक बाबा रामदेव जी हैं, जिनकी प्रसिद्ध रचना 'चौबीस बाणियाँ' है।
2. कामड़ जाति के भोपे रामदेवजी की फड़ का वाचन 'जंतर' वाद्य यंत्र के साथ करते हैं।
उपरोक्त में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

12. लोक देवता पाबूजी राठौड़ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. पाबूजी का जन्म फलोदी के कोलूमण्ड गाँव में हुआ था।
2. मुहणौत नैणसी के अनुसार पाबूजी का जन्म जूना (बाड़मेर) के खारिया खाबड़ में हुआ था।
3. पाबूजी को राजस्थान में ऊँट लाने का श्रेय दिया जाता है और इन्हें 'लक्ष्मण का अवतार' माना जाता है।
4. पाबूजी का प्रतीक चिह्न 'भाला लिए हुए अश्वारोही' तथा 'दायीं ओर झुकी हुई पाग' (पगड़ी) है।
5. इनका विवाह अमरकोट के सूरजमल सोढ़ा की पुत्री फूलमदे (सुप्यार दे) के साथ हुआ था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) केवल 2 (b) केवल 4
(c) केवल 1 और 5 (d) उपरोक्त सभी सत्य हैं

13. पाबूजी के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
A. पाबूजी के पास कालमी नाम की घोड़ी थी।
B. पाबूजी का विवाह पूगल की भाटी राजकुमारी के साथ हुआ था।
C. उन्होंने देवल चारणी की गायों के रक्षार्थ बलिदान दिया था।
सही कूट का चयन कीजिए :
कूट:–
(a) केवल A (b) B और C
(c) A और C (d) A, B और C

14. लोकदेवता मल्लीनाथ जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन:
1. इनका प्रमुख मंदिर तिलवाड़ा (बाड़मेर) में लूणी नदी के तट पर स्थित है।
2. मल्लीनाथ पशु मेला प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल एकादशी से चैत्र अमावस्या तक मालाजाल गाँव में आयोजित होता है।
उपर्युक्त में से असत्य कथन का चयन कूट (Codes) के माध्यम से कीजिए:
कूट (Options):
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन राजस्थान के लोक देवताओं के सम्बन्ध में सही नहीं है?
(a) केसरिया कुँवर जी के 'थान' पर सफेद रंग का ध्वज फहराते हैं।
(b) जहरीले कीड़ों के काटने पर तल्लीनाथजी की पूजा की जाती है।
(c) पांचोटा गाँव (जालौर) में हड़बूजी का मंदिर स्थित है।
(d) भूरिया बाबा मीणा जाति के इष्टदेवता हैं।

16. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -

लोक देवता	**मुख्य तीर्थ स्थल**
A. देवनारायण जी	**1. पांचोटा, जालौर**
B. तेजाजी	**2. परबतसर, नागौर**
C. तल्लीनाथ	**3. कोलू गांव, फलौदी**
D. पाबूजी	**4. आसींद, भीलवाड़ा**

सही कूट चुनिए -
(a) A-1, B-2, C-3, D-4 (b) A-4, B-1, C-2, D-3
(c) A-4, B-2, C-3, D-1 (d) A-4, B-2, C-1, D-3

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
1. वीर बिग्गाजी जाखड़ समाज के कुलदेवता है।
2. इनकी सर्वाधिक मान्यता जोधपुर में है।
3. इनका मेला प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को भरता है।
उपर्युक्त में से कौन-से असत्य हैं?
(a) केवल 1 (b) 1 व 2
(c) केवल 2 (d) 1 व 3

18. लोक देवता आलम जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. आलम जी को 'जैतमलोठ राठौड़' के नाम से भी जाना जाता है।
2. इनका प्रमुख मंदिर बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना क्षेत्र में स्थित है।
3. आलम जी के धोरे पर प्रतिवर्ष चैत्र अमावस्या को विशाल मेला भरता है।
4. मालाणी प्रदेश में लूणी नदी के किनारे 'ढांगी' नामक रेतीले टीले पर इनका स्थान बना हुआ है।
5. आलम जी के स्थान को 'घोड़ों का तीर्थ स्थल' माना जाता है जहाँ घोड़ों की जात लगती है।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 5 (d) 1, 3 और 4

19. सूची-I (शब्दावली) को सूची-II (अर्थ/विवरण) से सुमेलित कीजिए और सही कूट का चयन कीजिए–

सूची-I (शब्दावली)	**सूची-II (विवरण)**
A. ब्यावले	**1. लोक देवताओं की स्मृति में गले में पहना जाने वाला सोने-चांदी का सिक्का/आभूषण।**
B. चिजां	**2. रामदेवजी के भक्तों द्वारा गाए जाने वाले उनके भक्ति पद या भजन।**
C. नावा (नवा)	**3. पाबूजी की वीरता के गान जो 'माठ' वाद्ययंत्र के साथ गाए जाते हैं।**
D. पवाड़े	**4. लोक देवताओं के वे गीत जो किसी रोग के निवारण हेतु गाए जाते हैं।**

कूट (Code):
(a) A-1, B-2, C-3, D-4 (b) A-2, B-4, C-1, D-3
(c) A-3, B-1, C-4, D-2 (d) A-4, B-3, C-2, D-1

20. लोकदेवता देवनारायण जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन:
1. देवनारायण जी की फड़ राजस्थान की सबसे प्राचीन व सबसे लंबी फड़ है, जिसका वाचन गुर्जर भोपों द्वारा 'रावणहत्था' वाद्य यंत्र के साथ किया जाता है।
2. भारतीय डाक विभाग द्वारा वर्ष 1992 में इनकी फड़ पर और वर्ष 2011 में स्वयं देवनारायण जी पर डाक टिकट जारी किया गया।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?
कूट :
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) कोई भी कथन असत्य नहीं है।

21. वीर कल्लाजी राठौड़ के संदर्भ में सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए–

सूची-I (विवरण)	सूची-II(संबंधित नाम/स्थान)
(A) कल्लाजी के गुरु	(1) शेषनाग के
(B) कल्लाजी अवतार	(2) सामियाना (मेड़ता)
(C) कल्लाजी का जन्म स्थान	(3) भैरवनाथ
(D) कल्लाजी की छतरी	(4) भैरवपोल (चित्तौड़गढ़)

कूट :
(a) A-3, B-1, C-2, D-4 (b) A-1, B-3, C-4, D-2
(c) A-3, B-2, C-1, D-4 (d) A-4, B-1, C-2, D-3

22. क्षेत्रपाल राजस्थान की संस्कृति में एक महत्त्वपूर्ण पहलू रहा है-
(a) एक संत के रूप में (b) ग्राम देवता के रूप में
(c) ग्राम अधिकारी के रूप में (d) एक उपासक के रूप में

23. लोकदेवता वीर फत्ताजी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन:
1. वीर फत्ताजी का जन्म और मुख्य पूजा स्थल साथूँ गाँव (जालोर) में स्थित है।
2. इनकी याद में प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी (तेजा दशमी) के दिन विशाल मेला भरता है।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?
कूट (Options):
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) कोई भी कथन असत्य नहीं है

24. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्म है-
(a) मल्लीनाथजी – पिता सलखाजी
(b) केसरिया कँवरजी – पिता गोगाजी
(c) कल्लाजी - पिता गांगदेव राठौड़
(d) तेजाजी – पिता ताहड़जी जाट

26. बाड़मेर में 2019 में, 14वीं सदी के लोक बाबा रामदेव के जन्म स्थान पर मंदिर बनाया गया। इस मंदिर का निर्माण मुख्य रूप से... से किया गया।
(a) किशनगढ़ के सफेद संगमरमर
(b) जैसलमेर के पीले पत्थर
(c) अजमेर का ग्रेनाइट पत्थर
(d) धौलपुर का लाल पत्थर

♦♦♦♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]
व्याख्या:-
- **नेजा, जम्मा, रिखिया** लोकदेवता रामदेव जी से सम्बन्धित हैं।
- **नेजा -** रामदेवजी की पचरंगी व सफेद ध्वजा (पताका)।
- **रिखियां -** रामदेवजी के मेघवाल भक्त।
- **ब्यावले -** भक्तों द्वारा गाये जाने वाले भजन।
- **जम्मा -** रामदेवजी के नाम पर भाद्रपद शुक्ल द्वितीया व एकादशी को रात्री जागरण दिलाया जाता है, उसे जम्मा कहते हैं।
- **परचा -** रामदेवजी के चमत्कारों को परचा कहते हैं।
- **आंण -** रामेदवजी के अनुयायी रामदेवजी की सौगंध को आंण कहते हैं।

2. [d]
व्याख्या:-
- **पाबूजी के छन्द-** जिसके रचयिता **मेहा चारण** थे।
- **पाबू प्रकाश -** पाबूजी की जीवनी है, जिसके रचयिता आशिया मोडजी थे।
- **पाबूजी के पवाड़े या पावड़े -** प्रसिद्ध गाथा गीत है, जो माठ वाद्य यंत्र के साथ गाए जाते हैं।
- **पाबूजी की फड़ -** नायक या थोरी जाति के भोपों द्वारा रावण हत्था वाद्ययंत्र के साथ बाँची जाती है।
- **मेला -** कोलुमण्ड गाँव (फलोदी) में मेला भरता है।
- **पाबूजी की घोड़ी -** केसर कालमी (यह काले रंग की घोड़ी उन्हें देवल चारणी ने दी।)
- **पाबू धणी री वाचना -** थोरी जाति लोग सारंगी के साथ पाबूजी का यश गाते है जिसे राजस्थान की प्रचलित भाषा में पाबू धणी री वाचना कहते हैं।

3. [d]
व्याख्या:-
- **हड़बूजी का जन्म -** भुंडेल (नागौर) में हुआ था।
- **पिता -** मेहाजी साँखला
- **मौसेरे भाई -** बाबा रामदेवजी
- गुरु - बालीनाथ
- सवारी - सियार
- ज्ञाता - शकुन शास्त्र
- प्रमुख पूजा स्थल - बेंगटी गाँव (फलोदी)
- पूजारी - साँखला राजपूत
- यहाँ हड़बूजी की गाड़ी (छकड़ा या ऊँट गाड़ी) की पूजा होती है।
- इस गाड़ी में हड़बूजी विकलांग गायों के लिए दूर-दूर से घास भरकर लाते थे।
- संकटकाल में **हड़बूजी ने जोधपुर के राजा राव जोधा** को **तलवार** भेंट की और **राव जोधा ने इन्हें बेंगटी (फलोदी)** की जागीर प्रदान की।

4. [b]
व्याख्या:-
- **तेजाजी का** जन्म - 1073 ई., माघ शुक्ला चतुदर्शी को खरनाल में नागवंशीय जाट में हुआ।
- उपनाम - काला और बाला के देवता, कृषि कार्यों के उपकारक देवता, गौरक्षक देवता, **शिवजी का अवतार, नागों का देवता**।
- पिता - ताहड़जी जाट
- माता - **रामकुँवरी**
- पत्नी – पेमलदे–पनेर–अजमेर (रायचंद की पुत्री)
- सवारी - लीलण घोड़ी **/ सिणगारी**
- तेजा गीत - किसान खेतों में हल जोतते समय तेजाजी के गीत गाते हैं।
- तेजाजी ने लाछा गुर्जरी की गायों को मेर (वर्तमान आमेर) के मीणाओं से छुड़ाई।
- मेला - **प्रतिवर्ष तेजादशमी (भाद्रपद शुक्ला दशमी)** को परबतसर में भव्य पशु मेला भरता है जो आय की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा पशु मेला है।
- **मंदिर का निर्माण – अभयसिंह ने करवाया।**
- प्रमुख पूजा स्थल - सेंदरिया, ब्यावर, भावतां, सुरसरा, परबतसर, खरनाल, **बासी दुगारी में कर्मस्थली है**।
- सर्प ने डसा, सेंदरिया गाँव में मृत्यु हुई, सुरसुरा जहां इनकी पत्नि पेमल सती हुई।
- तेजाजी का **नया मंदिर बनाने के लिए सुरसुरा से ज्योति** लाई जाती है।

5. [a]

व्याख्या:-

बाबा रामदेवजी –

- पिता – अजमल जी
- माता – मैणा दे
- सगी बहनें – लाछां बाई व सुगना बाई
- मुँहबोली बहिन – डालीबाई (मेघवाल)
- गुरु – बालीनाथ

गोगाजी –

- पिता – जेवर जी (जीवराज चौहान)
- माता –बाछल
- गुरु – गोरखनाथ

तेजाजी –

- पिता – ताहड़ जी
- माता – रामकुँवरी
- पत्नी – पैमल दे
- घोड़ी – लीलण (सिणगारी)

पाबू जी –

- पिता – धाँधल देव राठौड़
- माता – कमलादे
- गुरु – समरथ भारती
- पत्नी – सुपियार दे/ फूलम दे

6. [a]

व्याख्या:-

- **गोगाजी चौहान का जन्म -** वि. सं. 1003 को ददरेवा (चूरू) में में हुआ।
- **पिता -** जेवरजी चौहान
- **माता -** बाछल दे
- **पत्नी -** केलमदे (मेनलदे)
- **सवारी -** नीली घोड़ी।
- **उपनाम** – सर्पों के देवता, जाहर पीर, चंडकोशिया का अवतार।
- **सांकल नृत्य -** गोगाजी की आराधना में श्रद्धालु नृत्य करते हैं। इस नृत्य में भक्त लोहे की साँकलों के गुच्छे अपनी पीठ पर उठा-उठाकर मारते हैं, जिसे छाया चढ़ाना कहते हैं।
- **गोगा राखड़ी -** किसान वर्षा के बाद खेत जोतने से पहले हल व बैल को 9 गाँठ वाली राखी बांधते है, गोगाजी के नाम की राखी गोगा राखड़ी बांधते हैं।

7. [c]

व्याख्या:-

- **तेजाजी का जन्म** – 29 जनवरी, 1073 ई., माघ शुक्ल चतुदर्शी को खड़नाल **(नागौर)** में नागवंशीय जाट में हुआ। इन्हें नागों का देवता, गायों का मुक्तिदाता, धौलियावीर आदि उपनामों से भी जाना जाता है।
- **गोगाजी चौहान का जन्म -** वि. सं. 1003 को ददरेवा (चूरू) में में हुआ।
- तल्लीनाथ जी का जन्म जोधपुर में हुआ था, जालौर जिले के एक प्रमुख लोक देवता हैं। उनका मुख्य मंदिर पंचोटा गांव में पंचमुखी पहाड़ी पर स्थित है।
- **पाबूजी राठौड़ का जन्म -** 1239 ई. में कोलुमण्ड गाँव (फलोदी) में हुआ था। [पहले फलोदी जोधपुर में था।]
- मुहणौत नैणसी व आशिया मोडजी के अनुसार इनका जन्म खारी खाबड़ गाँव जूना, बाड़मेर में हुआ।

8. [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान के लोक देवताओं और उनके वाहनों/घोड़ों का सही मिलान इस प्रकार है:
- मेहाजी मांगलिया **:** इनका घोड़ा किरड़ काबरा है।
- हड़बू जी **:** इनका वाहन सियार माना जाता है।
- देवनारायण जी**:** इनके घोड़े का नाम लीलागर है।
- तेजा जी**:** इनकी प्रसिद्ध घोड़ी का नाम लीलण है।

9. [a]

व्याख्या:-

- हड़बूजी - सांखला
- पाबूजी - राठौड़
- गोगाजी - चौहान
- रामदेवजी – तँवर

10. [b]

व्याख्या:-

- गोगाजी के **गोगामेड़ी (नोहर) में गोगा नवमी को** लगने वाले मेले का भारतीय तिथिक्रम के अनुसार **भाद्रपद कृष्ण नवमी** को लगता है।

11. [b]

व्याख्या:-

- **कामड़िया पंथ के प्रवर्तक रामदेव जी है।**
- **कामड़िया पंथ -** राजस्थान में कामड़िया पंथ के प्रमुख केन्द्र पादरला गाँव (पाली), पोकरण (जैसलमेर) व डीडवाना आदि हैं।
- **प्रसिद्ध रचना -** चौबीस बाणियाँ।
- **तेहरताली नृत्य -** रामदेवजी के मेले में कामड़िया जाति की महिलाओं द्वारा किया जाता है।
- **फड़ -** रामदेवजी की फड़ कामड़ जाति के भोपे रावणहत्था वाद्य यंत्र के साथ बाँचते हैं।

12. [b]

व्याख्या:-

- **पाबूजी राठौड़ का जन्म -** 1239 ई. में कोलुमण्ड गाँव (फलोदी) में हुआ था।
- **मुहणौत नैणसी के अनुसार इनका जन्म खारिया खाबड जूना, बाडमेर में हुआ।**
- **पिता -** धाँधल जी राठौड़।
- **माता -** कमलादे।
- **पत्नी -** फूलमदे या सुप्यार दे सोढ़ा।
- **उपनाम -** ऊँटों के देवता, गौरक्षक देवता व प्लेग रक्षक देवता, **भाला रा देवता, लक्ष्मण का अवतार, हाडफाड का देवता**।
- **प्रतीक चिह्न -** भाला लिए हुए अश्वारोही तथा बायीं ओर झुकी हुई पाग।

13. [c]

व्याख्या:-

- **पाबूजी की घोड़ी -** केसर कालमी (यह काले रंग की घोड़ी उन्हें देवल चारणी ने दी।)
- पाबूजी का विवाह पूगल की भाटी राजकुमारी से नहीं, बल्कि अमरकोट (वर्तमान पाकिस्तान में) के राजा सूरजमल सोढ़ा की पुत्री फूलमदे (या सुप्यार दे) के साथ हुआ था।

14. [b]

व्याख्या:-

मल्लीनाथ जी

- **प्रमुख मंदिर -** तिलवाड़ा में लूणी नदी के तट पर बना हुआ है।
- **मेला -** प्रतिवर्ष इनकी याद में चैत्र कृष्ण एकादशी से चैत्र शुक्ला एकादशी तक तिलवाड़ा में मल्लीनाथ पशु मेला आयोजित होता है।
- यहाँ तिलवाड़ा के पास ही मालाजाल गाँव में मल्लीनाथ जी की पत्नी रूपादे का मन्दिर है।

15. [c]

व्याख्या:-

तल्लीनाथ मण्डोर के वीरमदेव के पुत्र थे। इनका प्रारंभिक नाम गांगदेव था। संन्यास ग्रहण करने के बाद इन्होंने गुरु जलन्धर राव से दीक्षा ली। इनकी पूजा जालौर जिले में अधिक की जाती है। पांचोटा गाँव (जालौर) में पंचमुखी पहाड़ी पर इनका मुख्य पूजा स्थल है, जहरीले कीड़ों के काटने पर इनकी पूजा की जाती है।

16. [d]

व्याख्या:-

1. देवनारायण जी - आसींद, भीलवाड़ा
2. तेजाजी - परबतसर, नागौर
3. तल्लीनाथ - पांचोटा, जालौर
4. पाबू जी – कोलू गाँव, फलोदी

17. [c]

व्याख्या:-

◈ वीर बिग्गाजी महाराज को जाखड़ जाट समाज अपना कुलदेवता मानता है।

◈ वीर बिग्गाजी का जन्म स्थान 'रिड़ी' (श्रीडूंगरगढ़) है और इनका मुख्य मंदिर 'बिग्गा' गाँव में स्थित है, जो कि बीकानेर जिले में आते हैं। इनकी सर्वाधिक मान्यता और मुख्य धाम बीकानेर में है, न कि जोधपुर में।

◈ इनका मेला प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को भरता वीर बिग्गाजी का विशाल मेला प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को उनके मुख्य धामों (रिड़ी और बिग्गा) में आयोजित किया जाता है।

18. [b]

व्याख्या:-

◈ आलम जी को **जैतमलोठ राठौड़ के नाम से जाना** जाता है।

◈ प्रमुख मंदिर - धोरीमन्ना, बाड़मेर

◈ यहाँ **भाद्रपद शुक्ल द्वितीया** को मेला भी भरता है।

◈ यहाँ पर **घोड़ों की जात** लगती है।

◈ मालाणी, बाड़मेर में लूणी नदी के किनारे ढांगी नाम के रेतीले टीले पर उनका स्थान बना हुआ है, जिसे आलम जी का धोरा भी कहते हैं।

19. [b]

व्याख्या:-

◈ बाबा रामदेवजी के भक्तों द्वारा गाए जाने वाले भजनों को 'ब्यावले' कहा जाता है।

◈ जब किसी व्यक्ति या पशु के रोग निवारण के लिए लोक देवताओं के गीत गाए जाते हैं, तो उन्हें 'चिजां' कहा जाता है।

◈ यह एक छोटा सा आभूषण या सिक्का होता है जिस पर लोक देवता की मूर्ति अंकित होती है। श्रद्धालु इसे श्रद्धावश अपने गले में धारण करते हैं।

◈ पाबूजी की वीरता की गाथाएं 'पवाड़े' कहलाती हैं। इनका वाचन करते समय 'माठ' नामक वाद्ययंत्र का प्रयोग किया जाता है (जबकि 'फड़' में रावणहत्था बजता है)।

20. [a]

व्याख्या:-

देवनारायणजी

◈ फड़ - **गुर्जर जाति के भोपे जंतर वाद्य यंत्र** के साथ बाँचते हैं।

◈ जंतर वाद्य यंत्र को 100 मंतर (मंत्र) के समान माना गया है।

◈ सबसे प्राचीन फड़, सबसे लम्बी फड़ (24 हाथ) तथा सर्वाधिक प्रसंगों वाली फड़ देवनारायण जी की फड़ है।

◈ **वर्ष** 1992 **में भारतीय डाक विभाग ने देवनारायण जी की फड़ पर सर्वप्रथम** 5 **रु. का डाक टिकट जारी किया गया।**

◈ भारतीय डाक विभाग द्वारा वर्ष 2011 में देवनारायण जी पर डाक टिकट जारी किया गया।

21. [a]

व्याख्या:-

◈ **वीर कल्लाजी राठौड़ का** जन्म - 1544 ई. (विक्रम संवत् 1601), दुर्गाष्टमी के दिन सामियाना मेड़ता में हुआ।

◈ अवतार - शेषनाग का

◈ **उपनाम – केहर**, **कमधज**, **बाल ब्रह्मचारी**

◈ पिता - राव आस सिंह, माता–श्वेत कंवर

◈ गुरु - भैरवनाथ

◈ आराध्य देवी - नागणेची माता

◈ **मंदिर – सांमलियां**, **डूँगरपुर**

◈ **प्रमुख पीठ – रनेला**, **सलुम्बर**

◈ 1567-68 ई. में अकबर द्वारा चित्तौड़ आक्रमण के दौरान कल्लाजी ने युद्ध में घायल जयमल को अपने कंधे पर बिठा लिया और दो तलवारे जयमल के हाथों में तथा दो तलवारे स्वयं लेकर युद्ध करने लगे, इसी वीरता के कारण उनकी ख्याती चार हाथ तथा दो सिर वाले देवता (चतुर्भुज देवता) के रूप में हुई।

◈ चित्तौड़गढ़ किले के भैरवपोल के पास कल्लाजी की छतरी बनी हुई है।

22. [b]

व्याख्या:-

◈ क्षेत्रपाल एक महत्त्वपूर्ण पहलू है क्योंकि यह ग्राम देवता और स्थानीय देवता हैं जिनका मंदिर गाँव के बाहर बना है।

23. [b]

व्याख्या:-

◈ **वीर फत्ताजी का** जन्म - साथूँ गाँव (जालोर) में हुआ था।

◈ वीर फत्ताजी को शस्त्र विद्या का अच्छा ज्ञान था।

◈ गाँव पर लूटेरों के आक्रमण के समय इन्होंने भीषण युद्ध किया।

◈ मेला - प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ला नवमी को मेला भरता है।

24. [c]

व्याख्या:-

◈ वीर कल्लाजी राठौड़ के पिता का नाम अचला जी (या आससिंह) था। वे मेड़ता के राव जयमल के भतीजे थे।

26. [b]

व्याख्या:-

◈ बाड़मेर में 2019 में 14वीं सदी के लोक बाबा रामदेव देव की जन्मस्थली पर मंदिर बनाया गया था।

◈ इस मंदिर का निर्माण मुख्य रूप से **जैसलमेर के पीले पत्थरों** से किया गया था।

◈ इसके निर्माण में जैसलमेर के सुनहरे आभा वाले पत्थर का इस्तेमाल किया गया था।

◈ रामदेव जी ने राजस्थान के रामदेवरा में समाधि ली थी।

◈ उन्हें भारत के कई सामाजिक समूहों द्वारा इष्ट देव के रूप में पूजा जाता है।

♦ ♦ ♦ ♦

लोक देवियाँ

1. लोकदेवी जीण माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इनका जन्म चूरू के धांधू गाँव में हुआ था तथा इन्हें चौहानों की कुलदेवी व मधुमक्खियों की देवी के रूप में पूजा जाता है।
2. रेवासा (सीकर) में इनके मंदिर का निर्माण पृथ्वीराज चौहान प्रथम के सामंत राजा हट्टड़ द्वारा करवाया गया था।
3. जीण माता के मंदिर के पास 'जोगी तालाब' स्थित है, जहाँ पर पाण्डवों की आदमकद प्रतिमाएँ लगी हुई हैं।
4. राजस्थानी लोक साहित्य में जीण माता का गीत सबसे लम्बा है और इनके यहाँ प्रति वर्ष चैत्र व आश्विन नवरात्र में मेला भरता है।
5. जीण माता को ढाई प्याले शराब चढ़ती है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 2, 3, 4 और 5
(c) केवल 1, 3 और 5 (d) 1, 2, 3, 4 और 5

2. सुमेलित कीजिए-
(A) ब्राह्माणी माता (1) ओसियाँ, जोधपुर
(B) शीतला माता (2) सोरसन, बाराँ
(C) जीण माता (3) चाकसू, जयपुर
(D) सचियाय माता (4) रैवासा, सीकर
कूट:–
(a) A-2, B-3, C-4, D-1 (b) A-3, B-1, C-2, D-4
(c) A-2, B-4, C-1, D-3 (d) A-4, B-1, C-2, D-3

3. नारायणी माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. नारायणी माता नाई जाति की कुल देवी हैं और उनका मंदिर 'प्रतिहार शैली' में बना है।
2. इनके मंदिर में पुजारी मीणा जाति का होता है।
3.इनका मेला वैशाख शुक्ल एकादशी को भरता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 दोनों (d) उपर्युक्त तीनों

4. सुमेलित कीजिए-
कुलदेवी जाति
(A) करणी माता (1) नाई
(B) सकराय माता (2) सीरवी
(C) आई माता (3) खण्डेलवाल
(D) नारायणी माता (4) चारण
कूट:
(a) A-4, B-3, C-2, D-1 (b) A-4, B-3, C-1, D-2
(c) A-1, B-2, C-3, D-4 (d) A-3, B-2, C-4, D-1

5. त्रिपुरा सुंदरी (तुरतई माता) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए कूट के माध्यम से असत्य कथन का चयन कीजिए–
कथन:
1. त्रिपुरा सुंदरी का प्रसिद्ध मंदिर अमराई गाँव, तलवाड़ा (बाँसवाड़ा) में स्थित है, जहाँ इनकी अठारह भुजाओं वाली प्रतिमा सिंह पर सवार है।
2. इन्हें 'तुरतई माता' के नाम से भी जाना जाता है और ये 'पांचाल जाति' की कुलदेवी मानी जाती हैं।
3. इनके मंदिर परिसर में कुषाण शासक कनिष्क के समय का एक प्राचीन शिवलिंग स्थापित है।
4. त्रिपुरा सुंदरी गुजरात के चालुक्य (सोलंकी) राजा सिद्धराज जयसिंह की इष्ट देवी थीं।
5. चोखला पांचाल समाज द्वारा यहाँ वर्ष 1992 में एक भव्य स्वर्ण कीर्ति स्तंभ का निर्माण करवाया गया था।
कूट:
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 3
(c) केवल 5 (d) सभी कथन सत्य हैं।

6. सूची-I (लोक देवी) को सूची-II (स्थान/विशेषता) से सुमेलित कीजिए-
सूची-I (लोक देवी) सूची-II (स्थान/विशेषता)
(A) हिचकी माता (i) बेड़च नदी के किनारे आकोला
(B) जलदेवी (ii) राजसमंद झील की पाल
(C) घेवर माता (iii) बसंतगढ़ (सिरोही)
(D) क्षेमकरी माता (iv) बावड़ी गाँव (टोंक)
(E) बड़ली माता (v) सनवाड़ गाँव (सवाई माधोपुर)
नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए-
विकल्प-

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)
(a)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(v)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

7. हिंगलाज माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. राजस्थान में इनका मुख्य मंदिर लोद्रवा (जैसलमेर) में है, जबकि मूल मुख्य मंदिर बलुचिस्तान (पाकिस्तान) में स्थित है।
2. लोद्रवा का मंदिर भूमिगत होने के कारण श्रद्धालुओं को दर्शन हेतु सीढ़ियों से नीचे उतरकर जाना पड़ता है।
3. इनकी पूजा चांगला खाप के मुसलमानों द्वारा भी की जाती है, जिस कारण इन्हें 'चांगली माई' कहा जाता है।
4. राजस्थान में इनके अन्य मंदिर नारलोई (जयपुर), फतेहपुर (सीकर) और बीदासर (चूरू) में भी स्थित हैं।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

8. तनोट माता के मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –
1. तनोट माता का मंदिर बीकानेर में है।
2. इस मंदिर को रुमाल वाला मंदिर भी कहा जाता है।
3. इस मंदिर में पूजा BSF के जवान करते है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 2 (b) 1 व 2
(c) 2 व 3 (d) उपर्युक्त सभी

9. सुंधा माता मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. इस मंदिर का निर्माण चाचिगदेव ने करवाया था और यह मूलतः चामुंडा माता का मंदिर है।
2. यहाँ 2006 में राजस्थान का पहला रोपवे बना था, और सुंधा माता को अघटेश्वरी भी कहा जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

10. निम्नलिखित में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं?
A. ज्वाला माता मंदिर - जोबनेर
B. कैवाय माता मंदिर - किनसरिया
C. सुंधा माता मन्दिर - सांभर
कूट:-
(a) A, B और C (b) B और C
(c) A और B (d) A और C

11. मेवाड़ के राजवंश की कुलदेवी 'बाण माता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. बाण माता मेवाड़ के गुहिल (सिसोदिया) राजवंश की कुलदेवी मानी जाती हैं।
2. बाण माता का मुख्य मंदिर चित्तौड़गढ़ दुर्ग में स्थित है।
3. उदयपुर के नागदा और कुंभलगढ़ के पास केलवाड़ा में भी माता के प्रसिद्ध मंदिर हैं।
4. बाण माता को 'बिरवड़ी माता' के नाम से भी जाना जाता है।
5. केलवाड़ा स्थित बाण माता के मंदिर को गुजरात के सुल्तान अहमद शाह ने 1443 ई. में नष्ट कर दिया था।
उपरोक्त कथनों में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) केवल 2 (b) केवल 4
(c) केवल 5 (d) उपरोक्त सभी सत्य हैं

12. सूची-I (आई माता से संबंधित शब्दावली) को सूची-II (विशेष विवरण/अर्थ) के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–
सूची-I (शब्दावली)
A. दरगाह **B. बड़ेर**
C. डोराबंदी **D. बैल**
सूची-II (विवरण/अर्थ)
1. आई माता के पंथ में पालन किए जाने वाले 11 अनिवार्य नियम।
2. सीरवी जाति के वे अनुयायी जो विशेष धागा धारण करते हैं।
3. आई माता का मुख्य मंदिर जहाँ मूर्ति के स्थान पर अखंड ज्योति जलती है।
4. आई माता का वह पूजा स्थल (थान) जो प्राय: नीम के वृक्ष के नीचे होता है।
कूट (Code):
(a) A-4, B-3, C-2, D-1 (b) A-3, B-4, C-2, D-1
(c) A-3, B-4, C-1, D-2 (d) A-1, B-2, C-4, D-3

13. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित कीजिए:

सूची-I (जाति/समाज)	**सूची-II (लोक देवी)**
(A) पांचाल	**(i) कैला देवी**
(B) भील	**(ii) चौथ माता**
(C) भोपा	**(iii) त्रिपुरा सुंदरी**
(D) यादव	**(iv) आमज माता**
(E) कंजर	**(v) विरात्रा माता**

कूट (Codes):

	A	B	C	D	E
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)	(i)

14. शीतला माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. शीतला माता का मुख्य मंदिर शील की डूंगरी, चाकसू में स्थित है और इनका वाहन गधा है।
2. इन्हें चेचक और कोढ़ की देवी तथा बच्चों की संरक्षिका माना जाता है और कुम्हार जाति के लोग इनके पुजारी होते हैं।
3. इनके नाम पर चैत्र कृष्ण अष्टमी को घरों में ठंडे पकवान बनाए जाते हैं, जिसे बास्योड़ा कहा जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 सभी

15. जोधपुर नरेश मानसिंह की रानी भटियाणी प्रतापकुँवारी ने अपने द्वारा बनाए गये मंदिर को पुनः अन्यत्र बनवाया क्योंकि पहले वाला मंदिर जमीन में धंस गया था, और उसने उसकी प्राण प्रतिष्ठा 1857 में कराई। उस मंदिर का क्या नाम है?
(a) कुंज बिहारी मंदिर (b) महामंदिर
(c) गंगश्यामजी मंदिर (d) तीजा मांजी मंदिर

16. ओसियाँ स्थित सच्चियाय माता मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह मंदिर परमारकालीन 'मारू गुर्जर शैली' में बना है।
2. सच्चियाय माता को जैन धर्म के साथ-साथ हिन्दू धर्म में भी अच्छी मान्यता प्राप्त है, इसलिए इन्हें 'साम्प्रदायिक सद्भाव की देवी' माना जाता है।
3. मंदिर के गर्भगृह में स्थापित मूर्ति महिषासुर मर्दिनी देवी की प्रतिमा है, जो कसौटी पत्थर से बनी है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

17. लोकदेवी करणी माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों का परीक्षण कीजिए–
1. इनका जन्म सुआप गाँव (फलोदी) में हुआ था और बचपन का नाम रिद्धि बाई था।
2. करणी माता ने 12 मई, 1459 को मेहरानगढ़ दुर्ग की नींव रखी थी।
3. इनके मंदिर में सफेद चूहों को 'काबा' कहा जाता है और मंदिर का स्वरूप 'मठ' कहलाता है।
4. देशनोक मंदिर में स्थित 11 फीट ऊँचा चाँदी का दीपक विश्व का सबसे बड़ा दीपक माना जाता है।
5. करणी माता का प्रथम पूजा स्थल 'नेहड़ी' बीकानेर में एक खेजड़ी वृक्ष के नीचे स्थित है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1, 3, 4 और 5 (b) केवल 1, 2, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 5 (d) उपर्युक्त सभी

18. कैला देवी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (I): यह करौली के यदुवंशी राजवंश की कुलदेवी हैं और इनका मंदिर त्रिकूट पर्वत पर स्थित है।
कथन (II): मंदिर के सामने बोहरा भगत की छतरी बनी हुई है।
कथन (III): इनके भक्तों द्वारा लांगुरिया गीत गाया जाता है और जोगनिया नृत्य किया जाता है।
कथन (IV): इनका मुख्य मेला चैत्र शुक्ल अष्टमी को भरता है, जिसे लक्खी मेला कहा जाता है।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल I और II (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I, III और IV (d) I, II, III और IV

19. लटियाल माता एवं ब्रह्माणी माता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (A): लटियाल माता का मंदिर फलोदी में स्थित है और खेजड़ी वृक्ष की प्रधानता के कारण इन्हें 'खेजड़ी बेरी राय भवानी' भी कहा जाता है।
कथन (B): सोरसन (बाराँ) स्थित ब्रह्माणी माता के मंदिर में देवी के अग्र भाग (मुख) के स्थान पर उनकी पीठ की पूजा की जाती है।
उपरोक्त कथनों के आधार पर सही कूट (Code) चुनिए–
(a) केवल कथन (A) असत्य है।
(b) केवल कथन (B) असत्य है।
(c) कथन (A) और (B) दोनों ही असत्य हैं।
(d) न तो कथन (A) और न ही कथन (B) असत्य है।

20. मारवाड़ के राठौड़ वंश की कुलदेवी 'नागणेची माता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए कूट के माध्यम से असत्य कथन का चयन कीजिए–
कथन:
1. नागणेची माता की मूल मूर्ति लकड़ी की बनी 18 भुजाओं वाली है, जिसे राव धुहड़ के समय लुम्ब ऋषि कर्नाटक से लाए थे।
2. इनका मुख्य मंदिर नागाणा गाँव (बालोतरा) में स्थित है।
3. राव जोधा ने नागाणा से मूल मूर्ति मंगवाकर जोधपुर के मेहरानगढ़ दुर्ग में स्थापित करवाई थी।
4. नागणेची माता का दूसरा रूप 'श्येन पक्षी' (चील/बाज) माना जाता है और इनका पुजारी अनिवार्यतः राठौड़ जाति का होता है।
5. ये लोकदेवता वीर कल्लाजी राठौड़ की भी कुलदेवी मानी जाती हैं।
कूट:
(a) केवल 1, 2 और 5 (b) केवल 4
(c) केवल 3 (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

21. लोक देवी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करो-
(1) औरंगज़ेब ने कुष्ठ रोग से मुक्ति की कामना से मंदिर में स्वर्ण "छत्र" भेंट किया।
(2) यह मंदिर तांत्रिक शक्ति पीठ है।
(3) यहाँ अखण्ड ज्योति जलती है, जिससे "काजल शिखर" पर 'काजल' बनाया जाता है।
उपरोक्त कथनों में किस लोक देवी का उल्लेख है?
(a) ईडाणा माता (b) जीण माता
(c) करणी माता (d) सकराय माता

22. बदनौर (भीलवाड़ा) स्थित कुशाल माता मंदिर के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?
(a) इसका निर्माण महाराणा सांगा ने करवाया।
(b) इस मंदिर के पास बैराठ माता का मंदिर भी स्थित है।
(c) यहाँ भाद्रपद में विशाल मेला भरता है।
(d) कुशाल माता चामुंडा देवी का अवतार हैं।

23. चामुंडा माता के संबंध में दिए गए निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. मारवाड़ के राठौड़ शासकों द्वारा इन्हें अपनी कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है।
2. राव जोधा ने माता की मूर्ति को मंडोर से लाकर मेहरानगढ़ दुर्ग के चामुंडा बुर्ज पर स्थापित किया था।
3. महाराजा तख्तसिंह ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।
4. वर्ष 2008 में मेहरानगढ़ मंदिर में हुई दु:खद भगदड़ की जाँच के लिए जसराज चोपड़ा समिति का गठन किया गया।
5. अजमेर स्थित चामुंडा माता का मंदिर पृथ्वीराज चौहान तृतीय की इष्टदेवी के रूप में प्रसिद्ध है।
उपर्युक्त में से 'असत्य' कथन वाला कूट चुनिए:
(a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 2, 4 और 5 (d) कोई भी असत्य नहीं है

24. राजस्थान की लोक देवियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. सुगाली माता को '1857 की क्रांति की देवी' कहा जाता है, जिनकी प्रतिमा 10 सिर और 54 हाथों वाली है।
2. सुगाली माता की मूर्ति वर्तमान में अजमेर के राजपूताना म्यूजियम में सुरक्षित रखी गई है।
3. चित्तौड़गढ़ के निकुंभ में स्थित आवरी माता का मंदिर लकवा (शारीरिक व्याधि) के निवारण के लिए प्रसिद्ध है।
4. आमज माता का मंदिर रीछड़े गाँव (केलवाड़ा) में स्थित है, जिन्हें भीलों की कुलदेवी माना जाता है।
5. आमज माता के मंदिर में केवल भील भोपा द्वारा ही पूजा संपन्न की जाती है।
उपर्युक्त कथनों में से 'असत्य' कूट का चयन कीजिए:
(a) केवल 2 और 5 (b) 1, 3 और 4
(c) केवल 5 (d) 2, 4 और 5

25. राजस्थान के प्रमुख मंदिरों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. उदयपुर के जगत गाँव में स्थित अंबिका माता मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी में शासक अल्लट द्वारा करवाया गया था।
2. अंबिका माता मंदिर पूर्णतः नागर शैली में निर्मित है, जिसे 'मेवाड़ का खजुराहो' भी कहा जाता है।
3. जगत स्थित इस मंदिर के परिसर में नृत्य गणपति की एक विशाल प्रतिमा स्थापित है।
4. भदाणा माता हाड़ा चौहानों की कुलदेवी हैं, जहाँ 'मूंठ' (तांत्रिक प्रयोग) की चपेट में आए व्यक्तियों का उपचार किया जाता है।
5. भदाणा माता का मंदिर झालावाड़ में स्थित है।
उपर्युक्त में से 'असत्य' कथनों के कूट का चयन कीजिए–
(a) 1, 3 और 4
(b) केवल 2 और 5
(c) 2, 4 और 5
(d) केवल 5

26. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(a) छींक माता - जयपुर
(b) कालिका माता - बाँसवाड़ा
(c) तुलजा भवानी - अजमेर
(d) बीजासण माता – करौली

♦ ♦ ♦ ♦

उत्तर सहित व्याख्या

1. [d]

व्याख्या:-

जीण माता-

- **उपनाम** - सीकर के चौहानों की कुलदेवी, मधुमक्खियों की देवी, शेखावाटी क्षेत्र की लोक देवी आदि।
- जन्म - धांधू गाँव (चूरू)
- पिता का नाम - धंधराय।
- प्रसिद्ध मंदिर हर्ष की पहाड़ी पर रेवासा में स्थित हैं, इनके इस मंदिर का निर्माण पृथ्वीराज चौहान प्रथम के समय उनके सामंत राजा हट्टड़ द्वारा करवाया गया।
- ढाई प्याले शराब चढ़ती है, जीण माता को पहले बकरे की बलि दी जाती है। वर्तमान में केवल बकरे के कान चढ़ाए जाते हैं।
- जीण माता, चौहान राजपूतों की कुलदेवी व मीणा जनजाति की आराध्य देवी मानी जाती है।
- जीण माता, मंदिर के पास 'जोगी तालाब' स्थित है, जहाँ पर पाण्डवों की आदमकद प्रतिमा है।
- **मेला -** प्रति वर्ष चैत्र एवं आश्विन के नवरात्र में।
- इस देवी का गीत राजस्थानी लोक साहित्य में सबसे लंबा है।

2. [a]

व्याख्या:-

- **ब्राह्माणी माता -** प्रसिद्ध मंदिर - सोरसन (बाराँ) में स्थित है। देवी के पीठ की पूजा की जाती है।
- **शीतला माता** - प्रसिद्ध मंदिर - चाकसू गाँव (जयपुर) में शील की डूंगरी।
- **जीण माता प्रसिद्ध मंदिर** - रैवासा, सीकर में स्थित है।
- **सचिच्याय माता** - प्रसिद्ध मंदिर - ओसियाँ (जोधपुर) में स्थित है।

3. [d]

व्याख्या:-

नारायणी माता –

- **जन्म -** मोरागढ़, अलवर।
- **पिता -** विजयराम नाई।
- **माता -** रामवती।
- **मूल नाम –** करमेती
- **पति -** करणेश।
- नाइयों की कुलदेवी।
- नारायणी माता के **पुजारी मीणा** जाति के लोग होते हैं।
- इनका मेला **वैशाख शुक्ल एकादशी** को भरता है।

4. [a]

व्याख्या:-

व्याख्या:-

देवी	संबंधित जाति
करणी माता	चारण
सकराय माता	खण्डेलवाल
आई माता	सीरवी
नारायणी माता	नाई

5. [c]

व्याख्या:-

- त्रिपुरा सुंदरी को **तुरतई माता** भी कहा जाता है।
- इनका प्रसिद्ध मंदिर **अमराई गाँव,** तलवाड़ा (बाँसवाड़ा) में है। यहाँ इनकी काले पत्थर की **18 भुजी** प्रतिमा (सिंह पर सवार) स्थित है।
- त्रिपुरा सुंदरी **पांचाल जाति** की कुलदेवी हैं। इनके मंदिर में कनिष्क के समय का एक शिवलिंग स्थापित है।
- गुजरात के **सोलंकी राजा सिद्धराज जयसिंह** की इष्ट देवी थी।
- **चोखला पांचाल समाज** ने यहाँ 2006 में स्वर्ण कीर्ति स्तंभ बनवाया।

6. [a]

व्याख्या:-

- हिचकी माता का मंदिर **सनवाड़ गाँव (सवाई माधोपुर)** में स्थित है।
- जल देवी का मंदिर **बावड़ी गाँव (टोडारायसिंह तहसील, टोंक)** में स्थित है।
- घेवर माता का मंदिर **राजसमंद झील की पाल पर राजसमंद** में है।
- क्षेमकरी माता का मंदिर **बसंतगढ़ (सिरोही)** में है। इन्हें **खीमेल माता** भी कहते हैं।
- बड़ली माता का मंदिर बेड़च नदी के किनारे **आकोला (चित्तौड़गढ़)** में है।
- इनके मंदिर परिसर में स्थित **दो तिबारियों में से बीमार बच्चों को निकाला जाता** है, और देवी के नाम की **तांती** बांधी जाती है।

7. [d]

व्याख्या:-

- राजस्थान में हिंगलाज माता का मुख्य मंदिर लोद्रवा (जैसलमेर) में स्थित है। इनका मुख्य मंदिर बलुचिस्तान (पाकिस्तान) में स्थित है।
- **राजस्थान में हिंगलाज माता के अन्य मंदिर-** नारलोई (जयपुर), फतेहपुर (सीकर), बीदासर (चूरू)।
- लोद्रवा मंदिर के भूमिगत होने के कारण दर्शन हेतु सीढ़ियों से जाना पड़ता है।
- इनकी पूजा **चांगला खाप के मुसलमानों** द्वारा की जाने के कारण यह **चांगली माई** कहलाती है।

8. [c]

व्याख्या:-

- तनोट माता का मंदिर तनोट, जैसलमेर में है।
- इस मंदिर को रुमाल वाला मंदिर भी कहा जाता है।
- इस मंदिर में पूजा BSF के जवान करते है।

9. [c]

- इनका मुख्य मंदिर **जालौर के जसवंतगढ़** कस्बे के पास **दाँतलावास ग्राम के सुंडा पर्वत पर** (प्राचीन शक्ति पीठ) स्थित है। मंदिर के अग्रिम भाग में **भूरेश्वर महादेव लिंग** स्थित है। यहाँ जालौर के **चौहान शासकों का एक शिलालेख** लगा है।
- इन्हें अधरेश्वरी/अघटेश्वरी **(क्योंकि केवल सिर की पूजा होती है)** के नाम से जाना जाता है।
- इनका मेला **वैशाख एवं भाद्रपद** माह में शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक लगता है।
- मंदिर में पहुँचने के मार्ग में महात्मा राबड़नाथ का धूणा **(एक जलकुण्ड)**, पाटलियों की पाँज तथा नागिनी तीर्थ जैसे दर्शनीय स्थल आते हैं।
- मंदिर के समीप ही वर्ष 2006 में **'राजस्थान का पहला रोप वे'** बना है।

10. [c]

व्याख्या:-

- सुंधा माता का प्रसिद्ध मंदिर जालौर जिले के भीनमाल के पास सुंधा पर्वत पर स्थित है, न कि सांभर में।

11. [c]

व्याख्या:-

- इनका मुख्य मंदिर **चित्तौड़गढ़ दुर्ग** में स्थित है।
- बाण माता के अन्य मंदिर **नागदा (उदयपुर)** तथा कुंभलगढ़ किले के पास **केलवाड़ा की गड्डी** में स्थित है।
- बाण माता मेवाड़ के **गुहिल/सिसोदिया वंश** की कुलदेवी हैं।
- बाणमाता को **बिरवड़ी माता** भी कहते हैं।
- केलवाड़ा वाले मंदिर को **सुल्तान महमूद खिलजी** ने 1443 ई. में नष्ट करवा दिया था।

12. [b]

व्याख्या:-

आई माता–

- **बचपन का नाम -** जीजाबाई।
- **जन्म -** अंबापुर (गुजरात)।
- सीरवी जाति के क्षत्रियों की कुलदेवी।
- **प्रसिद्ध मंदिर -** बिलाड़ा गाँव (जोधपुर)।
- आई माता के मंदिर को **दरगाह** कहा जाता है।
- आई माता के थान को **बड़ेर** कहा जाता है।
- **अनुयायी**, **डोराबंदी कहलाते है।**
- आई माता के मंदिर में इनकी मूर्ति नहीं होती है।
- आई माता के मंदिर में जलने वाले दीपक की **ज्योति से केसर** टपकती है।
- आई पंथ के अनुयायियों को 11 नियमों का पालन करना अनिवार्य है, जिन्हें **बैल के ग्यारह नियम** कहते हैं।
- इनका मंदिर **नीम वृक्ष** के नीचे होता है।
- यह नवदुर्गा का अवतार मानी जाती है।
- इस देवी के मन्दिर में गुर्जर जाति का प्रवेश निषेध है।
- **"आई माता री वैल" के रचनाकार -** संत सहदेव

13. [a]

व्याख्या:-

सही मिलान इस प्रकार है–

- पांचाल: त्रिपुरा सुंदरी (तर्तई माता)
- भील: आमज माता
- भोपा: विरात्रा माता
- यादव: कैला देवी
- कंजर: चौथ माता

14. [d]

व्याख्या:-

- **उपनाम - चेचक की देवी, सेढ़ल माता, बोदरी देवी, महामाई, बच्चों की संरक्षिका, माता अनामा (पश्चिम भारत)** आदि।
- **प्रसिद्ध मंदिर -** चाकसू गाँव (जयपुर) में शील की डूंगरी।
- मंदिर का निर्माण **सवाई माधोसिंह** ने करवाया था।
- मंदिर में मूर्ति की जगह पाषाण (पत्थर) के खंड है।
- इनकी **खण्डित मूर्ति** की पूजा होती है।
- **वाहन -** गधा
- **पुजारी -** कुम्हार
- **पूजा - खेजड़ी वृक्ष के नीचे**
- **प्रतीक चिह्न -** मिट्टी की कटोरियाँ (दीपक)
- **मेला -** प्रतिवर्ष चैत्र कृष्ण अष्टमी (शीतलाष्टमी) को, जो **बेलगाड़ी मेले** के नाम से प्रसिद्ध है।
- जयपुर के अलावा उदयपुर के वल्लभ नगर कस्बे में स्थित शीतला माता के मंदिर में मेले का आयोजन किया जाता है।
- जोधपुर नगर के कागा क्षेत्र में भी इनका मंदिर स्थित है।
- शीतला माता के नाम पर चैत्र कृष्ण सप्तमी को घरों में विभिन्न प्रकार के खाध वस्तुएं बनाई जाती है और चैत्र कृष्ण अष्टमी को सुबह माता को **ठण्डे पकवानों** का भोग लगाकर पूजा की जाती है, जिसे **बास्योड़ा** भी कहा जाता है।
- ये राजस्थान के सभी भागों में पूजी जानी वाली लोकदेवी है। (**नोट:** चैत्र शुक्ल सप्तमी को शीतला सप्तमी मनाई जाती है। मारवाड़ में सप्तमी की जगह शीतला अष्टमी मनाई जाती है।)

15. [d]

व्याख्या:-

- तीजा मांजी मंदिर जोधपुर में स्थित इस मंदिर का निर्माण मारवाड़ के **राजा मानसिंह की रानी प्रताप कुंवारी** ने करवाया था।
- महाराजा मानसिंह मारवाड़ साम्राज्य और जोधपुर राज्य के अंतिम स्वतंत्र महाराजा थे।
- 7 नवंबर, 1791 को उनके दादा विजय सिंह द्वारा उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, विजय सिंह की मृत्यु पर, भीम सिंह ने जोधपुर पर कब्जा कर लिया और खुद को मारवाड़ के शासक के रूप में घोषित किया।
- **कुंज बिहारी मंदिर** - कुंज बिहारी मंदिर जोधपुर, राजस्थान में एक कलात्मक और स्थापत्य सुंदर मंदिर है।
- इसका प्रवेश द्वार और शीर्ष अद्भुत वास्तुकला का एक उदाहरण है।
- मंदिर का निर्माण 1847 में महाराजा विजय सिंह की पासवान (उपपत्नी) गुलाब राय ने करवाया था।
- महामंदिर मंदिर -नाथ संप्रदाय का प्रमुख तीर्थ स्थल।
- **गंगश्यामजी मंदिर -** गंगशायमाजी मंदिर का निर्माण जोधपुर के तत्कालीन महाराजा ने 20वीं शताब्दी की शुरुआत में पुराने शहर जोधपुर में किया था।

16. [d]

व्याख्या:-

सच्चियाय माता –

- ओसवालों की कुलदेवी
- सच्चियाय माता को **'सांप्रदायिक सद्भाव की देवी'** भी कहा जाता है, क्योंकि हिंदू धर्म के साथ-साथ जैन धर्म में भी इनकी अच्छी मान्यता है।
- ओसियाँ में तीन हरिहर मंदिर भी स्थित हैं।
- **प्रसिद्ध मंदिर -** ओसियाँ (जोधपुर)
- सच्चियाय माता के इस मंदिर का निर्माण **11वीं शताब्दी** में प्रतिहार शैली में परमार राजकुमार **उपलदेव** ने करवाया था।
- यह मंदिर परमारकालीन **'मारू गुर्जर शैली'** में बना है।
- मंदिर में गर्भगृह में स्थित मूर्ति कैसोरी पत्थर की है। यह वस्तुतः महिषासुर मर्दिनी देवी की प्रतिमा है। सच्चियाय महिषासुर मर्दिनी का सात्विक रूप है।

17. [b]

व्याख्या:-

करणी माता-

- **उपनाम – दाडी-मुंछ वाली देवी**, **डोकरी**, **मेहाई**
- **जन्म –** 1387 ई. (वि.सं. 1444)
- **स्थान –** सुआप गाँव, फलोदी
- **पिता –** मेहाजी कीनिया
- **माता –** देवल
- **बचपन का नाम –** रिद्धु बाई/रिद्धि बाई
- **विवाह –** करणी माता का विवाह देपाजी बीठू से हुआ था।
- **चूहों की देवी –** करणी माता के मंदिर में सफेद चूहों को "काबा" कहा जाता है, और उन्हें चूहों की देवी के रूप में पूजा जाता है।

- करणी माता का ओरण 10 हजार बीघा में है, यह राजस्थान का सबसे बड़ा ओरण माना जाता है।
- देशनोक मंदिर में 11 फिट ऊँचा चाँदी का दीपक रखा गया है। जो विश्व का सबसे बड़ा चाँदी का दीपक है।
- करणी माता का पहला पूजा स्थल बीकानेर में नेहड़ी कहलाता है, जो एक जाल वृक्ष के नीचे स्थित है।
- **मठ (मंढ) –** करणी माता का मंदिर मठ के रूप में प्रसिद्ध है।
- **चील –** करणी माता का एक रूप सफेद चील के रूप में भी माना जाता है। लोकमान्यताओं के अनुसार, **करणी माता ने अपनी बहन गुलाब कुँवरी के पुत्र लाखण को गोद** लिया था।
- **महत्त्वपूर्ण योगदान –** करणी माता ने 12 मई, 1459 को मेहरानगढ़ किला की नींव रखी और बीकानेर राज्य की स्थापना में भी उनका आशीर्वाद महत्वपूर्ण था।
- करणी माता ने लगभग 151 वर्ष की आयु में वि.सं. 1595 (1538 ई.) में धिनेरू की तलाई, दियात्रा गाँव (बीकानेर) में अपने प्राणों का त्याग किया।

18. [d]

व्याख्या:-
- यह मूलत: अंजना माता का मंदिर है।
- यहाँ मंदिर में दाहिनी तरफ कैलादेवी (लक्ष्मी) की तथा बायीं तरफ चामुंडा माता की मूर्ति है।
- इन्होंने **'नरकासुर राक्षस'** का वध किया था।
- कैलादेवी के सामने **बोहराजी** की छतरी है।
- करौली के यदुवंशी राजवंश (यादवों) की कुलदेवी है।
- **मंदिर - त्रिकूट पर्वत कालीसील** नदी के किनारे पर स्थित है। मंदिर निर्माण **गोपाल सिंह** ने करवाया था तथा यहाँ कैला देवी की मूर्ति **केदारगिरी** नामक साधु द्वारा स्थापित की गई थी।
- यह मंदिर कनक दंडवत के लिए प्रसिद्ध है।
- कैला देवी मंदिर के पास हनुमानजी का मंदिर बना हुआ है जिसे स्थानीय लोग **लांगुरिया** कहते हैं।
- इनके भक्तों द्वारा लांगुरिया गीत गाया जाता है तथा **"जोगनिया नृत्य"** किया जाता है-
- **लक्खी मेला -** प्रतिवर्ष नवरात्रों में (चैत्र शुक्ल अष्टमी को)
- केला देवी का घुटकन नृत्य प्रसिद्ध है, जिसे गुर्जर एवं मीणा जाति के लोग करते हैं।
- लोक मान्यता है कि कैला देवी देवकी की पुत्री है, जिसका कंश ने वध कर दिया था।
- कैला देवी मंदिर के सामने ही **बोहरा भगत की छतरी** है।

19. [d]

व्याख्या:-

लटियाल माता–
- कल्लों की कुलदेवी
- **मंदिर -** फलोदी
- लटियाल माता के मंदिर के आगे खेजड़ी का वृक्ष स्थित है, इसलिए इन्हें खेजड़ी बेरी राय भवानी भी कहते हैं।

ब्रह्माणी माता–
- कुम्हारों की कुलदेवी
- **प्रसिद्ध मंदिर -** सोरसन (बाराँ)
- ब्रह्माणी माता का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है, जिसमें देवी की पीठ की पूजा की जाती हैं।
- यहाँ पर माघ शुक्ल सप्तमी को गधों का मेला लगता है।

20. [d]

व्याख्या:-

नागणेची माता –
- मारवाड़ के राठौड़ वंश की कुलदेवी है।
- नागणेची माता का मुख्य मंदिर **नागाणा गाँव** में है। **राव धुहड़** के समय ब्राह्मण लुम्ब ऋषि ने कर्नाटक से नागणेची माता की मूर्ति लाकर इसे नगाणा गाँव (बाड़मेर) में स्थापित करवाई।
- **राव जोधा** ने नगाणा से मूल मूर्ति मंगवाकर जोधपुर दुर्ग में स्थापित करवाकर मेहरानगढ़ में भी नागणेची माता का मंदिर बनवाया था।
- लोकदेवता **कल्ला जी** की कुलदेवी है।
- इनकी मूर्ति लकड़ी की बनी है। **18 भुजी** शस्त्रो से सुसज्जित प्रतिमा है।
- **नागणेची माता का दूसरा रूप -** श्येन पक्षी/चील/बाज
- इनका पुजारी **राठौड़ जाति** का होता है।
- इनकी पुजा **नीम वृक्ष** के नीचे होती है।
- राव बीका द्वारा भी बीकानेर में नागणेची माता का मंदिर बनवाया गया।

21. [b]

व्याख्या:-
- लोक मान्यताओं के अनुसार, जब औरंगज़ेब ने मंदिर को नष्ट करने का प्रयास किया, तो यहाँ की मधुमक्खियों ने उसकी सेना पर हमला कर दिया था। हार मानकर औरंगज़ेब ने देवी से क्षमा मांगी और अपनी बीमारी (कुष्ठ रोग) से मुक्ति की प्रार्थना की। रोग ठीक होने पर उसने मंदिर में स्वर्ण छत्र चढ़ाया था। आज भी दिल्ली सरकार की ओर से यहाँ अखंड ज्योति के लिए तेल/घी की रसद भेजने की परंपरा का उल्लेख मिलता है।
- जीण माता को आदि शक्ति का अवतार माना जाता है और यह मंदिर प्राचीन काल से ही तांत्रिक उपासना का केंद्र रहा है। यहाँ देवी की अष्टभुजी प्रतिमा है।
- मंदिर के पास ही 'काजल शिखर' नामक स्थान है। यहाँ स्थित अखंड ज्योति से जो काजल बनता है, उसे श्रद्धालु बहुत पवित्र मानते हैं और इसे आँखों में लगाने से नेत्र विकार दूर होने की मान्यता है।

22. [a]

व्याख्या:-
- **मंदिर -** बदनौर - भीलवाड़ा।
- इस मंदिर का निर्माण **महाराणा कुंभा** ने करवाया था।
- इनका मेला भाद्रपद कृष्ण एकादशी से भाद्रपद अमावस्या तक भरता है।
- कुशाल माता चामुंडा देवी का अवतार हैं, इसी के पास **बैराठ माता का मंदिर** भी स्थित है।

23. [a]

व्याख्या:-
- इनका मुख्य मंदिर **मंडोर (जोधपुर)** में स्थित है।
- **राव चूंडा** द्वारा मंडौर में चामुंडा माता के मंदिर का निर्माण करवाया गया था।
- जोधपुर शासक **राव जोधा** द्वारा चामुंडा माता की मूर्ति मंडौर से मंगवाकर जोधपुर दुर्ग के चामुंडा बुर्ज पर स्थापित करवाई गयी थी।
- महाराजा **तख्तसिंह** ने इस मंदिर का जीर्णोद्वार करवाया।
- मारवाड़ के **राठौड़ों की इष्ट देवी/आराध्य देवी**।
- चामुंडा माता प्रतिहार/परिहारों के इंदावंश की कुलदेवी।
- **मंदिर -** मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर)
- चामुंडा माता के मंदिर में वर्ष 30 सितंबर, 2008 के आश्विन नवरात्र में भगदड़ मच जाने के कारण 300 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस भगदड़ की जाँच के लिए **जसराज चोपड़ा समिति** गठित की गई।
- चामुंडा माता का एक अन्य मंदिर अजमेर में है, जो **पृथ्वीराज चौहान** तृतीय एवं चंदरबरदाई की इष्टदेवी हैं।

24. [a]

व्याख्या:-

◈ सुगाली माता का मंदिर **आऊवा, पाली** में स्थित है।
◈ **ठाकुर कुशाल सिंह चंपावत** की इष्ट देवी हैं।
◈ इनकी प्रतिमा **54 हाथ व 10 सिरों** से सुसज्जित है।
◈ सुगाली माता को **'1857 की क्रांति की देवी'** भी कहा जाता है। 1857 में अंग्रेजों द्वारा इनकी मूर्ति को खंडित कर दिया गया था और मूर्ति को आबू ले गये।
◈ सुगाली माता की मूर्ति वर्तमान में पाली के बागड़ संग्रहालय में रखी गई है, इससे पहले यह अजमेर के **राजपूताना म्यूजियम** में थी।
◈ असावरी माता/आवरी माता का मंदिर **चित्तौड़गढ़ जिले के निकुंभ गाँव** में है।
◈ आवरी माता **शारीरिक व्याधियों (लकवा)** के निवारण हेतु प्रसिद्ध हैं।
◈ आमज माता का मंदिर **रीछड़े गाँव केलवाड़ा** में है।
◈ आमज माता **भीलों की कुलदेवी** हैं।
◈ आमज माता की पूजा **एक भील भोपा** एवं **एक ब्राह्मण पुजारी** करता है।

25. [b]

व्याख्या:-

◈ अंबिका माता का प्रसिद्ध मंदिर **जगत गाँव (उदयपुर)** में है, जो कि महामारू शैली में निर्मित है जिसका शिखर नागरशैली में निर्मित है। इस मंदिर का निर्माण **अल्लट** द्वारा 10वीं शताब्दी में करवाया गया।
◈ यहाँ नृत्य गणपति की विशाल प्रतिमा स्थित है।
◈ इसे मेवाड़ का खजुराहो भी कहा जाता है।
◈ भदाणा माता **हाड़ा चौहानों** की कुलदेवी हैं। इनका मंदिर कोटा जिले में स्थित है।
◈ यहाँ **मूठ की चपेट में आये लोगों** का इलाज होता है।

26. [a]

व्याख्या:-

◈ छींक माता का मंदिर जयपुर में **गोपाल जी** के रास्ते में स्थित है, माघ शुक्ल सप्तमी को इनकी पूजा होती है।

कालिका माता –

◈ यह **गुहिल वंश की आराध्या /इष्ट देवी** है।
◈ इनका मंदिर **चित्तौड़गढ़ दुर्ग** में स्थित है। यह मंदिर सूर्य को समर्पित था किंतु इसकी प्रतिमा को मुस्लिम आक्रांताओं ने नष्ट कर दिया था। इसके पश्चात् **महाराणा सज्जनसिंह** द्वारा इसका जीर्णोद्धार करवाकर, कालिका माता की मूर्ति स्थापित करवायी।
◈ तुलजा भवानी छत्रपति शिवाजी की आराध्य देवी थी।
◈ इनका मंदिर **चित्तौड़गढ़ दुर्ग** में है।
◈ बीजासण माता – इन्दरगढ़ (बूँदी)

♦♦♦♦

संत एवं संप्रदाय

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए और नीचे दिए गए कूट (Codes) की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कथन (A): दादू दयाल को राजस्थान का 'कबीर' कहा जाता है, लेकिन वे सूफी परंपरा के संत नहीं थे।

कारण (R): दादू दयाल भक्ति आंदोलन से जुड़े थे, जिनका मुख्य उद्देश्य हिंदू और मुस्लिम संतों के बीच वैचारिक समन्वय और प्रेम स्थापित करना था।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

2. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन (I): दादूदयाल (राजस्थान के कबीर) का जन्म अलवर के धोलीदुब/दोलीदुब गाँव में 1542 AD में फाल्गुन शुक्ल नवमी को हुआ था।

कथन (II): दादू ने सामान्य भाषा (साधुक्कडी) में ब्रह्म, जीव, जगत और मोक्ष पर अपने उपदेश दिए।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें।

(a) कथन (i) और कथन (ii) दोनों गलत हैं।
(b) कथन (i) सही है, लेकिन कथन (ii) गलत है।
(c) कथन (i) गलत है, लेकिन कथन (ii) सही है।
(d) कथन (i) और कथन (ii) दोनों सही हैं।

3. सुमेलित कीजिए-

सम्प्रदाय	**मुख्य पीठ**
(A) निरंजनी	**(1) पन्ना**
(B) परनामी	**(2) गाढ़ा**
(C) गूदड़	**(3) शाहपुरा**
(D) रामस्नेही	**(4) दाँतड़ा**

कूट :

(a) A-2, B-4, C-1, D-3
(b) A-3, B-1, C-4, D-2
(c) A-2, B-1, C-4, D-3
(d) A-4, B-3, C-2, D-1

4. आचार्य श्री तुलसी के संबंध में दिए गए कथनों पर विचार कीजिए–

i. इनका जन्म 1914 में लाडनूं में हुआ और ये जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सम्प्रदाय के 9वें आचार्य थे।

ii. इन्होंने वर्ष 1949 में चूरू के सरदारशहर से 'अणुव्रत आन्दोलन' का प्रारम्भ किया।

iii. वर्ष 1980 में इनके द्वारा लाडनूं में 'समण श्रेणी' की शुरुआत की गई।

iv. फरवरी 1994 में इनके सान्निध्य में सुजानगढ़ में 'मर्यादा महोत्सव' का आयोजन हुआ।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल i और ii
(b) केवल ii और iii
(c) केवल i, iii और iv
(d) i, ii, iii और iv सभी

5. संत जसनाथ जी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इनका जन्म बीकानेर के कतरियासर गाँव के एक जाट परिवार में हुआ था।
2. इन्होंने गोरखमालिया नामक स्थान पर 12 वर्षों तक कठिन तपस्या की थी।
3. जसनाथी सम्प्रदाय के अनुयायियों के लिए कुल 36 नियम निर्धारित हैं।
4. दिल्ली सुल्तान सिकंदर लोदी ने इन्हें कतरियासर में जमीन भेंट की थी।
5. इस सम्प्रदाय के लोग 'पीले रंग' के धागे को गले में पहनना पवित्र मानते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) 1, 2, 3, 4 और 5 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 2, 4 और 5

6. गौड़ीय सम्प्रदाय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक स्वामी मध्वाचार्य थे, जिन्होंने 'द्वैतवाद' दर्शन दिया।
2. बंगाल के चैतन्य महाप्रभु ने इस सम्प्रदाय को जन-जन तक पहुँचाया।
3. राजस्थान में इस सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ जयपुर का 'गोविन्द देवजी मंदिर' है।
4. आमेर के राजा मानसिंह इस सम्प्रदाय के प्रमुख अनुयायी थे।
5. इस सम्प्रदाय की 'सहज पंथ' शाखा में केवल निराकार ईश्वर की पूजा की जाती है।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) 1, 2, 3, 4 और 5 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 3, 4 और 5

7. रामानन्द के संदर्भ में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए एवं सही विकल्प चुनिए–
A. संत पीपा के निवेदन पर रामानन्द राजस्थान आए थे ।
B. रामानन्द का प्रभाव राजस्थान में व्यापक रूप से दिखाई नहीं देता है।
(a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य हैं। (d) A और B दोनों असत्य हैं।

8. रसिक सम्प्रदाय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इस सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ रैवासा (सीकर) में स्थित है, जिसकी स्थापना स्वामी अग्रदास जी ने की थी।
2. इसमें राम की माधुर्य भाव की भक्ति की जाती है तथा सीता-राम की श्रृंगारिक जोड़ी की पूजा होती है।
3. अग्रदास जी के शिष्य नाभादास जी थे, जिन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक ग्रन्थ 'भक्तमाल' की रचना की थी।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

9. पाशुपत सम्प्रदाय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए–
1. इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक लकुलीश थे।
2. जालौर स्थित सुण्डा माता मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति लकुलीश सम्प्रदाय की है।
3. मेवाड़ के हारित ऋषि इसी सम्प्रदाय के अनुयायी थे, जिनके आशीर्वाद से बप्पा रावल ने राज्य प्राप्त किया था।
दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 2 और 3

10. स्वामी लाल गिरी और उनके द्वारा प्रवर्तित सम्प्रदाय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. स्वामी लाल गिरी का जन्म चूरू जिले में हुआ था और उन्होंने अलखिया सम्प्रदाय की स्थापना की थी।
2. इस सम्प्रदाय का मुख्य केंद्र (प्रधान पीठ) बीकानेर में स्थित है।
3. 'अलख स्तुति प्रकाश' इस सम्प्रदाय का प्रमुख पूजनीय ग्रंथ है।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) केवल 3 (d) केवल 1 और 3

11. संत रानाबाई के संबंध में निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
1. संत रानाबाई का जन्म 1504 ई. में नागौर जिले के हरनावां गाँव में एक जाट परिवार में हुआ था।
2. इन्हें 'राजस्थान की दूसरी मीरा' के नाम से जाना जाता है और इनके गुरु संत चतुरदास (खोजी जी) थे।
3. संत रानाबाई ने फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी के दिन हरनावा में जीवित समाधि ली थी।
4. इनके पिता का नाम सवाई भोज और माता का नाम साडू खटानी था।
उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 4 (d) उपर्युक्त सभी सत्य हैं

12. भक्त शिरोमणि गवरी बाई के संबंध में दिए गए कथनों पर विचार करते हुए असत्य कथन का चयन कीजिए–
1. गवरी बाई का जन्म डूँगरपुर के नागर ब्राह्मण कुल में हुआ था, जिन्हें 'वागड़ की मीरा' भी कहा जाता है।
2. इन्होंने भगवान कृष्ण को पति रूप में स्वीकार कर उनकी भक्ति की और 'कीर्तनमाला' नामक ग्रंथ की रचना की।
3. डूँगरपुर के महारावल पृथ्वी सिंह ने इनके निवास हेतु हरमिंदर (हरि मंदिर) का निर्माण करवाया था।
कूट (Options):
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 2

13. संत हरिदास निरंजनी और निरंजनी सम्प्रदाय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
i. इनका मूल नाम हरिसिंह साँखला था और इन्हें 'कलियुग का वाल्मीकि' कहा जाता है।
ii. इस सम्प्रदाय की प्रधान पीठ गाढ़ा (डीडवाना) में स्थित है और यहाँ फाल्गुन शुक्ल एकम् से द्वादशी तक मेला भरता है।
iii. 'मंत्र राजप्रकाश' और 'हरिपुरुष की वाणी' इनके द्वारा रचित प्रमुख ग्रंथ हैं।
iv. इस सम्प्रदाय की 'निहंग' शाखा के अनुयायी गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हैं।
उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?
(a) केवल i और ii (b) केवल i, ii और iii
(c) केवल ii, iii और iv (d) i, ii, iii और iv

14. राजस्थान की महिला संतों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

i. संत भूरी बाई अलख मेवाड़ क्षेत्र से थीं और उन्होंने निर्गुण एवं सगुण भक्ति मार्ग का समन्वय किया।

ii. भूरी बाई उदयपुर की अलारख बाई और उस्ताद हैदराबादी के भजनों से प्रभावित थीं।

iii. संत कर्मठी बाई का संबंध बागड़ क्षेत्र से था और उन्होंने वृंदावन में कृष्ण की साधना की।

iv. संत फूली बाई जोधपुर से थीं, जिन्हें महाराजा जसवंत सिंह ने अपनी धर्म बहन बनाया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल i और ii (b) केवल ii और iii
(c) केवल i, iii और iv (d) i, ii, iii और iv

15. संत रज्जब जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

i. इनका जन्म सांगानेर (जयपुर) में हुआ और ये संत दादू दयाल जी के प्रमुख शिष्य थे।

ii. ये जीवन भर दूल्हे के वेश में रहे और इनके निवास स्थान को 'रज्जब द्वार' कहा जाता है।

iii. 'रज्जब वाणी' और 'सर्वंगी' इनके द्वारा रचित प्रमुख काव्य रचनाएँ हैं।

iv. इनका प्रसिद्ध कथन है- "यह संसार वेद है, सृष्टि कुरान है।"

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल i और iii (b) केवल ii और iv
(c) केवल i, ii और iii (d) i, ii, iii और iv

16. निम्बार्क सम्प्रदाय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

i. इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य निम्बार्क हैं, जिन्होंने 'वेदान्त पारिजात' भाष्य की रचना की।

ii. इस सम्प्रदाय का दर्शन 'द्वैताद्वैत' या 'भेदाभेद' कहलाता है।

iii. राजस्थान में इसकी प्रमुख पीठ सलेमाबाद (अजमेर) में है, जिसकी स्थापना परशुराम देवाचार्य ने की थी।

iv. इस सम्प्रदाय में राधा को श्रीकृष्ण की परिणीता मानकर उनके युगल स्वरूप की पूजा की जाती है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल i, ii और iii (b) केवल ii और iv
(c) केवल i और iii (d) i, ii, iii और iv

17. संत धन्ना जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों का अध्ययन कीजिए और बताइए कि इनमें से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. संत धन्ना जी स्वामी रामानंद के शिष्य थे और उन्हें राजस्थान में धार्मिक आंदोलन का श्रीगणेश करने का श्रेय दिया जाता है।

2. इनका जन्म टोंक जिले के धुवन गाँव में हुआ था, जहाँ वर्तमान में इनका पैनोरमा भी स्थित है।

3. संत धन्ना जी द्वारा रचित पदों को 'धन्ना जी की आरती' कहा जाता है।

कूट (Options):

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1

18. रामस्नेही सम्प्रदाय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए–

1. इस सम्प्रदाय की स्थापना संत रामचरण जी ने की थी, जिसका प्रमुख केंद्र शाहपुरा (भीलवाड़ा) है।

2. सिंहथल (बीकानेर) शाखा के संस्थापक संत हरिराम दास जी थे।

3. खेड़ापा (जोधपुर) शाखा के संस्थापक संत दरियावजी थे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

19. संत चरणदासजी और उनकी शिष्याओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. संत चरणदासजी का जन्म अलवर जिले के डेहरा गाँव में हुआ था और इन्होंने चरणदासी सम्प्रदाय की स्थापना की थी।

2. इनकी शिष्या दयाबाई ने 'दयाबोध' और 'विनय मालिका' जैसे ग्रंथों की रचना की थी।

3. सहजोबाई को 'मत्स्य की मीरा' कहा जाता है, जिन्होंने 'सहज प्रकाश' और 'सोलह तिथि' ग्रंथों की रचना की।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

20. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्म है-

	संत	**माता**
(a)	पीपा जी –	लक्ष्मीवती
(b)	रामदास जी -	अणमी
(c)	जाम्भो जी-	हंसा बाई
(d)	रामचरण जी-	रूपादे

21. संत जाम्भोजी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए असत्य कूट का चयन कीजिए–

कथन:

1. जाम्भोजी का जन्म 1451 ई. (भाद्रपद कृष्ण अष्टमी) को पीपासर (नागौर) के एक राजपूत परिवार में हुआ तथा इनके बचपन का नाम धनराज था।

2. इन्होंने 1485 ई. में समराथल (बीकानेर) में अपने अनुयायियों को 29 नियमों का उपदेश देकर 'विश्नोई संप्रदाय' की स्थापना की।

3. जाम्भोजी द्वारा रचित 'जम्भसागर' ग्रंथ को विश्नोई संप्रदाय के अनुयायी पाँचवाँ वेद एवं उन्नीसवाँ पुराण मानते हैं।

4. मुकाम (बीकानेर) इनका समाधि स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष आश्विन और फाल्गुन माह की अमावस्या को मेला भरता है।

5. जाम्भोजी द्वारा अभिमंत्रित जल 'साथरी' कहलाता है, जिसे पिलाकर उन्होंने अनुयायियों को दीक्षित किया था।

कूट (Options):

(a) केवल 3 और 5 असत्य हैं (b) केवल 1, 2 और 4 असत्य हैं
(c) केवल 5 असत्य है (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

22. संत लालदास जी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

कथन:

1. इनका जन्म 1540 ई. में अलवर जिले के धौलीदूब गाँव में एक मेव परिवार में हुआ था।

2. लालदास जी ने तिजारा के प्रसिद्ध सूफी संत गदन चिश्ती से दीक्षा ली थी।

3. लालदासी संप्रदाय की प्रधान पीठ शेरपुर (कोटपुतली-बहरोड़) में स्थित है।

4. इन्होंने निर्गुण भक्ति मार्ग को अपनाया और इनके उपदेश 'लालदास जी की चेतावनियाँ' नामक ग्रंथ में संकलित हैं।

5. इस संप्रदाय की मान्यता मेव जाति में अधिक है और यह हिंदू-मुस्लिम एकता का अनूठा उदाहरण पेश करता है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन असत्य है/हैं?

कूट (Options):

(a) केवल 1, 2 और 5 (b) केवल 3
(c) केवल 2 और 4 (d) कोई भी कथन असत्य नहीं है

23. 'राजस्थान की राधा' मीराबाई के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए असत्य कूट को चुनिए-

कथन:

1. मीराबाई का जन्म 1498 ई. (आखातीज) को कुड़की गाँव (ब्यावर) के रतन जी राठौड़ के यहाँ हुआ था।

2. इनका विवाह मेवाड़ के महाराणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र भोजराज के साथ हुआ।

3. मीराबाई ने सगुण भक्ति मार्ग को अपनाते हुए 'पदावली' और 'सत्यभामाजी नू रुसणो' जैसे ग्रंथों की रचना की।

4. मीराबाई के निर्देशन में रतना खाती ने 'नरसी जी रो मायरो' ग्रंथ की रचना मूलतः राजस्थानी भाषा में की थी।

5. मीराबाई के बचपन का नाम पेमल था और इन्होंने संत रैदास एवं रूप गोस्वामी को अपना आध्यात्मिक गुरु माना।

कूट (Options):

(a) केवल 1 और 5

(b) केवल 4

(c) केवल 2, 3 और 5

(d) इनमें से कोई नहीं

24. ज्ञान समुद्र, बावनी, रामजी अष्टक नामक कृतियों का संबंध किस संत से है?

(a) संत धन्ना (b) संत रंज्जबजी

(c) सुन्दरदास (d) संत पीपा

25. संत मावजी के संबंध में निम्नलिखित कथनों को पढ़कर असत्य कूट का चयन कीजिए–

कथन:

1. संत मावजी का जन्म और इनके संप्रदाय की प्रधान पीठ साबला गाँव (डूँगरपुर) में स्थित है।

2. इन्होंने 'निष्कलंक संप्रदाय' की स्थापना की और भगवान कृष्ण की भक्ति का प्रचार किया।

3. मावजी को भगवान विष्णु का 'कल्कि अवतार' माना जाता है।

4. इन्होंने केवल भक्ति मार्ग पर बल दिया और कर्म व योग जैसी साधनाओं को गौण माना।

कूट (Options):

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3

(c) केवल 4 (d) सभी कथन सत्य हैं।

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]

व्याख्या:-

- दादू दयाल एक भक्ति संत थे, जो सूफी संत नहीं थे। जिन्हें राजस्थान और गुजरात में अपनी शिक्षाओं के लिए जाना जाता है।
- वे भक्ति आंदोलन से संबंधित थे, जो हिंदू और मुस्लिम संतों के बीच एक मजबूत संबंध था।
- अमीर खुसरो, बाबा फरीद और ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती तीनों सूफी संत थे।
- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह अजमेर में **तारागढ़ पहाड़ी** के पास बनी है।
- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती पृथ्वीराज तृतीय के शासनकाल में मोहम्मद गौरी के साथ भारत आए थे।
- मोहम्मद गौरी ने इन्हें **सुल्तान-ए-हिंद** की उपाधि प्रदान की थी।

2. [c]

व्याख्या:-

संत दादू दयाल जी

- ***जन्म*** - 1544 ई. में फाल्गुन शुक्ल अष्टमी को अहमदाबाद (गुजरात) में हुआ।
- **दादू पंथ की स्थापना** - दादू दयाल जी ने 1574 ई. में सांभर में दादू पंथ/निपरत सम्प्रदाय/ब्रह्म सम्प्रदाय की स्थापना की थी।
- गुरु – बुड्ढनजी/वृंदावनजी, ये कबीरदासजी के शिष्य थे।
- प्रधान पीठ – नरैना/ नरायणा (जयपुर)
- अलख दरीबा - दादू पंथ में सत्संग स्थल को 'अलख दरीबा' कहते हैं।
- **दादू पंथ के पंचतीर्थ स्थल -**

1. कल्याणपुर 2. सांभर

3. आमेर 4. नरैना

5. भैराणा।

3. [c]

व्याख्या:-

रामस्नेही संप्रदाय -

- **संत रामचरण जी** ने शाहपुरा में 1751 ई. में रामस्नेही सम्प्रदाय की मुख्य गद्दी स्थापित की।
- **मेला –** चैत्र कृष्ण एकम् से चैत्र कृष्ण पंचमी तक

परनामी संप्रदाय -

- प्राणनाथ द्वारा स्थापित इस संप्रदाय के अनुयायी निर्गुण विचारधारा का पालन करते हैं।
- प्रधान पीठ - पन्ना, मध्य प्रदेश।
- राजस्थान में इसका प्रभाव आदर्शनगर (जयपुर) में है।

निरंजनी/निराला सम्प्रदाय

- हरिदासजी ने निरंजनी/निराला सम्प्रदाय की स्थापना की थी। इस संप्रदाय में परमात्मा को 'अलख निरंजन' या 'हरि निरंजन' कहा जाता है।
- प्रधान पीठ - गाढा (डीडवाना)।

गुदड़ सम्प्रदाय-

- इस प्रवर्तक- संतदास जी (निर्गुण भक्ति) है।
- इस की प्रमुख पीठ- दांतड़ा (शाहपुरा-भीलवाडा) में स्थित है।

4. [d]

व्याख्या:-

आचार्य श्री तुलसी

- जन्म **-** 20 अक्टूबर, 1914 को लाडनू (डीडवाना कूचामन) में।
- 'अणुव्रत' का सिद्धान्त दिया।
- 'जैन श्वेताम्बर सम्प्रदाय' के 9वें आचार्य।
- वर्ष 1949 में चूरू जिले के सरदारशहर से 'अणुव्रत आन्दोलन' प्रारम्भ किया।
- वर्ष 1980 में लाडनूं में 'समण श्रेणी' को प्रारम्भ किया।
- फरवरी, 1994 में सुजानगढ़ में 'मर्यादा महोत्सव' का आयोजन करवाया।
- आचार्य तुलसी जी प्रेरणा से जैन विश्व भारती लाडनू (डीडवाना-कूचामन) की स्थापना हुई जिसे डिम्ड विश्व विद्यालय का दर्जा प्राप्त है।

5. [c]

व्याख्या:-

जसनाथ जी (निर्गुण भक्ति)

- इनका जन्म 1482 ई. (विक्रम संवत् 1539) में कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी एकादशी) को कतरियासर गाँव (बीकानेर) के जाट परिवार में हुआ।

- ◈ माता-पिता – रूपादे-हमीरजी जाणी।
- ◈ बचपन का नाम – जसवंतसिंह।
- ◈ गुरु – गोरखनाथ।
- ◈ प्रधानपीठ - कतरियासर (बीकानेर)।
- ◈ जसनाथजी ने बीकानेर के गोरखमालिया नामक स्थान पर 12 वर्ष तपस्या की थी।
- ◈ 1504 ई. में **जसनाथजी ने जसनाथी सम्प्रदाय की कतरियासर** (बीकानेर) में स्थापना की।
- ◈ इस सम्प्रदाय में कुल **36 नियम** होते हैं।
- ◈ इस सम्प्रदाय के लोग गले में काले रंग का धागा बांधते हैं।
- ◈ जाल वृक्ष तथा मोर के पंख को पवित्र मानते हैं।
- ◈ 1506 ई. में जसनाथजी ने आश्विन शुक्ल सप्तमी को कतरियासर (बीकानेर) में समाधि ली। इस दिन प्रतिवर्ष यहाँ पर मेला भरता है।
- ◈ परमहंस - जसनाथी सम्प्रदाय के अनुयायी, जो पूरी तरह से इस संसार से विरक्त हो गए, वे **परमहंस** कहलाए।
- ◈ दिल्ली के बादशाह सिकन्दर लोदी ने जसनाथ जी के चमत्कारों से प्रभावित होकर कतरियासर (बीकानेर) में 500 बीघा जमीन भेंट की थी।

6. [c]

व्याख्या:-

गौड़ीय सम्प्रदाय -

- ◈ प्रवर्तक - स्वामी मध्वाचार्य (12वीं सदी में)
- ◈ रचित भाष्य - पूर्ण प्रज्ञ भाष्य।
- ◈ प्रवर्तित दर्शन – द्वैतवाद।
- ◈ इस सम्प्रदाय को नया रूप देकर प्रवर्तित करने व जन-जन तक फैलाने का कार्य बंगाल के **'गौरांग महाप्रभु चैतन्य'** ने किया।
- ◈ प्रमुख पीठ - गोविन्द देवजी का मंदिर (जयपुर)।
- ◈ गौड़ीय सम्प्रदाय में **'राधा-कृष्ण'** के युगल स्वरूप की पूजा की जाती है।
- ◈ गौड़ीय सम्प्रदाय का अन्य प्रसिद्ध मंदिर करौली में **'मदनमोहन जी का मंदिर'** है।
- ◈ **'सहज पंथ'** गौड़ीय सम्प्रदाय की एक शाखा है जिसमें भजन व साधना के लिए एक सुन्दर व परकीया स्त्री की आवश्यकता होती है।
- ◈ आमेर के राजा मानसिंह इस सम्प्रदाय के अनुयायी थे।

7. [a]

व्याख्या:-

- ◈ संत पीपा के निवेदन पर रामानन्द अपने शिष्यों के साथ गागरोन, राजस्थान आए थे ।
- ◈ राजस्थान में रामानन्दी सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ गलताजी (जयपुर) में है।
- ◈ सवाई जयसिंह ने रामानन्दी सम्प्रदाय को प्रश्रय दिया तथा राजकवि श्रीकृष्ण भट्ट कलानिधि से 'राम रासौ' ग्रन्थ की रचना करवाई, इसमें भगवान राम और सीता की प्रेम कहानी है।
- ◈ आमेर के राजा पृथ्वीराज तथा उनकी रानी बाला बाई कृष्णदास पयहारी के अनुयायी थे।
- ◈ रामानन्द ने दक्षिण भारत से उत्तर भारत में भक्ति परम्परा की शुरुआत की।
- ◈ रामानन्द द्वारा उत्तरी भारत में प्रवर्तित मत 'रामावत' या 'रामानन्दी सम्प्रदाय' कहलाया।
- ◈ इस सम्प्रदाय में 'ज्ञानमार्गी राम भक्ति की प्रधानता' थी।
- ◈ रामानंद की भक्ति 'दास्य भाव' की थी।
- ◈ इस सम्प्रदाय में श्रीराम-सीता की शृंगारिक जोड़ी की पूजा की जाती है।

8. [d]

व्याख्या:-

रसिक सम्प्रदाय: -

- ◈ रसिक सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ - रैवासा (सीकर) में स्थित है।
- ◈ इस पीठ के संस्थापक स्वामी अग्रदास जी थे जो कृष्णदास पयहारी के शिष्य थे।
- ◈ इसमें राम की माधुर्य भाव की भक्ति होती है तथा सीता और राम की श्रृंगारिक जोड़ी की पूजा की जाती है।
- ◈ अग्रदासजी के शिष्य नाभादास जी थे, जिन्होंने 'भक्तमाल' धार्मिक ग्रन्थ की रचना की थी।
- ◈ भक्तिकाल के कवियों में स्वामी अग्रदास के शिष्य नाभादांस का विशिष्ट स्थान है।

9. [c]

व्याख्या:-

पाशुपत सम्प्रदाय

- ◈ संप्रदाय के प्रवर्तक ◈ लकुलीश थे।
- ◈ मेवाड़ के **हारित ऋषि लकुलीश सम्प्रदाय** के थे।
- ◈ बप्पा रावल द्वारा निर्मित मेवाड़ के आराध्य देव एकलिंगजी का शिव मंदिर पाशुपत सम्प्रदाय का प्रमुख मंदिर है।
- ◈ सुण्डा माता मंदिर में भी भगवान शिव की मूर्ति लकुलीश सम्प्रदाय की है।

10. [b]

व्याख्या:-

स्वामी लाल गिरी

- ◈ इनका जन्म चूरू में हुआ।
- ◈ मुख्य केन्द्र- बीकानेर
- ◈ इन्होंने अलखिया सम्प्रदाय चलाया था।
- ◈ पुस्तक - अलख स्तुति प्रकाश।

11. [c]

व्याख्या:-

संत रानाबाई

- ◈ **जन्म** ◈ 1504 ई.में।
- ◈ **जन्म स्थान** – हरनावां (नागौर)
- ◈ **पिता** – रामगोपाल
- ◈ **माता** – गंगाबाई
- ◈ **गुरु** – संत चतुरदास (खोजी जी)
- ◈ **उपनाम** – राजस्थान की दूसरी मीरा
- ◈ संत रानाबाई ने कृष्ण भक्ति के मार्ग पर चलते हुए चतुरदास से शिक्षा प्राप्त की।
- ◈ 1570 ई. में, फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी के दिन, राना बाई ने हरनावा में जीवित समाधि ली।

12. [b]

व्याख्या:-

गवरीबाई

- ◈ **जन्म** – डूँगरपुर के नागर कुल में।
- ◈ **उपनाम** – वागड़ की मीरा।
- ◈ **रचना** – कीर्तनमाला।
- ◈ इन्होंने कृष्ण को पति रूप में स्वीकार कर कृष्ण भक्ति की।
- ◈ डूँगरपुर के महारावल शिवसिंह ने गवरी बाई के प्रति श्रद्धा स्वरूप बालमुकुन्द मंदिर का निर्माण करवाया।

13. [b]

व्याख्या:-

हरिदास निरंजनी

- ◈ जन्म - कापड़ोद (डीडवाना) में हुआ।
- ◈ मूल नाम - हरिसिंह साँखला
- ◈ उपनाम - कलयुग के वाल्मीकि
- ◈ संन्यासी बनने से पहले डाकू थे।
- ◈ प्रधान पीठ - गाढा (डीडवाना)।
- ◈ मेला - फाल्गुन शुक्ल एकम् से फाल्गुन शुक्ल द्वादशी तक।
- ◈ प्रमुख ग्रंथ - मंत्र राजप्रकाश, हरिपुरुष की वाणी।
- ◈ हरिदासजी ने **निरंजनी/निराला सम्प्रदाय की स्थापना** की थी।

- इस संप्रदाय में परमात्मा को **'अलख निरंजन' या 'हरि निरंजन'** कहा जाता है।
- **शाखाएँ**

i. निहंग
- ये भिक्षा से उदरपूर्ति करते हैं, खाकी रंग की गुदड़ी गले में डाले रखते हैं।

ii. घरबारी
- ये गृहस्थ जीवन जीने वाले अनुयायी हैं।
- निरंजनी सम्प्रदाय नाथमल एवं संतमल के मध्य की कड़ी माना जाता है।

14. [d]

व्याख्या:-

संत भूरी बाई अलख
- मेवाड़ की प्रसिद्ध कृष्ण की उपासक थी।
- **क्षेत्र –** मेवाड़
- इन्होंने **निर्गुण और सगुण भक्ति** का समन्वय किया।
- भूरी बाई उदयपुर की अलारख बाई और उस्ताद हैदराबादी के भजनों से प्रभावित थीं।

संत कर्मठी बाई
- **क्षेत्र –** बागड़ क्षेत्र।
- इन्होंने वृंदावन में साधना की तथा ये कृष्ण उपासिका थी।

संत फूली बाई
- **क्षेत्र –** जोधपुर।
- जोधपुर महाराजा जसवंत सिंह ने फूलीबाई को धर्म बहन बनाया था।

15. [d]

व्याख्या:-

संत रज्जब जी –
- इनका जन्म सांगानेर (जयपुर) में हुआ।
- रज्जब जी परिणय सूत्र में बँधने जा रहे थे, परन्तु रास्ते में दादू दयाल जी के उपदेश सुनकर सांसारिक मोह-माया का त्याग करके दादू दयाल जी के शिष्य बन गए।
- रज्जब जी जिन्दगी भर दूल्हे के वेश में रहे थे।
- रज्जब जी के निवास स्थान को 'रज्जब द्वार' कहा गया।
- इनके शिष्यों को 'रज्जबपंथी या 'रज्जबात' कहा गया है।
- प्रमुख रचनाएँ- (i) रज्जब वाणी, (ii) सर्वंगी।
- **प्रसिद्ध कथन –** यह संसार वेद है सृष्टि कुरान है।

16. [d]

व्याख्या:-

निम्बार्क सम्प्रदाय
- प्रवर्तक - आचार्य निम्बार्क (12वीं सदी में)
- रचित भाष्य - वेदान्त पारिजात
- प्रवर्तित दर्शन - द्वैताद्वैत या भेदाभेद
- प्रमुख पीठ - **सलेमाबाद (अजमेर)**
- इस पीठ की स्थापना आचार्य परशुराम जी देवाचार्य द्वारा की गई।
- सर्वप्रथम यह संप्रदाय **वृंदावन में प्रसारित** हुआ।
- इस सम्प्रदाय में **राधा को श्रीकृष्ण की परिणीता** माना जाता है तथा **युगल स्वरूप की मधुर सेवा** की जाती है।
- मारवाड़ में निम्बार्क सम्प्रदाय को **'नीमावत'** के नाम से जाना जाता है।

17. [c]

व्याख्या:-
- धन्ना जी **रामानन्द के शिष्य** थे।
- संत धन्ना जी पिता रामेश्वर जी।
- संत धन्ना को राजस्थान में **भक्ति आन्दोलन का प्रवर्तक** माना जाता है।
- राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति, कक्षा 10 पुस्तक के अनुसार राजस्थान में धार्मिक आन्दोलन का श्रीगणेश करने का श्रेय धन्ना को है।
- धन्ना जी द्वारा रचित पद- **धन्ना जी की आरती**
- धन्ना जी का पैनोरमा - **धुवन गाँव (टोंक)** में स्थित है।

18. [c]

व्याख्या:-
- **रामस्नेही संप्रदाय** की स्थापना **संत रामचरण** ने की थी।
- इस संप्रदाय का प्रमुख केंद्र **शाहपुरा (भीलवाड़ा)** था।

राजस्थान में रामस्नेही सम्प्रदाय की प्रमुख पीठें -

(i) रैण शाखा
- मेड़ता सिटी (नागौर)
- संस्थापक - संत दरियावजी

(ii) खेड़ापा शाखा
- जोधपुर
- संस्थापक - संत रामदासजी

(iii) सिंहथल शाखा
- बीकानेर
- संस्थापक - हरिराम दास जी
- रामस्नेही सम्प्रदाय अपना **फूलडोल महोत्सव राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा** में मनाते हैं।
- यह महोत्सव **संप्रदाय की प्रधान पीठ पर आयोजित** किया जाता है।

19. [d]

व्याख्या:-

चरणदासजी
- जन्म - विक्रम संवत् 1760 में (1703 ई.) भाद्रपद शुक्ल तृतीया को डेहरा गाँव (अलवर) में हुआ।
- **प्रमुख शिष्याएँ -**

  (i) दयाबाई-
- जन्म - डेहरा गाँव (अलवर) में हुआ।
- प्रमुख ग्रंथ - दयाबोध, विनय मालिका है।

  (ii) सहजोबाई-
- जन्म - डेहरा गाँव (अलवर) में हुआ।
- सहजोबाई ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की थी, इन्हें '**मत्स्य मीरा**' कहा जाता है।
- प्रमुख ग्रंथ **-** सहज प्रकाश**,** सबद वाणी व सोलह तिथि है।

20. [d]

व्याख्या:-
- रामस्नेही संप्रदाय (शाहपुरा शाखा) के प्रवर्तक संत रामचरण जी का जन्म सोढ़ा गाँव (टोंक) में हुआ था। उनके पिता का नाम बखतराम विजयवर्गीय और माता का नाम देवहूति देवी था।

21. [a]

व्याख्या:-

संत जाम्भोजी
- जन्म -1451 ईस्वी (विक्रम संवत् 1508) में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी (जन्माष्टमी) को **पीपासर गाँव (नागौर)** के राजपूत परिवार में हुआ था।
- माता-पिता – हंसा बाई-लोहटजी पंवार
- बचपन का नाम - धनराज
- गुरु - गोरखनाथ
- **समराथल -** 1485 ईस्वी को कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन **समराथल (बीकानेर) में विश्नोई सम्प्रदाय की स्थापना** की थी।
- यहाँ ऊँचा टीला विश्नोई संप्रदाय में **धोक धोरे के नाम से प्रसिद्ध** है।

- जाम्भोजी ने अपने अनुयायियों को उनतीस सिद्धान्तों **(बीस+नौ)** का पालन करने का आदेश दिया।
- इन्हीं सिद्धांतों का पालन करने वाले **विश्नोई** कहलाए।
- मुकाम - **1536 ई. में जम्भोजी ने समाधि** ली।
- मुकाम (नोखा तहसील, बीकानेर) में प्रतिवर्ष आश्विन अमावस्या एवं फाल्गुन अमावस्या को मेला आयोजित होता है।
- **जाम्भोजी द्वारा रचित ग्रंथ -**
  (i) जम्भसागर (29 नियम)
  (ii) जम्भवाणी (120 शब्द संगृहीत है)
  (iii) जम्भसंहिता/जम्भगीता – जाम्भोजी के अनुयायी 151 शब्दों के इस संकलन को पाँचवाँ वेद एवं उन्नीसवाँ पुराण मानते हैं।
  (iv) विश्नोई धर्मप्रकाश
  (v) जम्भसागर शब्दावली
- **विश्नोई सम्प्रदाय के अन्य आराध्य स्थल -**
  (i) पीपासर (नागौर) – पीपा का जन्मस्थल
  (ii) लालासर (बीकानेर) - जाम्भोजी का निर्वाण (निधन-1536 ई.) स्थल।
  (iii) रामड़ावास (जोधपुर)
  (iv) जांगलू (बीकानेर)
  (v) जाम्भा (फलोदी)
- **पाहल** - जाम्भोजी द्वारा तैयार अभिमंत्रित जल।
- इसे पिलाकर जाम्भोजी ने आज्ञानुवर्ती समुदाय को विश्नोई पंथ में दीक्षित किया था।
- **साथरी -** विश्नोई सम्प्रदाय का उपदेश स्थल 'साथरी' कहलाता है।
- **जाम्भोजी का मूलमंत्र** - 'हृदय से विष्णु का नाम जपो और हाथ से कार्य करो।'

22. [b]

व्याख्या:-

संत लालदास जी

- इनका जन्म 1540 ई. में श्रावण कृष्ण पंचमी को **धौलीदूब गाँव** (अलवर) में हुआ।
- लालदास जी मेव जाति के लकड़हारे थे।
- गुरु - फ़कीर गदन चिश्ती
- प्रधानपीठ - नगला (भरतपुर) में स्थित है।
- समाधि स्थल - शेरपुर (कोटपुतली-बहरोड) में स्थित है।
- प्रमुख ग्रंथ - लालदासजी की चेतावनियाँ।
- संत लालदास जी ने **लालदासी सम्प्रदाय की स्थापना** की थी।
- इन्होंने भगवान राम की निर्गुण उपासना करते हुए हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल दिया था।
- अलवर व भरतपुर की मेव जाति में लालदास जी की अत्यधिक मान्यता है।

23. [b]

व्याख्या:-

मीराबाई

- **जन्म** - 1498 ई. (वैशाख शुक्ल तृतीया, आखातीज) को हुआ था।
- **जन्म स्थान –** कुड़की गाँव (ब्यावर)।
- **पिता –** रतन जी राठौड़ (बाजोली के जागीरदार)
- **माता –** कसूब कंवर
- **दादा –** राव दूदा
- **बचपन का नाम –** पेमल
- **विवाह –** 1516 ई. में भोजराज (राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र) से हुआ था।
- **आध्यात्मिक गुरु –** संत रैदास और रूप गोस्वामी
- **गुरु (शिक्षक) –** पंडित गजाधर
- **उपनाम –** राजस्थान की राधा
- **रचनाएँ –** पदावली, नरसी मेहता की हुंडी, रुक्मिणी मंगल, सत्यभामाजी नू रुसणो, गीत गोविंद।
- मीरा के निर्देशन में रतना खाती ने **"नरसी जी रो मायरो"** की रचना ब्रज भाषा में की।
- मीराबाई ने सगुण भक्ति के सरल मार्ग के रूप में भजन, नृत्य और कृष्ण स्मरण को बताया।

24. [c]

व्याख्या:-

- **सुन्दरदास जी** द्वारा 42 ग्रंथों की रचना की गई थी, जिनमें प्रमुख हैं-
  (i) सुन्दर विलास (ii) ज्ञान समुद्र
  (iii) सुन्दर सार (iv) ज्ञान सवैया
  (v) सुन्दर ग्रंथावली (vi) सुख समाधि
  (vii) हरिबोल चितावनी

25. [c]

व्याख्या:-

संत मावजी

- जन्म स्थान - साबला गाँव (डूँगरपुर)।
- प्रधानपीठ - साबला गाँव (डूँगरपुर)।
- संत मावजी भगवान कृष्ण की भक्ति करते थे।
- संत मावजी ने **निष्कलंक सम्प्रदाय** की स्थापना की थी।
- मावजी को 'भगवान विष्णु का कल्कि अवतार' माना जाता है।
- इन्होंने कर्म, भक्ति और योग पर बल दिया था।

♦♦♦♦

राजस्थान की राजव्यवस्था

1. **राजस्थान के राज्यपाल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**
(1) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
(2) उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
(3) उसमें लोक सभा का सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए।
(4) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
कूट:
(a) 3 तथा 4 सही हैं। (b) 1, 2 तथा 4 सही हैं।
(c) 1, 2 तथा 3 सही हैं। (d) 2 तथा 3 सही हैं।

2. **किसी राज्य के राज्यपाल (गवर्नर) के संबंध में सही कथन का चयन करें**
1. उनको भारत के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।
2. वे राष्ट्रपति की इच्छा अनुसार पद पर रहते हैं।
3. उनमें राज्य की कार्यकारी शक्तियाँ निहित है।
4. सामान्यत: वे पाँच वर्ष के लिए पद पर रहते हैं।
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 2, 4
(c) 2, 3, 4 (d) 1, 2

3. **सही सुमेलित नहीं है?**

राज्यपाल का नाम	**मुख्यमंत्री का नाम**
(a) अंशुमन सिंह	वसुन्धरा राजे
(b) डॉ.सम्पूर्णानंद	मोहन लाल सुखाड़िया
(c) ओ.पी. मेहरा	शिवचरण माथुर
(d) निर्मलचन्द जैन	अशोक गहलोत

4. **राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-**
1. एस. के. सिंह **2. श्रीमती प्रभा राव**
3. निर्मल चंद जैन **4. दरबारा सिंह**
(a) केवल 2 (b) 2, 4
(c) 1, 2, 3, 4 (d) केवल 1

5. **निम्नांकित में से कौन पद ग्रहण करने से पूर्व राजस्थान के राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ लेता है/लेते हैं?**
(A) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष
(B) राजस्थान का लोकायुक्त
(C) राज्य निर्वाचन आयुक्त
(D) राजस्थान का महाधिवक्ता
सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल (A)
(b) केवल (A) और (B)
(c) केवल (A), (B) और (C)
(d) (A), (B), (C) और (D)

6. **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन-से संवैधानिक पदाधिकारी राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन उन्हें राज्यपाल द्वारा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है?**
1. महाधिवक्ता
2. राज्य निर्वाचन आयुक्त
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य
(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(b) 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

7. **राजस्थान में अंतिम राष्ट्रपति शासन की अवधि क्या थी?**
(a) 15 दिसम्बर, 1992 से 03 दिसम्बर, 1993
(b) 1 दिसम्बर, 1998 से 04 जनवरी, 1999
(c) 30 अप्रैल, 1977 से 21 जून, 1977
(d) 13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967

8. **राजस्थान में अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्ति के बारे में निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**
1. राज्यपाल को अनुसूचियाँ के प्रशासन के संबंध में राष्ट्रपति को वार्षिक रूप से या जब भी राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।
2. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के संबंध में कोई नियम नहीं बनाते है।
3. राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति के तरीकों के लिए नियम बनाता है।
4. राज्य का राज्यपाल विनियमन बना सकता है जो ऐसे क्षेत्रों में एस.टी. के सदस्यों द्वारा या उनके बीच भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित और प्रतिबंधित कर सकता है।
(a) केवल 1 सही है। (b) 1, 2 और 4 सही है।
(c) 1, 3 और 4 सही हैं। (d) 2 और 4 सही हैं।

9. **भारतीय राज्य के राज्यपाल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?**
(a) उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(b) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
(c) वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।
(d) यदि संबंधित राज्य की विधानमंडल उसे हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करती है तो उसे पहले भी हटाया जा सकता है।

10. **निम्नांकित कथनों में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल की शक्तियों के बारे में सही है?**
(a) यह विधानसभा भंग नहीं कर सकता।
(b) यह अध्यादेश जारी नहीं कर सकता।
(c) यह विधानसभा में सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता।
(d) यह राज्य लोक सेवा आयोग को बर्खास्त नहीं कर सकता।

11. **कौन-कौन-से कार्य राज्यपाल द्वारा किए जाते है?**
1. विधानसभा का सत्रावसान करना
2. विधानसभा भंग करना
3. विधानसभा की बैठक स्थगित करना
4. विधानसभा का अधिवेशन आहूत करना
सही उत्तर का चयन कीजिए
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 4

12. **नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से सम्बोधित किया जाता है–**
(a) "Honourable" अंग्रेजी में तथा "माननीय राज्यपाल" अथवा राज्यपाल महोदय" हिन्दी में
(b) "The most honourable" अंग्रेजी में तथा “अति सम्माननीय" हिन्दी में
(c) "His/Her Excellency" अंग्रेजी में तथा “महामहिम" हिन्दी में
(d) "His/Her Royal Highness" अंग्रेजी तथा “महाराजाधिराज/महारानीधिराज" हिन्दी में

13. निम्न में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में असत्य है?

(a) राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियों के लिए निर्णयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

(b) राज्यपाल को मृत्युदण्ड के दण्डादेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति प्राप्त नहीं है।

(c) राज्यपाल को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिये राज्यपाल सचिवालय कार्यरत है।

(d) राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है।

14. सुमेलित नहीं है?

(a) कुछ मामलों में दण्डादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 161

(b) राज्यपाल राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति करें - अनुच्छेद 165

(c) राज्यपाल राज्य-विधानमण्डल के सदन को आहूत करेंगे - अनुच्छेद - 174

(d) विधानमण्डल विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति- अनुच्छेद 123

15. कौन-सा विकल्प सही हैं?

1. राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200)

2. राष्ट्रपति, राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को सदन को लौटा दे। (अनुच्छेद-201)

(a) कथन 1 सही है। (b) कथन 2 सही है।

(c) 1 एवं 2 दोनों सही हैं। (d) 1 एवं 2 दोनों गलत हैं।

16. राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

A. वह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।

B. वह राज्य के किसी भी लाभ के पद को धारण कर सकते हैं।

C. वह इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान राज्य शाखा के अध्यक्ष हैं ।

D. उन्हें संविधान के अन्तर्गत कोई स्व-विवेकीय शक्ति प्राप्त नहीं है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(a) A, B, C और D (b) B, C और D

(c) केवल C (d) B और C दोनों

17. किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुन: स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब-

(a) जहाँ राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।

(b) यदि राज्यपाल या राष्ट्रपति अनुमति दे तो न्यायालय संवैधानिक उपबन्धों के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित कर देगा।

(c) राज्यपाल ऐसे विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के लिए भेज देगा।

(d) राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अतिक्रमण के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर सकता है।

18. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: राज्यपाल केवल उन्हीं व्यक्तियों को मंत्री नियुक्त करता है जिनकी सिफारिश मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है।

कथन II: मुख्यमंत्री मंत्रियों के बीच विभागों का आवंटन और फेरबदल करते हैं।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं

(b) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं

(c) कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है

(d) कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

19. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं?

(a) सरदार जोगेन्द्र सिंह

(b) सरदार हुकुम सिंह

(c) फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ

(d) एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा

20. राजभव, राजस्थान में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल किस राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान प्रारंभ किया गया?

(a) अंशुमन सिंह (b) प्रतिभा देवी सिंह पाटिल

(c) कलराज मिश्र (d) कल्याण सिंह

21. निम्न कथनों पर विचार कीजिए –

1. गवर्नर रिलीफ फण्ड का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।

2. यह कोष केवल प्राकृतिक आपदाओं के लिए सीमित है।

3. इस कोष से व्यय राज्यपाल की अनुमति से किया जाता है।

4. इस कोष का उपयोग महामारी के समय भी किया जा सकता है।

कूट:

(a) 1, 3 और 4 सही (b) केवल 1 और 2 सही

(c) 1 और 4 सही (d) 1, 2, 3 और 4 सही

22. निम्न कथनों पर विचार कीजिए –

1. हरिभाऊ किसनराव बागडे का जन्म एक कृषक परिवार में हुआ।

2. वे प्रारंभ से ही सहकारिता आंदोलन से जुड़े रहे।

3. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की।

4. वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से जुड़े रहे।

कूट:-

(a) 1, 2 और 4 सही

(b) 1 और 3 सही

(c) 2 और 3 सही

(d) 1, 2, 3 और 4 सही

23. निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?

1. राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।

2. राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा निर्वाचित करता है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 व 2 दोनों (d) न तो 1 वन ही 2

24. राज्यपाल को, राज्य विधानमण्डल द्वारा महाभियोग प्रक्रिया से हटाया जाना चाहिए, यह सुझाव किसने दिया?

(a) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग

(b) राजमन्नार समिति

(c) सरकारिया आयोग

(d) पुंछी आयोग

25. राज्यपाल की उपलब्धियों, भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख किस अनुच्छेद में है ?

(a) अनुच्छेद - 158 (1)

(b) अनुच्छेद - 158 (2)

(c) अनुच्छेद - 158 (3)

(d) अनुच्छेद - 158 (4)

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]

व्याख्या:-

राज्यपाल हेतु अर्हताएं/योग्यताएँ-

- संविधान के अनुच्छेद 157 में राज्यपाल हेतु अर्हताएं निर्धारित दी गई है-
  1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
  2. वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।
- राज्यपाल की नियुक्ति से संबंधित दो परम्पराएं भी जुड़ गई यद्यपि दोनों परम्पराओं का कुछ मामलों में उल्लंघन हुआ है-
  1. वह उस राज्य से संबंधित न हो जिस राज्य में नियुक्त किया जा रहा है।
  2. राष्ट्रपति, राज्यपाल की नियुक्ति के मामले में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श करे।

2. [c]

व्याख्या:-

राज्यपाल की पदावधि/कार्यकाल

- **संविधान के अनुच्छेद 156** में राज्यपाल की **पदावधि/कार्यकाल का उल्लेख** किया गया है।
- राज्यपाल का **कार्यकाल पद ग्रहण से पाँच वर्ष** के लिए होता है लेकिन वास्तव में वह **राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण** करता है।
- राष्ट्रपति एक राज्यपाल को उसके बचे हुए कार्यकाल के लिए किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकते हैं।
- राष्ट्रपति, एक राज्यपाल को जिसका कार्यकाल पूरा हो चुका है, को उसी राज्य या अन्य राज्य में दुबारा नियुक्त कर सकता है।
- एक राज्यपाल पाँच वर्ष के बाद भी पद पर बना रहता है जब तक की उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण न कर ले, ताकि रिक्तता की स्थिति न पैदा हो।
- राज्यपाल अपना त्याग-पत्र राष्ट्रपति को सम्बोधित करके देता है।
- अनुच्छेद 160 के तहत राष्ट्रपति को जब लगे की कोई अकस्मात् घटना हो रही है तब वह राज्यपाल के कार्यों के निर्वहन के लिए उपबंध बना सकता है।
- वर्तमान राज्यपाल के अकस्मात् निधन पर संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अस्थायी तौर पर राज्यपाल का कार्यभार सौंपा जाता है।

3. [a]

व्याख्या:-

- अंशुमन सिंह ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में वर्ष 1999 से 2003 तक सेवा दी थी, जबकि वसुंधरा राजे ने पहली बार वर्ष 2003 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस कारण दोनों के कार्यकाल एक साथ नहीं आए, इसलिए यह सुमेलित तथ्यों के अनुरूप नहीं है।
- अंशुमन सिंह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रथम कार्यकाल में राज्यपाल थे।

4. [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-

दरबारा सिंह

- श्री दरबारा सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन)
- 01 मई, 1998 से 23 मई, 1998 तक

निर्मल चंद जैन

- श्री निर्मलचन्द जैन (कार्यकाल के दौरान निधन)
- 14 मई, 2003 से 22 सितंबर, 2003 तक

शैलेन्द्र कुमार सिंह

- श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन) (कार्यवाहक)
- 06 सितंबर, 2007 से 09 जुलाई, 2009 तक
- 23 जुलाई, 2009 से 01 दिसंबर, 2009 तक

श्रीमति प्रभा राव

- 3-12-2009 से 24-01-2010 तक (अतिरिक्त प्रभार),
- 25-01-2010 से 26-04-2010 तक (कार्यवाहक)
- पद पर रहते हुये मृत्यु (26-04-2010) हुई थीं।
- यह तत्कालीन हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल थीं इन्हें राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

5. [b]

व्याख्या:-

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष-

- मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अनुसार, आयोग का अध्यक्ष अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राज्यपाल के समक्ष शपथ लेता है।

राजस्थान के लोकायुक्त-

- राजस्थान लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के तहत, लोकायुक्त को भी राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ दिलाई जाती है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त-

- यद्यपि इनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, परंतु राज्यपाल के समक्ष शपथ लेने का कोई स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान नहीं है।

राजस्थान के महाधिवक्ता-

- राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, लेकिन पद ग्रहण से पूर्व शपथ लेने का कोई विधिक उल्लेख नहीं मिलता।

6. [b]

व्याख्या:-

महाधिवक्ता (Advocate General)-:

- नियुक्ति - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - राज्यपाल इस पदाधिकारी को किसी भी समय पद से हटा सकता है या यह स्वयं पदत्याग (राज्यपाल को त्यागपत्र) भी कर सकता है, इसलिए महाधिवक्ता को राज्यपाल द्वारा हटाया जा सकता है।
- राज्य निर्वाचन आयुक्त:-
- नियुक्ति - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - इसे सिर्फ राष्ट्रपति ही हटा सकता है और वह भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया अपनाकर।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य (RPSC Members):

- नियुक्ति-: राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना - इन्हें भी राष्ट्रपति ही विशेष प्रक्रिया के तहत पद से हटा सकता है (जैसे गलत आचरण, अक्षमता आदि)।

7. [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान में अब तक कुल चार बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है-

13 मार्च से 26 अप्रैल, 1967 (45 दिन)
- यह पहला राष्ट्रपति शासन था।
- अब तक का सबसे छोटा राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले सरकार गिरने के कारण लगाया गया।
- मुख्यमंत्री – मोहनलाल सुखाड़िया

30 अप्रैल से 21 जून, 1977 (52 दिन)
- यह दूसरा राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले हरीदेव जोशी की सरकार थी।
- राजनीतिक अस्थिरता के कारण लागू किया गया।
- मुख्यमंत्री – हरिदेव जोशी

17 फरवरी से 5 जून, 1980
- यह तीसरा राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले भैंरोसिंह शेखावत की सरकार बर्खास्त की गई।

15 दिसंबर 1992 से 3 दिसंबर, 1993
- यह चौथा और अंतिम राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले भैरोसिंह शेखावत की सरकार थी।
- करीब एक वर्ष तक चला। (सबसे लंबा)

8. [c]

व्याख्या:-

राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्तियाँ-
- अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय सलाहकार परिषद्
- भारतीय संविधान की अनुसूची 5 के अंतर्गत अनुच्छेद 244(a) के अनुसार, जिन राज्यों में अनुसूचित क्षेत्र मौजूद हैं, वहाँ राष्ट्रपति द्वारा जनजातीय सलाहकार परिषद् (Tribal Advisory Council) का गठन किया जाता है।
- यह परिषद् राज्यपाल की सलाह से गठित होती है।
- इसमें कुल 20 सदस्य होते हैं।
- इन 20 में से तीन-चौथाई (¾) सदस्य वे होते हैं, जो जनजातीय क्षेत्रों से विधायक होते हैं।
- यह परिषद् राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित मामलों में सुझाव देने का कार्य करती है।
- राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजता है।
- अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित नियम राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की सहमति से बनाए, रद्द या संशोधित किए जा सकते हैं।
- राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों में ST समुदाय के हितों की रक्षा के लिए यह नियम बना सकता है कि
- ST सदस्यों या उनके बीच भूमि के लेन-देन या हस्तांतरण पर रोक लगाई जा सके।
- किस क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करना है, इसका निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिया जाता है।

9. [d]

व्याख्या:-
- राज्यपाल को हटाने के कारणों या प्रक्रिया का उल्लेख संविधान में नहीं है।
- उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।

10. [d]

व्याख्या:-
- राज्यपाल, राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- अध्यादेश राज्यपाल के द्वारा निर्मित विधि होती है। इसका उल्लेख भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 213** में किया गया है।
- राज्य **विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित** कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- राज्यपाल राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करता है, लेकिन हटाने का अधिकार केवल राष्ट्रपति को है।

11. [d]

व्याख्या:-
- **अनुच्छेद- 174** - राज्यपाल राज्य विधानमंडल का सत्रावसान, सत्राहूत तथा विधानसभा को भंग/ विघटित कर सकता है।
- विधानसभा का सत्रावसान (सत्र समाप्त) राज्यपाल करता है लेकिन विधानसभा की बैठक स्थगित विधानसभा का अध्यक्ष करता है।

राज्यपाल की विधायी शक्तियां-
- राज्यपाल, राज्य विधानसभा का अभिन्न अंग होता है, इसे निम्नलिखित विधायी शक्तियां प्राप्त होती हैं-
- वह राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- वह विधानमंडल के प्रत्येक चुनाव के पश्चात् पहले एवं प्रतिवर्ष पहले सत्र को सम्बोधित कर सकता है।
- वह विधानमण्डल के सदनों को विचाराधीन विधेयकों या अन्य मसले पर सन्देश भेज सकता है।
- जब विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद खाली हो तो वह विधानसभा के किसी सदस्य को सदन की अध्यक्षता सौंप सकता है।
- राज्य विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- विधानसभा सदस्य की निरर्हता के पर निर्वाचन आयोग से विमर्श करने के बाद इसका निर्णय करता है।
- जब राज्य विधानमंडल का सत्र न चल रहा हो तो वह औपचारिक रूप से अध्यादेश की घोषणा कर सकता है एवं वह किसी भी समय अध्यादेश को समाप्त भी कर सकता है।
- वह राज्य के लेखों से संबंधित राज्य वित्त आयोग, राज्य लोकसेवा आयोग, नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को राज्य विधानसभा के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

नोट - राज्य विधानसभा को स्थगित करने की शक्ति विधानसभा अध्यक्ष के पास होती है।

12. [a]

व्याख्या:-
- नवीन प्रोटोकॉल के अनुसार अब राज्यपाल को "Honourable" कहकर संबोधित किया जाता है, जबकि हिंदी में उन्हें "माननीय राज्यपाल" अथवा "राज्यपाल महोदय" के रूप में अभिवादन किया जाता है।

13. [d]

व्याख्या:-

- राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) रैंक का अधिकारी होता है।
- मृत्युदण्ड पर क्षमादान की शक्ति केवल राष्ट्रपति के पास होती है (अनुच्छेद 72), राज्यपाल को यह शक्ति प्राप्त नहीं होती है।
- राज्यपाल की स्वविवेकाधीन शक्तियों (Discretionary Powers) को अक्सर न्यायिक समीक्षा से छूट प्राप्त होती है, विशेषतः यदि वे संविधान के अनुरूप हों।

14. [d]

व्याख्या:-

राज्यपाल से संबंधित प्रमुख अनुच्छेद -

अनुच्छेद	विवरण
153	राज्यों के राज्यपाल
154	राज्य की कार्यकारी शक्ति
155	राज्यपाल की नियुक्ति
156	राज्यपाल के पद की पदावधि
157	राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए योग्यताएँ
158	राज्यपाल कार्यालय की शर्तें
159	राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
160	कतिपय आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन
161	क्षमा आदि देने की राज्यपाल की शक्ति
162	राज्य की कार्यकारी शक्ति का विस्तार
163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्
164	मंत्रियों से संबंधित अन्य प्रावधान जैसे नियुक्तियाँ, कार्यकाल, वेतन और अन्य
165	राज्य के महाधिवक्ता
166	किसी राज्य की सरकार के कामकाज का संचालन
167	राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य
174	राज्य विधानमंडल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
175	राज्य विधानमण्डल के सदनों को सम्बोधित करने और संदेश भेजने के राज्यपाल के अधिकार।
176	राज्य विधानमण्डल के सदनों में राज्यपाल व विशेष अभिभाषण।
200	विधेयकों पर सहमति (अर्थात् राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति)
201	राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित विधेयक
213	अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति
217	उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल से परामर्श किया जाना।
233	राज्यपाल द्वारा जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
234	राज्यपाल द्वारा राज्य की न्यायिक सेवा में व्यक्तियों (जिला न्यायाधीशों के अलावा) की नियुक्ति।

15. [c]

व्याख्या:-

- राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200) यह कथन सही है।
- जब राज्यपाल द्वारा कोई विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष आरक्षित रखा जाता है, तो राष्ट्रपति यह कर सकता है-

  1. विधेयक को स्वीकृति दे सकता है।
  2. स्वीकृति देने से मना कर सकता है, या
  3. राज्यपाल को निर्देश दे सकता है की वह विधेयक को सदन को वापस लौटा दे। (अनुच्छेद-2001)

16. [c]

व्याख्या:-

- भारत में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का पद राष्ट्रपति को प्राप्त होता है।
- **राज्यपाल-**

  (i) राज्य सैनिक बोर्ड का अध्यक्ष

  (ii) पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का अध्यक्ष

  (iii) स्काउट & गाइड का संरक्षक

  (iv) भूतपूर्व सैनिको के हित-लाभो के लिए बनाई गई समेकित निधी कि प्रबन्धन समिति का अध्यक्ष

  (v) राजस्थान रेडक्रोस सोसाइटी ब्रांच का अध्यक्ष

  (vi) राजस्थान के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपती

17. [a]

व्याख्या:-

- किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुन:स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।

18. [a]

व्याख्या:-

- कथन I और कथन II दोनों सही हैं
- राज्यपाल मंत्रियों की नियुक्ति करता है, लेकिन यह नियुक्ति मुख्यमंत्री की सिफारिश पर की जाती है। मुख्यमंत्री अपनी पसंद के अनुसार मंत्रियों का चयन करता है और राज्यपाल को उनके नामों की अनुशंसा करता है।
- मुख्यमंत्री मंत्रियों को विभिन्न विभागों का प्रभार सौंपता है। वह किसी भी समय विभागों के कार्यभार में फेरबदल कर सकता है और मंत्रियों को उनके दायित्वों में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है।

19. [c]

व्याख्या:-

- फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं।
- सरदार जोगेन्द्र सिंह (त्यागपत्र) – 1972 से 1977
- सरदार हुकुम सिंह – 1970 से 1972
- एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा – 1982 से 1985

20. [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान राजभवन में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल की शुरुआत राज्यपाल कलराज मिश्र के कार्यकाल में की गई थी। इस पोर्टल का उद्देश्य राजभवन की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और सूचना तकनीक पर आधारित बनाना है।

21. [a]

व्याख्या:-

- गवर्नर रिलीफ फण्ड विनियम 1973
- समस्त वैधानिक/प्रशासनिक प्रयोजनार्थ इस कोष का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।

फण्ड का उद्देश्य

1. अकाल एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में सहायता
2. प्राकृतिक आपदाओं यथा अग्निकांड बाढ़ एवं दुर्घटना में सहायता
3. प्रदेश में महामारी, अतिवृष्टि, टिड्डी, ओलावृष्टि तथा अन्य आपदा क्षेत्रों में फसल नुकसान, औषधि एवं उपकरणों हेतु सहायता
4. माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अन्य जो भी कारण उचित समझे, जहां तात्कालिक आवश्यकता हो

22. [a]

व्याख्या:-

- माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी का जन्म कृषक परिवार में हुआ। समाज सेवाए कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में आपका गहन अध्ययन ही नहीं है बल्कि आपने इन क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है।
- माननीय राज्यपाल महोदय की ग्रामीण विकास में गहरी रुचि है। कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर आपने कार्य किया है।
- महाराष्ट्र में आपकी पहल पर एक बड़ी पहल यह भी हुई है कि वहां सहकारिता आंदोलन को आपने गति दी। किसानों को दूध से संबंधित व्यापार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके दूध विपणन को आपने निरंतर बढ़ावा दिया है। गन्ना किसानों के लिए आपने बहुत महती कार्य करते हुए उन्हें उनकी फसल का उचित लाभ प्रदान करने के लिए बाकायदा गत्ता कारखाने स्थापित किए।
- औरंगाबाद छत्रपती संभाजीनगर और जालना जिलोंमें अकाल उन्मूलन के उद्देश्य से गठित आरएसएस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आप रहे। आपका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से ही जुड़ाव हो गया था। पत्रकारिता के अंतर्गत साप्ताहिक पत्रिका विवेकश के प्रतिनिधि के रूप में भी आपने कार्य किया।

23. [a]

व्याख्या:-

- राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।
- राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करता है। ना कि निर्वाचित.

24. [d]

व्याख्या:-

- पुंछी आयोग (Punchhi Commission), जिसने केंद्र-राज्य संबंधों की समीक्षा की, ने सुझाव दिया था कि राज्यपाल को हटाने के लिए "राष्ट्रपति की इच्छा के सिद्धांत" को समाप्त किया जाना चाहिए. आयोग ने सिफारिश की कि राज्यपालों को भी राष्ट्रपति के समान ही राज्य विधानमंडल द्वारा महाभियोग (impeachment) की प्रक्रिया के माध्यम से हटाया जाना चाहिए

25. [d]

व्याख्या:-

- राज्यपाल की उपलब्धियों और भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 158 (4) में किया गया है।

♦♦♦♦

विश्व का भूगोल

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. एशिया महाद्वीप का लगभग 30% विश्व के कुल स्थलीय क्षेत्रफल में भाग है।
2. एशिया की लगभग 60% वैश्विक जनसंख्या है।
3. एशिया पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
4. मृत सागर विश्व का सबसे निम्न स्थल बिंदु है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1, 2 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

2. **एशिया के पर्वतीय तंत्र के संदर्भ में विचार कीजिए –**
1.पामीर का पठार "विश्व की छत" कहलाता है।
2.हिमालय पर्वत एशिया के पूर्वी भाग में स्थित है।
3.टियेनशान और कुनलुन पर्वत मध्य एशिया में स्थित हैं।
4.अराकान योमा म्यांमार में स्थित पर्वत श्रृंखला है।
असंगत उत्तर चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

3. **एशिया के मरुस्थलों के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें–**
1.गोबी मरुस्थल एक शीत मरुस्थल है।
2.रूब अल खाली अरब प्रायद्वीप में स्थित है।
3.तकला मकान मरुस्थल भारत में स्थित है।
4.काराकुम मरुस्थल तुर्कमेनिस्तान में है।
गलत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2, 3 और 4

4. **निम्नलिखित में अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए—**
अभिकथन (A):यांग्त्सी एशिया की सबसे लंबी नदी है तथा गंगा बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
कारण (R):आमूर नदी रूस और चीन के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा बनाती है।
सही विकल्प चुनिए—
(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A सही है परन्तु R गलत है
(d) A गलत है परन्तु R सही है

5. **सूची–I को सूची-II से सुमेलित कीजिए—**

सूची–I (तथ्य)	सूची–II (विवरण)
a. भूमध्य रेखा	I. अफ्रीका के पश्चिमी भाग से गुजरती है
b. कर्क व मकर रेखाएँ	II. केवल उत्तरी गोलार्द्ध में स्थिति दर्शाती है
c. ग्रीनविच रेखा	III. अफ्रीका को दो भागों में विभाजित करती है
d. अफ्रीका की स्थिति	IV. दोनों रेखाएँ अफ्रीका से गुजरती हैं

सही विकल्प चुनिए—
(a) a-III, b-IV, c-I, d-II
(b) a-II, b-I, c-III, d-IV
(c) a-III, b-I, c-IV, d-II
(d) a-I, b-IV, c-II, d-III

6. **अफ्रीका की नदियों के संदर्भ में विचार करें –**
1.नील नदी विश्व की सबसे लंबी नदी मानी जाती है।
2.कांगो नदी भूमध्य रेखा को दो बार काटती है।
3.ज़ाम्बेजी नदी पर विक्टोरिया जलप्रपात स्थित है।
4.नाइजर नदी सहारा मरुस्थल से निकलती है।
असंगत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 4
(b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3
(d) केवल 4

7. **निम्न में से असंगत कथन की पहचान कीजिए—**
(a) सहारा विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है।
(b) कालाहारी मरुस्थल बोत्सवाना में स्थित है।
(c) नामीब मरुस्थल अफ्रीका के पूर्वी तट पर स्थित है।
(d) कालाहारी मरुस्थल दक्षिणी अफ्रीका के देशों में विस्तृत है।

8. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1.उत्तरी अमेरिका पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
2.बेरिंग जलसंधि उत्तरी अमेरिका को एशिया से अलग करती है।
3.पनामा नहर उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका को अलग करती है।
4.ग्रीनलैंड प्रशासनिक रूप से डेनमार्क का भाग है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 3
(b) 2 और 4
(c) 1, 2, 3 और 4
(d) 1, 2 और 4

9. **निम्न कथनों पर विचार कीजिए –**
1.एंडीज विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है।
2.अमेजन नदी विश्व की सबसे बड़ी जलप्रवाह प्रणाली है।
3.पम्पास घास के मैदान अर्जेंटीना में हैं।
4.आटाकामा मरुस्थल विश्व का सबसे आर्द्र मरुस्थल है।
गलत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2
(b) 1, 2 और 3
(c) केवल 4
(d) 1, 2, 3 और 4

10. **यूरोप के भौगोलिक तथ्यों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए—**
1. यूरोप पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
2. माउंट एल्ब्रुस यूरोप का सर्वोच्च शिखर है।
3. वोल्गा यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
4. डेन्यूब नदी सर्वाधिक देशों से होकर गुजरने वाली प्रमुख नदी है।
सही विकल्प चुनिए—
(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 4
(c) 1, 2, 3 और 4
(d) केवल 1, 2 और 4

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें –
1.अंटार्कटिका विश्व का सबसे ऊँचा औसत ऊँचाई वाला महाद्वीप है।
2.यहाँ कोई स्थायी मानव आबादी नहीं है।
3.ऑनिक्स नदी अंटार्कटिका की सबसे लंबी नदी है।
4.माउंट इरेबस एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1, 2 और 4
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

12. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए—

सूची–I (तत्व)	सूची–II (विशेषता)
a. ऑस्ट्रेलिया की स्थिति	I. सबसे लंबी नदी
b. माउंट कोसियुस्को	II. दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित
c. मरे नदी	III. विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति
d. ग्रेट बैरियर रीफ	IV. सर्वोच्च शिखर

सही विकल्प चुनिए—
(a) a-II, b-IV, c-I, d-III
(b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-II, b-I, c-III, d-IV
(d) a-IV, b-II, c-I, d-III

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –
1.तिब्बत का पठार विश्व का सबसे ऊँचा पठार है।
2.मंगोलिया का पठार एशिया में स्थित है।
3.दक्कन का पठार दक्षिण अमेरिका में स्थित है।
4.ईरान का पठार पश्चिमी एशिया में स्थित है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1, 2 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

14. एशिया की झीलों के संदर्भ में विचार कीजिए –
1.बैकाल झील विश्व की सबसे गहरी झील है।
2.बाल्कश झील मिश्रित जल वाली झील है।
3.टोनले सैप झील कंबोडिया में स्थित है।
4.वॉन झील भारत में स्थित है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 4 (b) 1, 2 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

15. प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:
कथन (A): जाम्बिया और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (DRC) के बीच स्थित कटंगा पठार अफ्रीका का एक महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र है।
कारण (R): यह क्षेत्र विश्व स्तर पर सोने (Gold) के विशाल भंडार और खनन के लिए प्रसिद्ध है, जिसके कारण इसे 'अफ्रीका का स्वर्ण हृदय' कहा जाता है।
कूट:
(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A गलत है, लेकिन R सही है।

16. अफ्रीका की झीलों के संदर्भ में विचार करें –
1.विक्टोरिया झील अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है।
2.टैंगानिका झील विश्व की सबसे गहरी झील है।
3.मलावी झील दक्षिणपूर्व अफ्रीका में स्थित है।
4.तुर्काना झील केन्या और इथियोपिया के बीच है।
संगत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 3
(b) 2 और 4
(c) 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

17. उत्तरी अमेरिका के पर्वतीय तंत्र के संदर्भ में विचार करें –
1.रॉकी पर्वत पश्चिमी कॉर्डिलेरा का भाग हैं।
2.अप्लेशियन पर्वत महाद्वीप के पूर्वी भाग में हैं।
3.सिएरा नेवादा पर्वत यूरोप में स्थित हैं।
4.कैस्केड पर्वत अमेरिका में स्थित हैं।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1, 2 और 4
(b) 1 और 3
(c) 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

18. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:
कथन (A): कनाडा में स्थित एथाबास्का झील (Lake Athabasca) क्षेत्र उत्तरी अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में से एक है।
कारण (R): यह झील और इसके आस-पास का क्षेत्र विश्व स्तर पर सोने (Gold) के विशाल भंडार और बड़े पैमाने पर खनन के लिए प्रसिद्ध है।
कूट:
(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, लेकिन R गलत है।
(d) A गलत है, लेकिन R सही है।

19. दक्षिण अमेरिका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1.एंडीज विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है।
2.ब्राजील महाद्वीप का सबसे बड़ा देश है।
3.पम्पास घास के मैदान अर्जेंटीना में हैं।
4.टिटिकाका झील विश्व की सबसे ऊँचाई पर स्थित नौगम्य झील है।
संगत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 4 (b) 1, 2 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

20. दक्षिण अमेरिका के मरुस्थलों के संदर्भ में विचार करें –
1.आटाकामा विश्व का सबसे शुष्क मरुस्थल है।
2.पेटागोनिया शीत मरुस्थल है।
3.ग्वानो पक्षी की बीट से नाइट्रेट उर्वरक बनता है।
4.आटाकामा ब्राजील में स्थित है।
असंगत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2
(b) केवल 4
(c) 2 और 3
(d) केवल 3

21. यूरोप के नदी और पर्वत तंत्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन अवधारणात्मक रूप से गलत है?
(a) माउंट एल्ब्रुस, जो काकेशस पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है, यूरोप महाद्वीप का सबसे ऊँचा शिखर माना जाता है।
(b) वोल्गा नदी यूरोप की सबसे लंबी नदी है, जो अपना जल कैस्पियन सागर के बंद बेसिन में विसर्जित करती है।
(c) डेन्यूब नदी यूरोप की एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नदी है, जो अपना प्रवाह मार्ग पूरा करने के बाद उत्तरी सागर में विसर्जित होती है।
(d) राइन नदी यूरोप के व्यस्ततम जलमार्गों में से एक है, जिसका निकास नीदरलैंड के तट के पास उत्तरी सागर में होता है।

22. अंटार्कटिका के संदर्भ में विचार करें –
1.यह पूर्णतः बर्फ से ढका महाद्वीप है।
2.यहाँ कोई स्थायी जनसंख्या नहीं है।
3.विन्सन मासिफ इसका सर्वोच्च शिखर है।
4.ऑनिक्स नदी इसकी सबसे लंबी नदी है।
संगत विकल्प है –
(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

23. प्रश्न: ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की भौगोलिक विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें –
1. ग्रेट डिवाइडिंग रेंज महाद्वीप के पश्चिमी तट के समांतर उत्तर से दक्षिण तक फैली है।
2. मरे (Murray) नदी और इसकी सहायक डार्लिंग, ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा नदी तंत्र बनाती हैं।
3. ग्रेट आर्टेशियन बेसिन आंतरिक शुष्क क्षेत्रों में जल की आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक स्रोत है।
4. कंगारू और कोआला जैसे जीव केवल ऑस्ट्रेलिया के भौगोलिक क्षेत्रों में ही प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं।
सही विकल्प चुनिए –
(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

24. ऑस्ट्रेलिया के मरुस्थलों के संदर्भ में विचार करें –
1.ग्रेट विक्टोरिया मरुस्थल ऑस्ट्रेलिया में है।
2.सिम्पसन मरुस्थल ऑस्ट्रेलिया में स्थित है।
3.गिब्सन मरुस्थल अफ्रीका में है।
असंगत विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 3 और 4

25. महाद्वीपों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें –
1.एशिया क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों में प्रथम है।
2.अफ्रीका क्षेत्रफल में द्वितीय स्थान पर है।
3.उत्तरी अमेरिका क्षेत्रफल में तृतीय स्थान पर है।
4.अंटार्कटिका जनसंख्या की दृष्टि से अंतिम है।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 1, 2, 3 और 4 (d) 2 और 4

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]
व्याख्या:-
◈ एशिया विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है और लगभग 30% भूमि क्षेत्र तथा लगभग 60% जनसंख्या का भाग रखता है। मृत सागर पृथ्वी का सबसे निम्न स्थल बिंदु है। एशिया पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में नहीं है, क्योंकि इंडोनेशिया के कुछ द्वीप दक्षिणी गोलार्द्ध में हैं।

2. [b]
व्याख्या:
◈ पामीर पठार को विश्व की छत कहा जाता है। टियेनशान और कुनलुन पर्वत मध्य एशिया में हैं। अराकान योमा म्यांमार में है। हिमालय एशिया के दक्षिणी भाग में है, न कि पूर्वी भाग में।

3. [c]
व्याख्या:
◈ गोबी शीत मरुस्थल है और मंगोलिया-चीन में स्थित है। रूब अल खाली अरब प्रायद्वीप का बड़ा मरुस्थल है। काराकुम तुर्कमेनिस्तान में है। तकला मकान मरुस्थल चीन के शिनजियांग क्षेत्र में है, भारत में नहीं।

4. [b]
व्याख्या:
◈ यांग्त्सी एशिया की सबसे लंबी नदी है
◈ गंगा बंगाल की खाड़ी में गिरती है
◈ आमूर रूस-चीन सीमा बनाती है
◈ परन्तु R, A की व्याख्या नहीं करता

5. [a]
व्याख्या:
भूमध्य रेखा अफ्रीका को लगभग दो भागों में विभाजित करती है। कर्क और मकर दोनों रेखाएँ अफ्रीका से गुजरती हैं। ग्रीनविच रेखा अफ्रीका के पश्चिमी भाग से गुजरती है। अफ्रीका केवल उत्तरी गोलार्द्ध में नहीं है, बल्कि चारों गोलार्द्धों में स्थित है, इसलिए d का मिलान कथन II (गलत कथन) से किया गया है।

6. [d]
व्याख्या:
◈ नील नदी विश्व की सबसे लंबी नदी मानी जाती है। कांगो नदी भूमध्य रेखा को दो बार काटती है। ज़ाम्बेजी नदी पर विक्टोरिया जलप्रपात है। नाइजर नदी गिनी उच्चभूमि से निकलती है, सहारा से नहीं।

7. [c]
व्याख्या:
◈ सहारा विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है।
◈ कालाहारी मरुस्थल बोत्सवाना सहित अन्य दक्षिणी अफ्रीकी देशों में फैला है।
◈ नामीब मरुस्थल पूर्वी तट पर नहीं, बल्कि पश्चिमी तट पर स्थित है।
◈ इसलिए विकल्प (c) असंगत है।

8. [c]
व्याख्या:
◈ उत्तरी अमेरिका पूरी तरह उत्तरी गोलार्द्ध में है। बेरिंग जलसंधि इसे एशिया से अलग करती है। पनामा नहर दक्षिण अमेरिका से पृथक्करण करती है। ग्रीनलैंड भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका में है पर प्रशासनिक रूप से डेनमार्क का हिस्सा है।

9. [c]
व्याख्या:
◈ एंडीज विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है। अमेजन नदी जलप्रवाह की दृष्टि से सबसे बड़ी है। पम्पास अर्जेंटीना में प्रसिद्ध घास के मैदान हैं। आटाकामा विश्व का सबसे शुष्क मरुस्थल है।

10. [c]

व्याख्या:

- यूरोप पूर्णतः उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
- माउंट एल्ब्रुस यूरोप का सर्वोच्च शिखर माना जाता है।
- वोल्गा यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
- डेन्यूब नदी अनेक देशों से होकर गुजरती है और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नदी है।

11. [d]

व्याख्या:

- अंटार्कटिका औसत ऊँचाई के आधार पर सबसे ऊँचा महाद्वीप है। यहाँ स्थायी जनसंख्या नहीं है। ऑनिक्स नदी इसकी सबसे लंबी नदी है। माउंट इरेबस सक्रिय ज्वालामुखी है।

12. [a]

व्याख्या:

- ऑस्ट्रेलिया पूर्णतः दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित है।
- माउंट कोसियुस्को ऑस्ट्रेलिया का सर्वोच्च शिखर है।
- मरे नदी ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी नदी है।
- ग्रेट बैरियर रीफ विश्व की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति है।

13. [a]

व्याख्या:

- तिब्बत पठार विश्व का सबसे ऊँचा पठार है। मंगोलिया पठार और ईरान पठार एशिया में स्थित हैं। दक्कन का पठार भारत में है, जो एशिया में स्थित है, दक्षिण अमेरिका में नहीं।

14. [b]

व्याख्या:

- बैकाल झील रूस में स्थित विश्व की सबसे गहरी झील है। बाल्कश झील मिश्रित जल की झील है। टोनले सैप कंबोडिया में स्थित है। वॉन झील तुर्की में स्थित है, भारत में नहीं।

15. [c]

व्याख्या:

- कथन (A) सही है: कटंगा पठार अपनी रणनीतिक स्थिति और खनिज संपदा के कारण आर्थिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- कारण (R) गलत है (Mining Trap): कटंगा पठार ताँबा (Copper) और कोबाल्ट के लिए विश्व प्रसिद्ध है, सोने के लिए नहीं। दक्षिण अफ्रीका का 'विटवाटर्सरैंड' (Witwatersrand) क्षेत्र सोने के लिए जाना जाता है।

16. [c]

व्याख्या:

- विक्टोरिया झील अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है। टैंगानिका झील विश्व की दूसरी सबसे गहरी झील है, सबसे गहरी बैकाल है। मलावी झील दक्षिणपूर्व अफ्रीका में है और तुर्काना झील केन्या और इथियोपिया के बीच स्थित है।

17. [a]

व्याख्या:

- रॉकी पर्वत पश्चिमी कॉर्डिलेरा का भाग हैं। अप्लेशियन पर्वत उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग में हैं। कैस्केड पर्वत अमेरिका में हैं। सिएरा नेवादा भी अमेरिका में है, यूरोप में नहीं।

18. [c]

व्याख्या:

- कथन (A) सही है: एथाबास्का झील कनाडा (अल्बर्टा और सास्काचेवान) में स्थित है और यह एक प्रमुख खनिज क्षेत्र है।
- कारण (R) गलत है (खनन जाल): एथाबास्का झील क्षेत्र यूरेनियम (Uranium) के खनन के लिए विश्व प्रसिद्ध है, न कि सोने के लिए। यहाँ 'यूरैनियम सिटी' (Uranium City) नामक स्थान भी स्थित है।

19. [d]

व्याख्या:

- एंडीज विश्व की सबसे लंबी पर्वत श्रृंखला है। ब्राजील क्षेत्रफल व जनसंख्या दोनों में सबसे बड़ा देश है। पम्पास अर्जेंटीना के घास मैदान हैं। टिटिकाका झील विश्व की सबसे ऊँचाई पर स्थित नौगम्य झील है।

20. [b]

व्याख्या:

- आटाकामा मरुस्थल चिली में स्थित विश्व का सबसे शुष्क मरुस्थल है। पेटागोनिया अर्जेंटीना का शीत मरुस्थल है। ग्वानो पक्षी की बीट से नाइट्रेट उर्वरक बनता है। आटाकामा ब्राजील में नहीं है।

21. [c]

व्याख्या:

- अवधारणा जाल: विकल्प (c) गलत है क्योंकि डेन्यूब नदी जर्मनी से निकलकर पूर्व की ओर बहती है और अंत में काला सागर (Black Sea) में गिरती है। प्रश्न में इसे उत्तरी सागर बताया गया है, जो कि गलत है। उत्तरी सागर में राइन और एल्ब जैसी नदियाँ गिरती हैं। बाकी सभी कथन भौगोलिक रूप से पूर्णतः सत्य हैं।

22. [d]

व्याख्या:

- अंटार्कटिका पूर्णतः बर्फ से ढका महाद्वीप है। यहाँ स्थायी जनसंख्या नहीं है। विन्सन मासिफ इसका सर्वोच्च शिखर है और ऑनिक्स नदी इसकी सबसे लंबी नदी है।

23. [b]

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है क्योंकि ग्रेट डिवाइडिंग रेंज ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट के समांतर स्थित है, न कि पश्चिमी तट के।
- मरे नदी ऑस्ट्रेलिया की सबसे लंबी नदी है और डार्लिंग के साथ मिलकर मुख्य कृषि क्षेत्र बनाती है।
- ग्रेट आर्टेशियन बेसिन दुनिया का सबसे बड़ा और गहरा अंत:स्थलीय जल बेसिन है जो मरुस्थलीय इलाकों के लिए जीवनरेखा है।
- कंगारू और कोआला ऑस्ट्रेलिया के 'स्थानिक' (Endemic) जीव हैं, जो प्राकृतिक रूप से कहीं और नहीं मिलते।

24. [d]

व्याख्या:

- ग्रेट विक्टोरिया और सिम्पसन दोनों ऑस्ट्रेलिया के मरुस्थल हैं। गिब्सन भी ऑस्ट्रेलिया में है, अफ्रीका में नहीं।

25. [c]

व्याख्या:

- एशिया क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों में प्रथम है। अफ्रीका दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। उत्तरी अमेरिका तीसरे स्थान पर है। अंटार्कटिका में कोई स्थायी जनसंख्या नहीं है इसलिए जनसंख्या की दृष्टि से अंतिम है।

♦ ♦ ♦ ♦

भारत का भूगोल

1. **भारत के भौतिक विभाजन के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 43% भाग मैदानी है।
2. लगभग 27.7% भाग पठारी है।
3. लगभग 18.6% भाग पहाड़ी है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 1

2. **हिमालय पर्वत के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–**
कथन (A): हिमालय एक नवीन मोड़दार पर्वतमाला है।
कारण (R): इसका निर्माण टेथिस सागर के अवसादों के संपीडन से हुआ है तथा यह अभी भी सक्रिय है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

3. **हिमालय की श्रेणियों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. ट्रांस हिमालय मुख्य हिमालय के उत्तर में स्थित है
2. वृहद् हिमालय को हिमाद्रि कहा जाता है
3. मध्य हिमालय को शिवालिक भी कहा जाता है
4. शिवालिक श्रेणी सबसे बाहरी भाग में स्थित है
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3

4. **सूची–I (श्रेणी) को सूची–II (विशेषता) से सुमेलित कीजिए–**

सूची–I	**सूची–II**
a. वृहद् हिमालय	**I. सबसे बाहरी श्रेणी**
b. शिवालिक	**II. औसत ऊँचाई ~6000 मीटर**
c. मध्य हिमालय	**III. हिमाचल**
d. ट्रांस हिमालय	**IV. तिब्बत के समीप**

सही विकल्प चुनिए–
(a) a-II, b-I, c-III, d-IV (b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-III, b-I, c-II, d-IV (d) a-II, b-III, c-I, d-IV

5. **शिवालिक श्रेणी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह हिमालय की सबसे बाहरी श्रेणी है
2. इसका निर्माण मुख्यतः अवसादी पदार्थों से हुआ है
3. यह हिमालय की सबसे प्राचीन श्रेणी है
4. इसकी ऊँचाई सामान्यतः 900–1200 मीटर के बीच होती है
सही उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

6. **उत्तरी मैदान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. इसका निर्माण मुख्यतः सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेपों से हुआ है।
2. इसकी चौड़ाई सामान्यतः 150–300 किमी के बीच होती है।
3. यह क्षेत्र मुख्यतः आग्नेय चट्टानों से निर्मित है।
4. यह विश्व के सबसे उपजाऊ मैदानों में से एक है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3

7. **भाबर क्षेत्र के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह शिवालिक के गिरिपद क्षेत्र में स्थित है।
2. यहाँ नदियाँ भूमिगत हो जाती हैं।
3. यह अत्यंत उपजाऊ कृषि क्षेत्र है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 (b) केवल 1 व 2
(c) केवल 2 व 3 (d) 1, 2 व 3

8. **तराई क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–**
कथन (A): तराई क्षेत्र भाबर के दक्षिण में स्थित दलदली एवं आर्द्र क्षेत्र है।
कारण (R): इस क्षेत्र में नदियों का जल पुनः सतह पर प्रकट हो जाता है, जिससे भूमि नम और उपजाऊ बनती है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

9. **खादर भूमि के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए–**

सूची–I (विशेषता)	**सूची–II (विवरण)**
a. खादर मिट्टी	**I. पुरानी जलोढ़, ऊँचा भाग**
b. बांगर मिट्टी	**II. नवीन जलोढ़, बाढ़ क्षेत्र**
c. खादर क्षेत्र	**III. प्रतिवर्ष अवसाद जमाव**
d. बांगर क्षेत्र	**IV. अपेक्षाकृत कम उर्वरता**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) a-I, b-II, c-III, d-IV (b) a-II, b-I, c-III, d-IV
(c) a-II, b-IV, c-I, d-III (d) a-III, b-II, c-IV, d-I

10. **बांगर भूमि के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह पुरानी जलोढ़ मिट्टी से निर्मित होती है।
2. यह सामान्यतः बाढ़ के मैदान से ऊँची होती है।
3. इसमें रेह और कल्ल जैसी लवणीय मिट्टी पाई जाती है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 1

11. **थार मरुस्थल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. इसका विस्तार अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी भाग में पाया जाता है।
2. लूनी नदी इस क्षेत्र की प्रमुख अंत:स्थलीय (Inland) नदी है।
3. यह विश्व के मरुस्थलों में अत्यंत न्यून जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र माना जाता है।
4. इस क्षेत्र में रेत के टीलों (Sand dunes) का व्यापक विकास पाया जाता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

12. **प्रायद्वीपीय पठार के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–**
कथन (A): प्रायद्वीपीय पठार भारत का अत्यंत प्राचीन भूभाग है।
कारण (R): इसका निर्माण मुख्यतः क्रिस्टलीय, आग्नेय एवं रूपांतरित चट्टानों से हुआ है तथा यह गोंडवाना भूभाग का भाग रहा है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

13. **छोटा नागपुर पठार के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. दामोदर नदी इसकी प्रमुख नदी है।
2. यहाँ कोयले के बड़े भंडार पाए जाते हैं।
3. इसकी सबसे ऊँची चोटी पारसनाथ है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 3

14. **अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह विश्व की अत्यंत प्राचीन व अपक्षयित पर्वतमालाओं में गिनी जाती है।
2. इसका विस्तार उत्तर-पूर्व (दिल्ली) से दक्षिण-पश्चिम (गुजरात) दिशा में है।
3. गुरु शिखर, माउंट आबू क्षेत्र में स्थित इसकी सर्वोच्च चोटी है।
4. यह भारत की सबसे ऊँची पर्वतमाला है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3

15. **पश्चिमी घाट के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए–**

सूची–I	सूची–II
a. पश्चिमी घाट	I. सह्याद्रि
b. विस्तार	II. अरब सागर तट के समानांतर
c. पश्चिमी ढाल	III. तीव्र ढाल
d. पूर्वी ढाल	IV. अपेक्षाकृत मंद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) a-II, b-I, c-III, d-IV
(b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-III, b-II, c-I, d-IV
(d) a-I, b-II, c-III, d-IV

16. **ट्रांस हिमालय के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. यह महान हिमालय के उत्तर में स्थित है।
2. इसमें कराकोरम, लद्दाख और जास्कर पर्वत शामिल हैं।
3. यह हिमालय की सबसे नवीन श्रेणी है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) केवल 1 व 3 (d) 1, 2 व 3

17. **हिमालय की प्रमुख चोटियों के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–**
कथन (A): कंचनजंगा भारत की सर्वोच्च चोटी है तथा नंदा देवी दूसरी सर्वोच्च चोटी मानी जाती है।
कारण (R): माउंट एवरेस्ट भारत की सीमा के भीतर स्थित है, इसलिए उसे भारतीय चोटियों में शामिल किया जाता है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

18. **हिमालयी दर्रों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. नाथुला दर्रा सिक्किम में स्थित है।
2. रोहतांग दर्रा हिमाचल प्रदेश में स्थित है।
3. खैबर दर्रा भारत में स्थित है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) केवल 1 व 3 (d) 1, 2 व 3

19. **उत्तरी मैदान के निर्माण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–**
1. इसका निर्माण मुख्यतः हिमालय से निकली नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से संबंधित है।
2. इसका विस्तार विश्व के विस्तृत जलोढ़ मैदानों में गिना जाता है।
3. इसकी संरचना ज्वालामुखीय उद्गारों से उत्पन्न चट्टानों पर आधारित मानी जाती है।
4. इस क्षेत्र में अवसादी निक्षेपों की परतें निरंतर विकसित होती रहती हैं।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

20. **गंगा मैदान के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–**
1. इसका विस्तार उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में है।
2. यहाँ गोखुर झीलें पाई जाती हैं।
3. इसका निर्माण केवल प्रायद्वीपीय नदियों द्वारा हुआ है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 (b) केवल 1 व 2
(c) केवल 2 व 3 (d) 1, 2 व 3

21. **प्रायद्वीपीय पठार के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए–**

सूची–I	सूची–II
a. प्राचीनता	I. 600–900 मीटर औसत ऊँचाई
b. ऊँचाई	II. भारत का प्राचीन भूभाग
c. नदी प्रवाह	III. पूर्व की ओर प्रमुख प्रवाह
d. संरचना	IV. स्थिर भू-आकृतिक इकाई

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) a-I, b-II, c-III, d-IV (b) a-II, b-I, c-III, d-IV
(c) a-II, b-III, c-I, d-IV (d) a-IV, b-I, c-II, d-III

22. **नर्मदा नदी के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–**
कथन (A): नर्मदा नदी भ्रंश घाटी में पश्चिम की ओर प्रवाहित होकर अरब सागर में गिरती है।
कारण (R): नर्मदा नदी गंगा नदी तंत्र का भाग है और उसी की सहायक नदी के रूप में प्रवाहित होती है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

23. पश्चिमी घाट के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह भारत की जैव विविधता का महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
2. इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।
3. यह पूर्वी घाट से ऊँचा है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 1

24. पूर्वी घाट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. यह असतत (discontinuous) पर्वतमाला के रूप में पाई जाती है।
2. इसकी ऊँचाई सामान्यतः पश्चिमी घाट की तुलना में अधिक मानी जाती है।
3. गोदावरी, कृष्णा और महानदी जैसी नदियों द्वारा इसे कई स्थानों पर विच्छेदित किया गया है।
4. यह बंगाल की खाड़ी के समानांतर फैली हुई है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–
(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

25. पश्चिमी तटीय मैदान के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए–
कथन (A): पश्चिमी तटीय मैदान पश्चिमी घाट और अरब सागर के मध्य स्थित एक संकीर्ण तटीय पट्टी है।
कारण (R): इस क्षेत्र में कई प्राकृतिक बंदरगाह विकसित हुए हैं, क्योंकि तटरेखा गहरी एवं कटी-फटी (indented) है।
सही विकल्प चुनिए–
(a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है

उत्तर सहित व्याख्या

1. [c]
व्याख्या:
- भारत के भू-आकृतिक स्वरूप में लगभग 43% भाग मैदानी, 27.7% पठारी, 18.6% पहाड़ी तथा लगभग 10.5% भाग पर्वतीय क्षेत्र में आता है। यह वितरण भारत की विविध भौतिक संरचना को दर्शाता है।

2. [c]
व्याख्या:
- हिमालय नवीन मोड़दार पर्वतमाला है
- इसका निर्माण प्लेट टेक्टोनिक संपीडन से हुआ
- टेथिस सागर के अवसाद उठे
- आज भी भूकंपीय रूप से सक्रिय
- इसलिए R, A की सही व्याख्या करता है

3. [a]
व्याख्या:
- ट्रांस हिमालय उत्तर में (सही)
- वृहद् = हिमाद्रि (सही)
- मध्य हिमालय ≠ शिवालिक (गलत)
- शिवालिक बाहरी (सही)
- इसलिए 1,2,4 सही

4. [a]
व्याख्या:
- वृहद् → 6000m
- शिवालिक → बाहरी
- मध्य → हिमाचल
- ट्रांस → तिब्बत क्षेत्र

5. [c]
व्याख्या:
- शिवालिक बाहरी (सही)
- अवसादी संरचना (सही)
- प्राचीन नहीं, नवीन (गलत)
- ऊँचाई 900–1200 m (सही)

6. [a]
व्याख्या:
- उत्तरी मैदान जलोढ़ (Alluvial) निक्षेपों से बना है → सही
- चौड़ाई 150–300 किमी → सही
- आग्नेय चट्टान नहीं, अवसादी संरचना → गलत
- अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र (गंगा मैदान) → सही

7. [b]
व्याख्या:
- भाबर क्षेत्र शिवालिक के पादप्रदेश में पाया जाता है जहाँ कंकड़, पत्थर और बजरी के कारण नदियाँ भूमिगत हो जाती हैं। यह क्षेत्र अत्यधिक पारगम्य होने के कारण कृषि के लिए उपयुक्त नहीं होता।

8. [c]
व्याख्या:
- तराई क्षेत्र भाबर के ठीक दक्षिण में पाया जाता है
- भाबर क्षेत्र में अवशोषित जल यहाँ पुनः सतह पर आता है
- सतही जल की अधिकता के कारण दलदली परिस्थितियाँ विकसित होती हैं
- मिट्टी में नमी बनी रहने से कृषि की अनुकूल दशाएँ निर्मित होती हैं
- कारण कथन, क्षेत्र की प्रकृति को स्पष्ट करता है

9. [b]
व्याख्या:
- खादर क्षेत्र नदी के बाढ़ मैदान से संबंधित होता है
- इसमें नवीन जलोढ़ अवसाद पाए जाते हैं
- प्रत्येक वर्ष बाढ़ के साथ नई मिट्टी का निक्षेप होता है
- बांगर अपेक्षाकृत ऊँचे भाग में स्थित पुरानी जलोढ़ भूमि होती है
- उर्वरता की दृष्टि से खादर अधिक सक्षम माना जाता है

10. [c]
व्याख्या:
- बांगर भूमि पुरानी जलोढ़ मिट्टी से बनी होती है और बाढ़ के मैदान से ऊँची होने के कारण यहाँ नई मिट्टी का जमाव नहीं होता। कई स्थानों पर इसमें रेह या कल्लर जैसी लवणीय मिट्टी भी पाई जाती है।

11. [c]
व्याख्या:
- थार मरुस्थल का विस्तार अरावली के पश्चिमी भाग में देखा जाता है
- लूनी नदी आंतरिक अपवाह तंत्र वाली प्रमुख नदी है
- जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से यह अन्य मरुस्थलों की तुलना में अधिक सघन आबादी वाला क्षेत्र है
- मरुस्थलीय स्थलाकृति में बालू के टीलों का व्यापक प्रसार मिलता है

12. [c]
व्याख्या:
- प्रायद्वीपीय पठार का संबंध प्राचीन भूवैज्ञानिक संरचना से है
- इसका जुड़ाव गोंडवाना भूभाग से माना जाता है

- इसमें क्रिस्टलीय एवं रूपांतरित चट्टानों की प्रधानता पाई जाती है
- यह संरचना अत्यंत स्थिर एवं कठोर मानी जाती है
- कारण कथन, इसकी प्राचीनता को आधार प्रदान करता है

13. [c]

व्याख्या:

- छोटानागपुर पठार खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध है जहाँ कोयले के बड़े भंडार पाए जाते हैं। दामोदर नदी यहाँ की प्रमुख नदी है तथा पारसनाथ इसकी सबसे ऊँची चोटी है।

14. [d]

व्याख्या:

- अरावली का संबंध अत्यंत प्राचीन भू-आकृतिक संरचनाओं से है
- इसका विस्तार दिल्ली से गुजरात की ओर तिरछी दिशा में देखा जाता है
- गुरु शिखर (माउंट आबू) इसकी उच्चतम चोटी के रूप में प्रसिद्ध है
- ऊँचाई की दृष्टि से यह हिमालय जैसी युवा पर्वतमालाओं से भिन्न है

15. [d]

व्याख्या:

- पश्चिमी घाट को सह्याद्रि नाम से भी जाना जाता है
- इसका विस्तार अरब सागर तट के समानांतर देखा जाता है
- पश्चिमी भाग में ढाल अधिक तीव्र पाई जाती है
- पूर्वी दिशा में ढाल क्रमशः कम होती जाती है

16. [a]

व्याख्या:

- ट्रांस हिमालय महान हिमालय के उत्तर में स्थित है तथा इसमें काराकोरम, लद्दाख और जास्कर श्रेणियाँ आती हैं। यह नवीन श्रेणी नहीं है, बल्कि हिमालय की बाहरी श्रेणी शिवालिक को नवीनतम माना जाता है।

17. [a]

व्याख्या:

- कंचनजंगा भारतीय संदर्भ में सर्वोच्च चोटी के रूप में मानी जाती है
- नंदा देवी इसके बाद प्रमुख उच्च शिखर है
- माउंट एवरेस्ट का स्थान नेपाल–तिब्बत (चीन) सीमा क्षेत्र में है
- भारतीय सीमा के बाहर होने के कारण इसे भारतीय चोटियों की श्रेणी में नहीं रखा जाता
- कारण कथन, भौगोलिक स्थिति से मेल नहीं खाता

18. [a]

व्याख्या:

- नाथुला दर्रा सिक्किम में भारत-तिब्बत मार्ग पर स्थित है तथा रोहतांग दर्रा हिमाचल प्रदेश में है। खैबर दर्रा पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच स्थित है।

19. [c]

व्याख्या:

- उत्तरी मैदान का संबंध हिमालयी नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से है
- यह क्षेत्र विश्व के प्रमुख जलोढ़ मैदानों में शामिल किया जाता है
- यहाँ अवसादी परतों का क्रमिक निक्षेपण होता रहता है
- ज्वालामुखीय चट्टानों की अपेक्षा अवसादी संरचना का प्रभुत्व पाया जाता है

20. [b]

व्याख्या:

- गंगा मैदान हिमालयी नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से बना है। यहाँ नदियों के विसर्प के कारण गोखुर झीलें बनती हैं। इसका निर्माण केवल प्रायद्वीपीय नदियों से नहीं हुआ।

21. [b]

व्याख्या:

- प्रायद्वीपीय पठार का संबंध अत्यंत प्राचीन भू-आकृतिक संरचना से है
- इसकी औसत ऊँचाई लगभग 600–900 मीटर के मध्य पाई जाती है
- अधिकांश नदियाँ पूर्व की दिशा में प्रवाहित होकर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं
- यह क्षेत्र भूगर्भीय रूप से स्थिर एवं कठोर इकाई के रूप में जाना जाता है

22. [a]

व्याख्या:

- नर्मदा का प्रवाह भ्रंश (rift) घाटी से संबंधित है
- यह पश्चिम की ओर बहते हुए अरब सागर में मिलती है
- इसका अपवाह तंत्र गंगा प्रणाली से भिन्न एवं स्वतंत्र है
- यह पेनिन्सुलर नदी तंत्र का प्रमुख भाग है
- कारण कथन, नदी के वास्तविक अपवाह तंत्र से मेल नहीं खाता

23. [c]

व्याख्या

- पश्चिमी घाट जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र है और 2012 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। इसकी औसत ऊँचाई पूर्वी घाट से अधिक है।

24. [c]

व्याख्या:

- पूर्वी घाट का स्वरूप सतत न होकर खंडित रूप में पाया जाता है
- प्रमुख नदियाँ इसे अनेक भागों में विभाजित करती हैं
- इसकी ऊँचाई पश्चिमी घाट की अपेक्षा कम पाई जाती है
- इसका विस्तार प्रायः पूर्वी तट के समानांतर देखा जाता है

25. [c]

व्याख्या:

- पश्चिमी तटीय मैदान का विस्तार पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच पाया जाता है
- यह क्षेत्र अपेक्षाकृत संकीर्ण तटीय पट्टी के रूप में विकसित है
- तटरेखा में कटाव और गहराई के कारण प्राकृतिक बंदरगाहों का विकास होता है
- कोंकण और मालाबार तट इसके प्रमुख भाग माने जाते हैं
- कारण कथन, तटीय विशेषताओं को स्पष्ट करता है

♦♦♦♦

भारत की अर्थव्यवस्था

01 भारत में कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र में वृद्धि और विकास

कृषि

1. भारत के कृषि क्षेत्र के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ वर्तमान मूल्यों पर राष्ट्रीय आय में लगभग पाँचवाँ हिस्सा योगदान देती हैं।
2.देश की लगभग 46% कार्यबल कृषि क्षेत्र में कार्यरत है।
3.कृषि क्षेत्र का योगदान सेवा क्षेत्र से अधिक है।
कौन से कथन सही हैं?
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. भारतीय कृषि के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.हाल के वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है।
2.पशुपालन और मत्स्य पालन का योगदान कृषि आय में बढ़ रहा है।
3.कृषि में विविधीकरण का प्रभाव नगण्य है।
सही कथन चुनिए
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

3. भारतीय कृषि की चुनौतियों के संदर्भ में विचार करें
1.सीमित भूमि जोत
2.गुणवत्तापूर्ण इनपुट तक सीमित पहुँच
3.कृषि क्षेत्र में अत्यधिक निवेश
सही विकल्प चुनें
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

4. निम्न योजनाओं में से कृषि उत्पादकता बढ़ाने से संबंधित हैं
1.राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन
2.कृषि विस्तार उप-मिशन
3.पीएम-किसान
4.राष्ट्रीय बागवानी मिशन
सही विकल्प
(a) 1, 2 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

5. भारत में खाद्यान्न उत्पादन के संदर्भ में विचार करें
1.वर्ष 2024-25 में खाद्यान्न उत्पादन लगभग 357 मिलियन टन रहा।
2.इसमें प्रमुख योगदान गेहूँ और चावल का है।
3.खाद्यान्न में बागवानी उत्पादन शामिल होता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

6. भारतीय बागवानी क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.बागवानी उत्पादन खाद्यान्न से अधिक हो गया है।
2.फल और सब्जियाँ इसका मुख्य भाग हैं।
3.यह कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1

7. भारत में पशुपालन क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.हाल के वर्षों में पशुधन संख्या में वृद्धि हुई है।
2.दूध उत्पादन में भारत विश्व में अग्रणी है।
3.पशुपालन का कृषि आय में योगदान घट रहा है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

8. भारत में तेलहन क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.तेलहन उत्पादन में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय मिशन संचालित है।
2.भारत खाद्य तेलों का बड़ा आयातक है।
3.तिलहन उत्पादन पूरी तरह आत्मनिर्भर है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

9. कृषि में डिजिटल तकनीक के संदर्भ में विचार करें
1.डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार से जोड़ते हैं।
2.इससे पारदर्शिता और मूल्य खोज बेहतर होती है।
3.डिजिटल कृषि का प्रभाव केवल बड़े किसानों तक सीमित है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

10. खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में विचार करें
1.राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 लागू है।
2.इसके तहत लगभग 67% आबादी को खाद्यान्न सुरक्षा दी जाती है।
3.यह केवल शहरी आबादी को कवर करता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

11. भारतीय कृषि विविधीकरण के संदर्भ में विचार करें
1.बागवानी क्षेत्र का उत्पादन कई बार खाद्यान्न उत्पादन से अधिक हो जाता है।
2.बागवानी उत्पादन में फल, सब्जियाँ, मसाले और फूल शामिल होते हैं।
3.कृषि विविधीकरण से किसानों की आय में कमी आती है।
सही विकल्प चुनें
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

12. भारत में दलहन उत्पादन के संदर्भ में विचार करें
1.दलहन मिट्टी में नाइट्रोजन स्थिरीकरण में सहायक होते हैं।
2.भारत विश्व में दलहन का सबसे बड़ा उत्पादक है।
3.दलहन उत्पादन में मध्य प्रदेश और गुजरात प्रमुख राज्य हैं।
सही विकल्प
(a) 1 और 2
(b) 1 और 3
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

13. **तिलहन उत्पादन के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें**
1.भारत खाद्य तेलों का बड़ा आयातक है।
2.तिलहन उत्पादन में सरसों और सोयाबीन प्रमुख फसलें हैं।
3.भारत खाद्य तेल उत्पादन में पूर्णतः आत्मनिर्भर है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

14. **भारत में कृषि क्षेत्र की चुनौतियों के संदर्भ में विचार करें**
1.छोटी और विखंडित भूमि जोत
2.कृषि में तकनीकी नवाचार का अभाव
3.जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 3

15. **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के संदर्भ में विचार करें**
1.इसे वर्ष 2013 में लागू किया गया।
2.इसके तहत सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है।
3.यह केवल शहरी गरीबों के लिए लागू है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

16. **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के संदर्भ में विचार करें**
1.यह किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करती है।
2.इसके तहत किसानों को प्रति वर्ष 6000 रुपये दिए जाते हैं।
3.यह केवल बड़े किसानों के लिए लागू है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

17. **भारत में पशुपालन क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें**
1.भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है।
2.पशुपालन किसानों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है।
3.पशुपालन का कृषि क्षेत्र में योगदान नगण्य है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

18. **भारत में कृषि बाजार सुधार के संदर्भ में विचार करें**
1.डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार से जोड़ते हैं।
2.इससे मूल्य पारदर्शिता बढ़ती है।
3.इससे किसानों की आय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

19. **भारतीय कृषि में जल प्रबंधन के संदर्भ में विचार करें**
1.सूक्ष्म सिंचाई जल उपयोग दक्षता बढ़ाती है।
2.जल संरक्षण कृषि उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है।
3.सिंचाई का कृषि उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं होता।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

20. **भारत में कृषि क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें**
1.कृषि क्षेत्र ग्रामीण रोजगार का प्रमुख स्रोत है।
2.कृषि से जुड़े क्षेत्र जैसे पशुपालन और मत्स्य पालन आय बढ़ाने में सहायक हैं।
3.कृषि क्षेत्र का महत्व समय के साथ पूरी तरह समाप्त हो गया है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

21. **भारत में कृषि विविधीकरण के लाभों के संदर्भ में विचार करें**
1.किसानों की आय में वृद्धि
2.जोखिम में कमी
3.मिट्टी की उर्वरता में सुधार
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 2 और 3

22. **भारत में खाद्यान्न उत्पादन के संदर्भ में विचार करें**
1.गेहूँ और चावल प्रमुख खाद्यान्न फसलें हैं।
2.भारत विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादकों में शामिल है।
3.भारत में खाद्यान्न उत्पादन घट रहा है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

23. **भारत में कृषि में तकनीकी उपयोग के संदर्भ में विचार करें**
1.डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म किसानों को सूचना उपलब्ध कराते हैं।
2.तकनीक से उत्पादकता बढ़ सकती है।
3.तकनीकी उपयोग केवल विकसित देशों तक सीमित है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) केवल 1 (d) 1, 2 और 3

24. **भारत में कृषि स्थिरता के संदर्भ में विचार करें**
1.जल संरक्षण आवश्यक है।
2.मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन महत्वपूर्ण है।
3.जैविक खेती का कोई महत्व नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

25. **भारत में खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में विचार करें**
1.सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) खाद्यान्न वितरण का प्रमुख माध्यम है।
2.यह गरीब और कमजोर वर्गों को खाद्यान्न उपलब्ध कराती है।
3.इसका उद्देश्य केवल निर्यात बढ़ाना है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत में कृषि व संबद्ध क्षेत्र राष्ट्रीय आय में लगभग पाँचवाँ हिस्सा योगदान देता है तथा लगभग 46% कार्यबल इसमें कार्यरत है। परन्तु सेवा क्षेत्र का योगदान कृषि से कहीं अधिक है, इसलिए कथन 3 गलत है।

2. [b]

व्याख्या:-

◈ हाल के वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है तथा पशुपालन-मत्स्य पालन का योगदान कृषि आय में लगातार बढ़ रहा है। कृषि विविधीकरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

3. [a]

व्याख्या:-

◈ भारतीय कृषि में छोटी जोतें, गुणवत्तापूर्ण बीज व उर्वरक तक सीमित पहुँच तथा कम निवेश प्रमुख समस्याएँ हैं। निवेश अत्यधिक नहीं बल्कि अपेक्षाकृत कम है, इसलिए कथन 3 गलत है।

4. [d]

व्याख्या:-

◈ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, कृषि विस्तार मिशन, राष्ट्रीय बागवानी मिशन उत्पादकता बढ़ाते हैं जबकि पीएम-किसान किसानों को आय सहायता देता है। सभी योजनाएँ कृषि सुधार और आय वृद्धि में योगदान करती हैं।

5. [a]

व्याख्या:-

◈ हाल के वर्षों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 357 मिलियन टन तक पहुँचा है जिसमें गेहूँ और चावल प्रमुख हैं। बागवानी उत्पादन अलग श्रेणी में आता है इसलिए कथन 3 गलत है।

6. [c]

व्याख्या:-

◈ भारत में बागवानी उत्पादन कई वर्षों से खाद्यान्न उत्पादन से अधिक है। इसमें फल-सब्जियाँ प्रमुख हैं और यह कृषि विविधीकरण तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

7. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और पशुधन संख्या भी बढ़ी है। पशुपालन कृषि आय में बढ़ती भूमिका निभा रहा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

8. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत में राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फिर भी देश खाद्य तेलों का बड़ा आयातक है इसलिए आत्मनिर्भरता अभी पूरी नहीं हुई है।

9. [a]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार से जोड़ते हैं और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। यह केवल बड़े किसानों तक सीमित नहीं है बल्कि छोटे किसानों को भी लाभ पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

10. [a]

व्याख्या:-

◈ NFSA 2013 के तहत लगभग 67% आबादी को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी को कवर करता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

11. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत में बागवानी उत्पादन कई वर्षों से खाद्यान्न उत्पादन से अधिक है। इसमें फल, सब्जियाँ, मसाले और फूल शामिल होते हैं। विविधीकरण किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

12. [d]

व्याख्या:-

◈ दलहन फसलें जैविक नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती हैं जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दलहन उत्पादक है तथा मध्य प्रदेश और गुजरात प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

13. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत तिलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों के बावजूद खाद्य तेलों का बड़ा आयातक है। सरसों और सोयाबीन प्रमुख तिलहन फसलें हैं। देश अभी पूर्ण आत्मनिर्भर नहीं है इसलिए कथन 3 गलत है।

14. [c]

व्याख्या:-

◈ भारतीय कृषि में छोटी जोत, तकनीकी अपनाने की सीमाएँ और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियाँ प्रमुख समस्याएँ हैं। ये सभी कारक कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को प्रभावित करते हैं।

15. [a]

व्याख्या:-

◈ NFSA 2013 के तहत पात्र आबादी को सस्ती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को कवर करता है इसलिए कथन 3 गलत है।

16. [a]

व्याख्या:-

◈ पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की आय सहायता तीन किस्तों में दी जाती है। यह छोटे और सीमांत किसानों के लिए भी उपलब्ध है इसलिए कथन 3 गलत है।

17. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और पशुपालन किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है। इसका योगदान महत्वपूर्ण है, इसलिए कथन 3 गलत है।

18. [a]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार से जोड़ते हैं और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। इससे बेहतर मूल्य प्राप्ति की संभावना बढ़ती है, इसलिए कथन 3 गलत है।

19. [a]

व्याख्या:-

◈ सूक्ष्म सिंचाई तकनीक जल उपयोग दक्षता बढ़ाती है और कृषि उत्पादकता में सुधार करती है। सिंचाई कृषि उत्पादन का महत्वपूर्ण घटक है, इसलिए कथन 3 गलत है।

20. [a]

व्याख्या:-

◈ कृषि भारत में ग्रामीण रोजगार का मुख्य स्रोत है और पशुपालन तथा मत्स्य पालन जैसे संबद्ध क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाते हैं। कृषि का महत्व अभी भी बना हुआ है इसलिए कथन 3 गलत है।

21. [b]

व्याख्या:-

◈ कृषि विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ती है, जोखिम कम होता है और फसल चक्र के कारण मिट्टी की उर्वरता में सुधार हो सकता है। यह कृषि स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

22. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत गेहूँ और चावल का प्रमुख उत्पादक है और विश्व के बड़े खाद्यान्न उत्पादकों में शामिल है। उत्पादन घट नहीं रहा बल्कि बढ़ रहा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

23. [a]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीक कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद करते हैं। तकनीक का उपयोग भारत सहित कई विकासशील देशों में भी बढ़ रहा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

24. [a]

व्याख्या:-

◈ कृषि स्थिरता के लिए जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और जैविक खेती जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं। जैविक खेती का महत्व बढ़ रहा है इसलिए कथन 3 गलत है।

25. [a]

व्याख्या:-

◈ PDS भारत में खाद्यान्न वितरण का मुख्य तंत्र है और इसका उद्देश्य गरीब व कमजोर वर्गों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है। इसका उद्देश्य निर्यात बढ़ाना नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सेवा क्षेत्र

1. भारत के सेवा निर्यात के संदर्भ में विचार करें
1.भारत आईटी सेवाओं के निर्यात में अग्रणी देशों में है।
2.सेवा निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन का महत्वपूर्ण स्रोत है।
3.सेवा निर्यात केवल पर्यटन पर आधारित है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. भारत के सेवा क्षेत्र में रोजगार के संदर्भ में विचार करें
1.शहरी रोजगार में सेवा क्षेत्र का योगदान अधिक है।
2.सेवा क्षेत्र में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के रोजगार मिलते हैं।
3.सेवा क्षेत्र में केवल उच्च कौशल वाले रोजगार ही उपलब्ध होते हैं।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

3. भारत के सेवा क्षेत्र के उप-क्षेत्रों के संदर्भ में विचार करें
1.व्यापार, होटल और परिवहन सेवा क्षेत्र में आते हैं।
2.वित्तीय सेवाएँ और रियल एस्टेट सेवा क्षेत्र का हिस्सा हैं।
3.विनिर्माण गतिविधियाँ भी सेवा क्षेत्र में शामिल होती हैं।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

4. वैश्विक सेवा व्यापार के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.डिजिटल तकनीक ने सीमा-पार सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा दिया है।
2.सेवा व्यापार केवल विकसित देशों तक सीमित है।
3.आईटी सेवाएँ वैश्विक सेवा व्यापार का महत्वपूर्ण भाग हैं।
सही विकल्प चुनिए
(a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

5. भारत के सेवा क्षेत्र के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.भारत में सेवा क्षेत्र सकल मूल्य वर्धन (GVA) में सबसे अधिक योगदान देता है।
2.सेवा क्षेत्र का योगदान कृषि और उद्योग दोनों से कम है।
3.सेवा क्षेत्र में विदेशी निवेश का बड़ा हिस्सा आता है।
सही कथन कौन-से हैं?
(a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

6. भारत के सेवा क्षेत्र के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.सेवा क्षेत्र भारत के सकल मूल्य वर्धन (GVA) में सबसे अधिक योगदान देता है।
2.सेवा क्षेत्र का विकास मुख्यतः शहरी अर्थव्यवस्था से जुड़ा है।
3.सेवा क्षेत्र का योगदान कृषि से कम है।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

7. वैश्विक सेवा व्यापार के संदर्भ में विचार करें
1.डिजिटल तकनीक ने सेवा व्यापार को बढ़ावा दिया है।
2.सेवाओं का व्यापार वस्तुओं की तुलना में कम बढ़ा है।
3.आईटी सेवाएँ सेवा व्यापार का महत्वपूर्ण भाग हैं।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

8. भारत में सेवा क्षेत्र के उपक्षेत्रों के संदर्भ में विचार करें
1.वित्तीय सेवाएँ 2.रियल एस्टेट
3.व्यापार और परिवहन 4.विनिर्माण
सही विकल्प
(a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 4
(c) 2 और 3 (d) 1, 3 और 4

9. भारत के सेवा निर्यात के संदर्भ में विचार करें
1.आईटी और आईटी-सक्षम सेवाएँ प्रमुख हैं।
2.सेवा निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन में योगदान देता है।
3.सेवा निर्यात केवल पर्यटन पर निर्भर है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

10. सेवा क्षेत्र में रोजगार के संदर्भ में विचार करें
1.सेवा क्षेत्र शहरी रोजगार का बड़ा स्रोत है।
2.सेवा क्षेत्र में अनौपचारिक रोजगार भी मौजूद है।
3.सेवा क्षेत्र केवल उच्च कौशल रोजगार प्रदान करता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

11. सेवा क्षेत्र और विदेशी निवेश के संदर्भ में विचार करें
1.सेवा क्षेत्र में FDI का बड़ा हिस्सा आता है।
2.आईटी और वित्तीय सेवाएँ निवेश आकर्षित करती हैं।
3.सेवा क्षेत्र में विदेशी निवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) केवल 2 (d) 1, 2 और 3

12. भारत के सेवा क्षेत्र की चुनौतियों के संदर्भ में विचार करें
1.कौशल की कमी
2.क्षेत्रीय असमानता
3.तकनीकी विकास का पूर्ण अभाव
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

13. डिजिटल सेवाओं के संदर्भ में विचार करें
1.इंटरनेट आधारित सेवाओं ने वैश्विक सेवा व्यापार बढ़ाया है।
2.डिजिटल प्लेटफॉर्म छोटे व्यवसायों को वैश्विक बाजार तक पहुँच देते हैं।
3.डिजिटल सेवाएँ केवल घरेलू बाजार तक सीमित रहती हैं।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

14. भारत में सेवा क्षेत्र के योगदान के संदर्भ में विचार करें
1.सेवा क्षेत्र GDP में प्रमुख योगदान देता है।
2.सेवा क्षेत्र आर्थिक विकास का प्रमुख चालक है।
3.सेवा क्षेत्र का निर्यात में योगदान नगण्य है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

15. भारत के सेवा क्षेत्र में आईटी उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.आईटी सेवाएँ सेवा निर्यात का बड़ा हिस्सा हैं।
2.आईटी उद्योग ने वैश्विक आउटसोर्सिंग को बढ़ावा दिया है।
3.आईटी उद्योग का भारत की अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

16. भारत के डेटा सेंटर उद्योग के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.भारत का डेटा सेंटर बाजार 2030 तक लगभग 8 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है।
2.डेटा सेंटर उद्योग का विकास मुख्यतः डिजिटल सेवाओं और क्लाउड कंप्यूटिंग से जुड़ा है।
3.भारत में डेटा सेंटर की ऊर्जा खपत वैश्विक औसत से कम है।
सही विकल्प चुनिए
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

17. भारत में GenAI स्टार्टअप के संदर्भ में विचार करें
1.भारत में GenAI स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ी है।
2.GenAI स्टार्टअप का अधिकांश निवेश एप्लिकेशन विकास में जाता है।
3.GenAI स्टार्टअप का वितरण सभी राज्यों में समान है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

18. भारत में अनुसंधान एवं विकास (R&D) के संदर्भ में विचार करें
1.भारत में R&D व्यय का बड़ा हिस्सा व्यवसाय क्षेत्र द्वारा किया जाता है।
2.R&D निवेश का एक उद्देश्य नवाचार और उत्पादकता बढ़ाना है।
3.भारत में पेटेंट आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) 2 और 3

19. परिवहन सेवाओं के संदर्भ में विचार करें
1.परिवहन क्षेत्र GDP में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
2.यह विनिर्माण और व्यापार की गतिशीलता को प्रभावित करता है।
3.परिवहन सेवाओं का आर्थिक विकास से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

20. भारत में बंदरगाहों के संदर्भ में विचार करें
1.भारत के प्रमुख बंदरगाहों में कार्गो हैंडलिंग क्षमता बढ़ी है।
2.बंदरगाहों का विकास वैश्विक व्यापार से जुड़ा है।
3.बंदरगाहों का उपयोग केवल घरेलू व्यापार के लिए होता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

21. भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.रियल एस्टेट क्षेत्र GDP में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
2.यह निर्माण और रोजगार सृजन से जुड़ा है।
3.रियल एस्टेट क्षेत्र केवल ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

22. भारत में मीडिया और मनोरंजन उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा दिया है।
2.OTT सेवाओं ने सामग्री वितरण के नए मॉडल बनाए हैं।
3.मीडिया उद्योग का डिजिटल तकनीक से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

23. सेवा क्षेत्र और वैश्वीकरण के संदर्भ में विचार करें
1.डिजिटल तकनीक ने सेवाओं के वैश्विक व्यापार को बढ़ाया है।
2.आउटसोर्सिंग सेवा क्षेत्र के विस्तार का प्रमुख कारण है।
3.सेवा व्यापार केवल घरेलू बाजार तक सीमित रहता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

24. भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के संदर्भ में विचार करें
1.तकनीकी स्टार्टअप का तेजी से विस्तार हुआ है।
2.स्टार्टअप नवाचार और रोजगार सृजन में योगदान देते हैं।
3.स्टार्टअप केवल सरकारी क्षेत्र में स्थापित होते हैं।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

25. भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के संदर्भ में विचार करें
1.डिजिटल सेवाओं ने सेवा क्षेत्र की वृद्धि को बढ़ावा दिया है।
2.ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान इसका हिस्सा हैं।
3.डिजिटल अर्थव्यवस्था का आर्थिक विकास से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं के निर्यात में विश्व के अग्रणी देशों में है। सेवा निर्यात विदेशी मुद्रा अर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह केवल पर्यटन पर आधारित नहीं है; वित्त, आईटी और अन्य सेवाएँ भी शामिल हैं।

2. [b]

व्याख्या:-

◈ सेवा क्षेत्र शहरी रोजगार का प्रमुख स्रोत है और इसमें औपचारिक व अनौपचारिक दोनों प्रकार की नौकरियाँ उपलब्ध हैं। कम-कौशल वाली सेवाएँ भी इसमें शामिल हैं, इसलिए कथन 3 गलत है।

3. [a]

व्याख्या:-

◈ व्यापार, होटल, परिवहन, वित्तीय सेवाएँ और रियल एस्टेट सभी सेवा क्षेत्र के उपक्षेत्र हैं। विनिर्माण उद्योग क्षेत्र में आता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

4. [b]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल तकनीक ने सीमा-पार सेवा व्यापार को बढ़ाया है और आईटी सेवाएँ इसका प्रमुख हिस्सा हैं। सेवा व्यापार केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं है; कई विकासशील देश भी इसमें सक्रिय हैं। इसलिए कथन 2 गलत है।

5. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र GVA में सबसे अधिक योगदान देता है और यह विदेशी निवेश का प्रमुख आकर्षण है। इसलिए कथन 1 और 3 सही हैं। सेवा क्षेत्र का योगदान कृषि और उद्योग से अधिक है, इसलिए कथन 2 गलत है।

6. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत में सेवा क्षेत्र GVA में सबसे बड़ा योगदान देता है और इसका विकास मुख्यतः शहरी क्षेत्रों में केंद्रित है। कृषि की तुलना में इसका योगदान अधिक है, इसलिए कथन 3 गलत है।

7. [b]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल तकनीकों और इंटरनेट ने सेवा व्यापार को तेज किया है। आईटी सेवाएँ वैश्विक सेवा व्यापार का प्रमुख हिस्सा हैं। कई मामलों में सेवाओं का व्यापार तेजी से बढ़ा है, इसलिए कथन 2 गलत है।

8. [a]

व्याख्या:-

◈ वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट, व्यापार और परिवहन सभी सेवा क्षेत्र के भाग हैं। विनिर्माण उद्योग क्षेत्र में आता है, इसलिए कथन 4 गलत है।

9. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत का सेवा निर्यात मुख्यतः आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं पर आधारित है। यह विदेशी मुद्रा अर्जन का बड़ा स्रोत है। पर्यटन भी महत्वपूर्ण है लेकिन सेवा निर्यात केवल उसी पर निर्भर नहीं है।

10. [a]

व्याख्या:-

◈ सेवा क्षेत्र शहरी रोजगार का प्रमुख स्रोत है और इसमें औपचारिक व अनौपचारिक दोनों प्रकार की नौकरियाँ शामिल हैं। कई कम-कौशल वाली सेवाएँ भी होती हैं, इसलिए कथन 3 गलत है।

11. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत में FDI का बड़ा हिस्सा सेवा क्षेत्र में आता है, विशेषकर आईटी, वित्तीय सेवाओं और रियल एस्टेट में। इस क्षेत्र में विदेशी निवेश पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, इसलिए कथन 3 गलत है।

12. [b]

व्याख्या:-

◈ सेवा क्षेत्र में कौशल अंतराल और क्षेत्रीय असमानता प्रमुख समस्याएँ हैं। तकनीकी विकास लगातार हो रहा है और आईटी क्षेत्र इसका उदाहरण है, इसलिए कथन 3 गलत है।

13. [a]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल तकनीक ने सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दिया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छोटे व्यवसायों को वैश्विक बाजार से जोड़ते हैं। इसलिए कथन 3 गलत है।

14. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र GDP का सबसे बड़ा हिस्सा देता है और आर्थिक विकास का प्रमुख चालक है। सेवा निर्यात भी महत्वपूर्ण है, इसलिए कथन 3 गलत है।

15. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत का आईटी उद्योग सेवा निर्यात का प्रमुख हिस्सा है और वैश्विक आउटसोर्सिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका अर्थव्यवस्था पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव है, इसलिए कथन 3 गलत है।

16. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत का डेटा सेंटर उद्योग डिजिटल सेवाओं, क्लाउड कंप्यूटिंग और AI के विस्तार के कारण तेजी से बढ़ रहा है और 2030 तक लगभग 8 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। डेटा सेंटर ऊर्जा-गहन होते हैं, इसलिए कथन 3 सही नहीं माना जाता।

17. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत में GenAI स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं और निवेश का बड़ा हिस्सा एप्लिकेशन विकास में जा रहा है। हालांकि इनका वितरण समान नहीं है; कर्नाटक, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में अधिक स्टार्टअप केंद्रित हैं।

18. [c]

व्याख्या:-

◈ भारत में R&D निवेश का बड़ा हिस्सा निजी क्षेत्र से आता है। इसका उद्देश्य नवाचार, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है। हाल के वर्षों में पेटेंट आवेदन भी बढ़े हैं, जो तकनीकी विकास और नवाचार को दर्शाते हैं।

19. [b]

व्याख्या:-

◈ परिवहन सेवाएँ आर्थिक गतिविधियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और विनिर्माण, व्यापार तथा क्षेत्रीय विकास को प्रभावित करती हैं। इसलिए कथन 3 गलत है।

20. [a]

व्याख्या:-

◈ भारत के बंदरगाह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के महत्वपूर्ण केंद्र हैं और उनकी कार्गो क्षमता बढ़ाई जा रही है। इनका उपयोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों व्यापार में होता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

21. [b]

व्याख्या:-

◈ रियल एस्टेट क्षेत्र शहरी अर्थव्यवस्था और निर्माण गतिविधियों से जुड़ा है और रोजगार सृजन में योगदान देता है। यह केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है।

22. [b]

व्याख्या:-

◈ OTT प्लेटफॉर्म और डिजिटल मीडिया ने मनोरंजन उद्योग में बड़ा बदलाव किया है। इससे सामग्री वितरण और उपभोग के नए मॉडल विकसित हुए हैं। इसलिए कथन 3 गलत है।

23. [a]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल तकनीक और आउटसोर्सिंग ने सेवा क्षेत्र के वैश्विक विस्तार को बढ़ावा दिया है। सेवा व्यापार अब सीमा-पार भी होता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

24. [b]

व्याख्या:-

◈ भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है और नवाचार तथा रोजगार सृजन में योगदान दे रहा है। स्टार्टअप निजी क्षेत्र में स्थापित होते हैं, इसलिए कथन 3 गलत है।

25. [b]

व्याख्या:-

◈ डिजिटल अर्थव्यवस्था में ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सेवाएँ शामिल हैं। यह आर्थिक विकास और सेवा क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उद्योग क्षेत्र

1. भारत के विनिर्माण क्षेत्र के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.विनिर्माण क्षेत्र का विकास आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।
2.वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी से विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है।
3.भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक व्यापार से पूरी तरह अलग है।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. भारत के विनिर्माण PMI के संदर्भ में विचार करें
1.PMI सूचकांक औद्योगिक गतिविधि की प्रवृत्ति को दर्शाता है।
2.PMI का मान 50 से अधिक होने पर विस्तार का संकेत देता है।
3.PMI केवल कृषि क्षेत्र की गतिविधि को मापता है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

3. भारत में औद्योगिक ऋण प्रवाह के संदर्भ में विचार करें
1.बैंक ऋण औद्योगिक निवेश का एक प्रमुख स्रोत है।
2.हाल के वर्षों में औद्योगिक ऋण में उतार-चढ़ाव देखा गया है।
3.उद्योग क्षेत्र को बैंक ऋण की आवश्यकता नहीं होती।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

4. भारत के सीमेंट उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.भारत विश्व के प्रमुख सीमेंट उत्पादक देशों में शामिल है।
2.सीमेंट उद्योग निर्माण क्षेत्र से घनिष्ठ रूप से जुड़ा है।
3.सीमेंट उत्पादन का बुनियादी ढांचे के विकास से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

5. भारत में इस्पात उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.इस्पात उद्योग औद्योगिक विकास का आधार माना जाता है।
2.यह निर्माण, ऑटोमोबाइल और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में उपयोग होता है।
3.भारत इस्पात उत्पादन में वैश्विक स्तर पर नगण्य भूमिका रखता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

6. भारत के कोयला क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.कोयला ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख स्रोत है।
2.भारत विश्व के बड़े कोयला उत्पादकों में शामिल है।
3.भारत में कोयला उत्पादन पूरी तरह समाप्त हो चुका है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

7. भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.यह उद्योग विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
2.ऑटोमोबाइल उद्योग रोजगार सृजन में सहायक है।
3.यह उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से पूरी तरह अलग है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

8. भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के संदर्भ में विचार करें
1.इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण भारत में तेजी से बढ़ रहा है।
2.यह निर्यात वृद्धि में योगदान दे सकता है।
3.इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का तकनीकी नवाचार से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

9. भारत में औद्योगिक विकास के संदर्भ में विचार करें
1.औद्योगिक नीति निवेश आकर्षित करने में सहायक होती है।
2.तकनीकी उन्नयन से उत्पादकता बढ़ती है।
3.औद्योगिक विकास का आर्थिक वृद्धि से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

10. भारत में औद्योगिक उत्पादन के संदर्भ में विचार करें
1.औद्योगिक उत्पादन आर्थिक गतिविधि का महत्वपूर्ण संकेतक है।
2.यह रोजगार और निवेश को प्रभावित करता है।
3.औद्योगिक उत्पादन का GDP से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

11. भारत के कपड़ा उद्योग के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.कपड़ा उद्योग भारत के सबसे बड़े रोजगार प्रदाताओं में से एक है।
2.यह कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र माना जाता है।
3.भारत के वस्त्र निर्यात में केवल सूती वस्त्र शामिल होते हैं।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

12. भारत के वस्त्र निर्यात के संदर्भ में विचार करें
1.रेडीमेड गारमेंट्स भारत के वस्त्र निर्यात का बड़ा हिस्सा हैं।
2.कपास आधारित वस्त्र भी निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
3.भारत का वस्त्र निर्यात वैश्विक बाजार से अलग है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

13. राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन (NMM) के संदर्भ में विचार करें
1.इसका उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है।
2.यह रोजगार सृजन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।
3.यह केवल कृषि क्षेत्र के विकास के लिए बनाया गया है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

14. भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.यह उद्योग रोजगार और निर्यात दोनों में योगदान देता है।
2.भारत दुनिया के बड़े ऑटोमोबाइल बाजारों में शामिल है।
3.भारत में ऑटोमोबाइल उद्योग केवल दोपहिया वाहनों तक सीमित है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

15. भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (EV) के संदर्भ में विचार करें
1.EV पंजीकरण में हाल के वर्षों में वृद्धि हुई है।
2.EV को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीतियाँ लागू की गई हैं।
3.EV का परिवहन क्षेत्र के उत्सर्जन से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

16. भारत के कोयला क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.भारत विश्व के बड़े कोयला उत्पादकों में शामिल है।
2.कोयला बिजली उत्पादन का प्रमुख स्रोत है।
3.भारत कोयला उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

17. कोयला खपत के संदर्भ में विचार करें
1.कोयला उद्योग ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2.कोयले का उपयोग केवल इस्पात उद्योग में होता है।
3.कोयला बिजली उत्पादन में व्यापक रूप से उपयोग होता है।
सही विकल्प
(a) 1 और 3 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

18. भारत के इस्पात उद्योग के संदर्भ में विचार करें
1.इस्पात उद्योग बुनियादी ढांचा विकास से जुड़ा है।
2.यह निर्माण और ऑटोमोबाइल उद्योगों के लिए आवश्यक है।
3.भारत वैश्विक इस्पात उत्पादन में नगण्य भूमिका निभाता है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

19. भारत में औद्योगिक विकास के संदर्भ में विचार करें
1.औद्योगिक नीति निवेश आकर्षित करने में मदद करती है।
2.तकनीकी नवाचार से उत्पादकता बढ़ती है।
3.औद्योगिक विकास का रोजगार से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

20. भारत के औद्योगिक क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.औद्योगिक क्षेत्र आर्थिक संरचनात्मक परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
2.यह कृषि से उद्योग की ओर श्रम स्थानांतरण को बढ़ावा देता है।
3.औद्योगिक क्षेत्र का आर्थिक विकास से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

21. भारत में औद्योगिक निवेश के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें
1.औद्योगिक निवेश उत्पादकता वृद्धि और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है।
2.तकनीकी उन्नयन औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में सहायक है।
3.औद्योगिक निवेश का रोजगार सृजन से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प चुनिए
(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

22. भारत में तकनीकी प्रगति और औद्योगिक विकास के संदर्भ में विचार करें
1.तकनीकी नवाचार उत्पादन लागत कम कर सकता है।
2.तकनीकी विकास औद्योगिक दक्षता बढ़ाने में सहायक है।
3.तकनीकी प्रगति का उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

23. भारत के MSME क्षेत्र के संदर्भ में विचार करें
1.MSME क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
2.यह क्षेत्र नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देता है।
3.MSME का निर्यात में कोई योगदान नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

24. भारत में उद्यमिता के विकास के संदर्भ में विचार करें
1.उद्यमिता आर्थिक विकास को गति देती है।
2.उद्यमिता नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देती है।
3.उद्यमिता केवल बड़े उद्योगों तक सीमित होती है।
सही विकल्प
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

25. औद्योगिक उत्पादकता के संदर्भ में विचार करें
1.उत्पादकता वृद्धि आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।
2.तकनीकी उन्नयन उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है।
3.उत्पादकता का आर्थिक विकास से कोई संबंध नहीं है।
सही विकल्प
(a) 1 और 2 (b) केवल 1
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]
व्याख्या:-
◈ विनिर्माण क्षेत्र आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का प्रमुख स्रोत है तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी से निर्यात और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक व्यापार से जुड़ा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

2. [b]
व्याख्या:-
◈ PMI (Purchasing Managers' Index) विनिर्माण गतिविधि का प्रमुख संकेतक है। 50 से ऊपर का मान उत्पादन विस्तार दर्शाता है। यह औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित है, कृषि क्षेत्र से नहीं।

3. [b]
व्याख्या:-
◈ औद्योगिक निवेश के लिए बैंक ऋण महत्वपूर्ण स्रोत है और विभिन्न आर्थिक परिस्थितियों के कारण इसमें उतार-चढ़ाव देखा गया है। उद्योगों को वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है, इसलिए कथन 3 गलत है।

4. [b]
व्याख्या:-
◈ भारत विश्व के बड़े सीमेंट उत्पादकों में शामिल है और यह निर्माण तथा बुनियादी ढांचा विकास से सीधे जुड़ा है। सड़क, आवास और औद्योगिक परियोजनाओं में इसकी बड़ी भूमिका है।

5. [a]
व्याख्या:-
◈ इस्पात उद्योग औद्योगिक विकास का आधार है और इसका उपयोग निर्माण, ऑटोमोबाइल और अवसंरचना में होता है। भारत विश्व के प्रमुख इस्पात उत्पादकों में शामिल है, इसलिए कथन 3 गलत है।

6. [b]
व्याख्या:-
◈ कोयला भारत में बिजली उत्पादन का प्रमुख स्रोत है और भारत विश्व के बड़े उत्पादकों में शामिल है। कोयला उत्पादन अभी भी जारी है, इसलिए कथन 3 गलत है।

7. [a]
व्याख्या:-
◈ ऑटोमोबाइल उद्योग भारत के विनिर्माण क्षेत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करता है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ा हुआ है।

8. [b]
व्याख्या:-
◈ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण भारत में तेजी से बढ़ रहा है और निर्यात बढ़ाने की क्षमता रखता है। तकनीकी नवाचार इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण घटक है।

9. [a]
व्याख्या:-
◈ औद्योगिक नीति निवेश और तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा देती है जिससे उत्पादकता और आर्थिक विकास में वृद्धि होती है। इसलिए कथन 3 गलत है।

10. [b]
व्याख्या:-
◈ औद्योगिक उत्पादन आर्थिक गतिविधि का प्रमुख संकेतक है और यह रोजगार तथा निवेश को प्रभावित करता है। GDP से इसका सीधा संबंध है।

11. [a]
व्याख्या:-
◈ कपड़ा उद्योग भारत के सबसे बड़े श्रम-प्रधान उद्योगों में से है और कृषि के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। भारत के वस्त्र निर्यात में सूती, सिंथेटिक, रेडीमेड गारमेंट्स, कालीन आदि शामिल हैं, इसलिए कथन 3 गलत है।

12. [b]
व्याख्या:-
◈ भारत के वस्त्र निर्यात में रेडीमेड गारमेंट्स और कॉटन टेक्सटाइल प्रमुख हैं। भारत वैश्विक वस्त्र बाजार का महत्वपूर्ण भाग है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़ा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

13. [b]

व्याख्या:-

- राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना, निवेश आकर्षित करना और रोजगार सृजन करना है। यह कृषि क्षेत्र के लिए नहीं बल्कि औद्योगिक विकास के लिए बनाया गया है।

14. [a]

व्याख्या:-

- भारत विश्व के बड़े ऑटोमोबाइल बाजारों में से एक है और यह उद्योग रोजगार तथा निर्यात दोनों में योगदान देता है। इसमें दोपहिया, चारपहिया, वाणिज्यिक वाहन आदि शामिल हैं, इसलिए कथन 3 गलत है।

15. [a]

व्याख्या:-

- भारत में EV पंजीकरण तेजी से बढ़ रहा है और इसे बढ़ावा देने के लिए FAME जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं। EV का उद्देश्य परिवहन क्षेत्र से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करना है, इसलिए कथन 3 गलत है।

16. [a]

व्याख्या:-

- भारत विश्व के प्रमुख कोयला उत्पादकों में शामिल है और बिजली उत्पादन में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। हालांकि भारत अभी भी कुछ कोयला आयात करता है, इसलिए कथन 3 सही नहीं है।

17. [a]

व्याख्या:-

- कोयला ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्रोत है और बिजली उत्पादन में व्यापक रूप से उपयोग होता है। यह केवल इस्पात उद्योग तक सीमित नहीं है, इसलिए कथन 2 गलत है।

18. [b]

व्याख्या:-

- इस्पात उद्योग निर्माण, अवसंरचना और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए आवश्यक है। भारत वैश्विक इस्पात उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

19. [a]

व्याख्या:-

- औद्योगिक नीति निवेश और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देती है जिससे उत्पादकता और रोजगार सृजन दोनों बढ़ते हैं। इसलिए कथन 3 गलत है।

20. [b]

व्याख्या:-

- औद्योगिक क्षेत्र संरचनात्मक परिवर्तन का प्रमुख घटक है और कृषि से उद्योग की ओर श्रम स्थानांतरण को प्रोत्साहित करता है। यह आर्थिक विकास से सीधे जुड़ा है, इसलिए कथन 3 गलत है।

21. [b]

व्याख्या:-

- औद्योगिक निवेश उत्पादन क्षमता, उत्पादकता और आर्थिक विकास को बढ़ाता है। तकनीकी उन्नयन से प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ती है। उद्योग रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए कथन 3 गलत है।

22. [b]

व्याख्या:-

- तकनीकी प्रगति उत्पादन लागत घटाने, उत्पादकता बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। औद्योगिक विकास में नवाचार और तकनीकी उन्नयन अत्यंत आवश्यक होते हैं। इसलिए कथन 3 गलत है।

23. [a]

व्याख्या:-

- MSME क्षेत्र भारत में रोजगार सृजन, नवाचार और उद्यमिता का महत्वपूर्ण स्रोत है। यह निर्यात में भी योगदान देता है। इसलिए कथन 3 गलत है।

24. [b]

व्याख्या:-

- उद्यमिता आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह केवल बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों में भी सक्रिय रहती है।

25. [a]

व्याख्या:-

- उत्पादकता वृद्धि आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास का प्रमुख कारक है। तकनीकी उन्नयन उत्पादन दक्षता बढ़ाता है। उत्पादकता का आर्थिक विकास से सीधा संबंध है।

♦♦♦♦

भारत की राजव्यवस्था

01 भारत का संवैधानिक विकास

1. **भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
1. इसमें ब्रिटिश भारतीय प्रांतों और रियासतों के संघ के आधार पर एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान किया गया।
2. रक्षा और विदेशी मामलों को संघीय विधायिका के नियंत्रण में रखा गया।
उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

2. **भारत शासन अधिनियम, 1935 के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिये -**
1. अधिनियम में 110 धाराएं और 12 अनुसूचियां थी।
2. अधिनियम ने ऐसे अखिल भारतीय संघ की स्थापना की व्यवस्था की जिसमें प्रान्त एवं देशी रियासतें इकाइयों के रूप में सम्मिलित थे।
3. अधिनियम ने केन्द्र एवं इकाइयों के मध्य शक्तियों का विभाजन दो सूचियों - संघीय सूची व प्रान्तीय सूची में किया।
4. अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को दी गयीं।
उपर्युक्त में से कौन से कथन सहीं है -
(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2 और 4 दोनों
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4 दोनों

3. **नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को कथन (a) और तर्क (R) के रूप में चिह्नित किया गया है । दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में, निम्न में से कौन सा सत्य है ?**
कथन (a) : भारत में, जनता अपना स्वयं का प्रतिनिधि चुनती है।
तर्क (R) : भारत में प्रजातंत्र है।
(a) (a) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(b) (a) एवं (R) दोनों सत्य हैं और (R), (a) की सही व्याख्या है।
(c) (a) एवं (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (a) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (a) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

4. **नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को अभिकथन और तर्क (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्न में से कौन सा सत्य है ?**
अभिकथन (a) : भारत लोकतांत्रिक है।
(a) (a) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(b) (a) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (a) की सही व्याख्या है।
(c) (a) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (a) की सही व्याख्या नहीं हैं।
(d) (a) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

5. **नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को अभिकथन (a) और तर्क (R) के रूप में चिह्नित किया गया हैं। दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में, निम्न में से कौन सा सत्य है ?**
अभिकथन (a) : भारतीय संविधान निकट रूप से ब्रिटिश संसदीय मॉडल का अनुसरण करता है।
तर्क (R) : भारत में संसद के ऊपरी सदन के पास न्यायिक शक्तियाँ हैं।
(a) (a) एवं (R) दोनों सत्य हैं और (R), (a) की सही व्याख्या है।
(b) (a) एवं (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (a) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (a) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (a) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है ।

6. **सूची-1 का सूची-II से मिलान कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए –**

सूची-1	सूची – II
(a) मोंट-फोर्ड रिपोर्ट	(i) 1928
(b) मोतीलाल नेहरु रिपोर्ट	(ii) 1919
(c) जे.वी.पी. समिति	(iii) 1948
(d) मार्ले-मिंटो सुधार	(iv) 1909

कूट –
(a) a-(iv), b-(iii), c-(i), d-(ii)
(b) a-(iv), b-(i), c-(iii), d-(ii)
(c) a-(iv), b-(iii), c-(ii), d-(i)
(d) a-(ii), b-(i), c-(iii), d-(iv)

7. **भारत सरकार अधिनियम 1919 के संबंध में निम्न में से कौन सी विशेषता सही नहीं है -**
(a) इसने शासन की एक दोहरी योजना पेश की, जिसे सामान्यतः डायरेकी कहा जाता है।
(b) यह देश में द्वीपक्षीय और प्रत्यक्ष चुनाव की बात करता है।
(c) यह अलग मतदाता प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत का समर्थन नहीं करता है।
(d) इसमें लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान रखा गया।

8. **1813 के अधिनियम ने, निम्नलिखित के उन्मूलन का प्रारंभ किया -**
(i) भारत के साथ व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार
(ii) भारतीय चाय पर कंपनी का एकाधिकार
(iii) चीन के साथ व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार
(iv) प्रशासनिक पदों पर कंपनी का एकाधिकार
सही कूट चुनिए -
(a) केवल (i) (b) केवल (i) व (ii)
(c) केवल (i), (ii) व (iii) (d) (i), (ii), (iii) व (iv)

9. **भारत सरकार अधिनियम, 1935 के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है -**
(1) इस अधिनियम में ब्रिटिश प्रांतों और भारतीय राज्यों से मिलकर "अखिल भारतीय संघ" की परिकल्पना की गई थी।
(2) 1935 के अधिनियम का संघीय हिस्सा तब लागू हुआ जब रियासतों को संघ में शामिल होने के लिए राजी किया गया।
(3) भारत में केंद्र सरकार का संविधान वही रहा जो कुछ संशोधनों के साथ 1919 के अधिनियम के तहत था।
(4) 1919 के अधिनियम में यथा उपबंधित केन्द्रीय विधायिका की शक्ति और कार्य भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 तक अपरिवर्तित रहे।
कूट -
(a) केवल 1 सही है (b) केवल 3 सही है
(c) 1, 3 और 4 सही हैं (d) 2 और 4 दोनों सही हैं

10. **अधोलिखित घटनाओं का सही कालक्रम चुनिए :**
(i) अगस्त घोषणा **(ii) मैक्डोनल्ड अवार्ड**
(iii) अगस्त प्रस्ताव **(iv) वैवेल योजना**
कूट :
(a) (i), (ii), (iii) एवं (iv) (b) (iii), (ii), (i) एवं (iv)
(c) (ii), (i), (iii) एवं (iv) (d) (i), (iii), (in) एवं (iv)

11. **निम्नांकित में से कौन सा भारत में संवैधानिक विकास का सही कालक्रम है -**
(a) केन्द्रीय विधायिका के दो सदन
(b) केन्द्रीय विधानसभा के लिए निर्वाचन
(c) संविधान सभा की रचना
(d) केन्द्र और इकाइयों के मध्य शक्ति का वितरण
भारत में संवैधानिक विकास का सही कालक्रम है :
(a) (b), (d), (a), (c) (b) (a), (b), (c), (d)
(c) (b), (c), (d), (a) (d) (b), (a), (d), (c)

12. **निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय शासन अधिनियम, 1919 के संबंध में त्रुटिपूर्ण कथन है -**
(a) पहली बार एक द्विसदनात्मक विधानमंडल की स्थापना की गई।
(b) इंग्लैण्ड में भारत के लिए एक हाई कमिश्नर की नियुक्ति का प्रावधान किया गया।
(c) केन्द्रीय विधानमंडल में गैर-सरकारी निर्वाचित सदस्यों का बहुमत कर दिया गया।
(d) गवर्नर जनरल को विधानमण्डल के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

13. **सुमेलित कीजिए-**

सूची 1	**सूची 2**
A. प्रांतीय द्वैध शासन	**1. भारत सरकार अधि., 1858**
B. संघीय शासन	**2. भारत सरकार अधि., 1919**
C. साम्प्रदायिक निर्वाचन	**3. भारत सरकार अधि., 1935**
D. कम्पनी के शासन की समाप्ति	**4. मॉर्ले मिन्टो सुधार अधिनियम, 1909**

(a) 3, 4, 2, 1 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 2, 4, 3, 1 (d) 1, 3, 4, 2

14. **भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत भारतीय जनसंख्या के किस वर्ग को वोट देने का अधिकार दिया गया था -**
(a) भारत के सभी नागरिकों
(b) भारत में रहने वाले केवल ब्रिटिश नागरिकों
(c) केवल वे पुरुष जो कुछ निश्चित संपत्ति और शैक्षिक योग्यताएँ पूरी करते हों
(d) केवल वे महिलाएँ जो कुछ निश्चित संपत्ति और शैक्षिक योग्यताएँ पूरी करती हों

15. **किस भारत सरकार अधिनियम के तहत भारत में संघ और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की गई -**
(a) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(b) भारत सरकार अधिनियम, 1947
(c) भारत सरकार अधिनियम, 1861
(d) भारत सरकार अधिनियम, 1909

16. **भारतीय शासन अधिनियम, 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ किसे दी गई थीं ?**
(a) संघीय विधान मण्डल को
(b) गवर्नर जनरल को
(c) प्रांतीय विधान मण्डल को
(d) प्रांतीय राज्यपालों को

17. **भारत के संविधान की मूल संरचना के सिद्धांत का स्त्रोत है -**
(a) भारत का संविधान (b) न्यायिक व्यवस्था
(c) न्यायविदों के मत (d) संसदीय कानून

18. **निम्नांकित में से क्या भारत शासन अधिनियम, 1935 की विशेषता नहीं है -**
(a) संघ एवं प्रांतीय स्वायत्तता
(b) केन्द्र में द्वैध शासन
(c) समवर्ती सूची का सृजन
(d) प्रांतों में द्वैध शासन

19. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. Regulating Act ने बंगाल के गवर्नर को "गवर्नर-जनरल" का पद प्रदान किया।
2. इस अधिनियम ने कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना का प्रावधान किया।
3. इस अधिनियम ने भारत में संघीय ढांचे की स्थापना की।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

20. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. Pitt's India Act ने कंपनी और क्राउन के बीच द्वैध नियंत्रण (Dual Control) स्थापित किया।
2. इसने "बोर्ड ऑफ कंट्रोल" की स्थापना की।
3. इस अधिनियम ने भारत में पूर्ण जिम्मेदार सरकार स्थापित की।
सही विकल्प चुनिए –
(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

21. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. Charter Act ने बंगाल के गवर्नर-जनरल को "भारत का गवर्नर-जनरल" बनाया।
2. इसने विधि आयोग (Law Commission) की स्थापना का प्रावधान किया।
3. इसने प्रांतीय स्वायत्तता की स्थापना की।
सही विकल्प चुनिए
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

22. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. Indian Councils Act ने विधायी परिषदों में भारतीयों को नामित करने की अनुमति दी।
2. इस अधिनियम ने पोर्टफोलियो प्रणाली को वैधानिक मान्यता दी।
3. इसने प्रत्यक्ष चुनाव की व्यवस्था शुरू की।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

23. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –**
1. Government of India Act ने पृथक निर्वाचक मंडल की व्यवस्था की।
2. इसने केंद्रीय स्तर पर द्वैध शासन (Diarchy) लागू किया।
3. इसने विधायी परिषदों का विस्तार किया।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 3 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –
1. Government of India Act ने प्रांतों में द्वैध शासन (Diarchy) लागू किया।
2. इसने केंद्र में द्विसदनीय विधानमंडल की स्थापना की।
3. इसने संघीय न्यायालय की स्थापना की।
सही विकल्प चुनिए
(a) 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –
1. Government of India Act ने संघीय ढांचे का प्रावधान किया।
2. इसने प्रांतीय स्वायत्तता स्थापित की।
3. इसने मौलिक अधिकारों को शामिल किया।
सही विकल्प चुनिए
(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर सहित व्याख्या

1. [a]
व्याख्या:-
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 में वास्तव में अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान था। संघ में ब्रिटिश भारतीय प्रांत और रियासतें दोनों शामिल होनी थीं। हालाँकि, इस संघ की वास्तविक स्थापना एक निश्चित संख्या में रियासतों के इसमें शामिल होने पर सशर्त थी, जो अंततः नहीं हुआ, इसलिए संघ कभी नहीं बना।
- कथन 2 गलत है । भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत प्रशासित किए जाने वाले विषयों को आरक्षित और हस्तांतरित विषयों में विभाजित किया गया था। आरक्षित विषय- विदेशी मामले, रक्षा, आदिवासी क्षेत्र और धार्मिक मामले जिन्हें विशेष रूप से गवर्नर-जनरल द्वारा प्रशासित किया जाना था न कि संघीय विधायिका द्वारा। कार्यकारी पार्षदों की सलाह पर।

2. [c]
व्याख्या:-
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 : यह लगभग 11 'भागों' और 10 'अनुसूचियों' का आयोजन किया गया था।
- इसने प्रांतों और रियासतों को इकाइयों के रूप में मिलाकर एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान किया।
- अधिनियम ने तीन सूचियों के संदर्भ में केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को विभाजित किया
- अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को प्रदान की गई। हालाँकि, संघ कभी अस्तित्व में नहीं आया क्योंकि रियासतें इसमें शामिल नहीं हुईं।
- इसने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की।

3. [b]
व्याख्या:-
- भारत में एक लोकतंत्र है जिसका अर्थ है कि लोग अपने प्रतिनिधियों को अपनी पसंद से चुनते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में, सभी पात्र नागरिकों को उन निर्णयों को लेने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने का अधिकार है जो उन्हें प्रभावित करते हैं।

4. [c]
व्याख्या:-
- भारत 15 अगस्त, 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया, इसने 26 जनवरी, 1950 को संविधान को अपनाने के साथ खुद को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतंत्र राज्य घोषित किया। संविधान ने भारत के नागरिकों को अपनी पसंद चुनने की शक्ति दी अपनी सरकार बनाई और लोकतंत्र का मार्ग प्रशस्त किया।

5. [c]
व्याख्या:-
- हमारे भारतीय संविधान ने यूनाइटेड किंगडम (UK) की संवैधानिक प्रक्रिया को अपनाया है।
- प्रधान मंत्री, संसद, मंत्रिमंडल और उसके सदन, मंत्रिपरिषद की प्रणाली का अनुकरण यूनाइटेड किंगडम के संविधान से उनकी चयन प्रक्रिया और कार्यकाल में थोड़ा बदलाव करके किया गया था।
- उच्च सदन को अक्सर समीक्षा सदन कहा जाता है क्योंकि यह कार्यकारी सरकार के कार्यों और निर्णयों की जांच, उन्हें ध्यान में रखते हुए करता है।
- निचला सदन धन विधेयकों को आरंभ और अनुमोदित करता है।

6. [d]
व्याख्या:-
- मार्ले-मिंटो सुधार, साल 1909 में पारित भारतीय परिषद अधिनियम को कहते हैं।
- मोंटैग्यू-चेम्सफ़ोर्ड रिपोर्ट, साल 1918 में ब्रिटिश संसद को दी गई सिफ़ारिशों का एक समूह था।
- मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट, भारत के लिए नए संविधान की रूपरेखा थी। इसे 15 अगस्त, 1928 को पेश किया गया था।
- JVP समिति 1948-49 में भाषा के आधार पर नए राज्यों की स्थापना के लिए बनाई गई थी।

7. [c]
व्याख्या:-
- भारत सरकार अधिनियम, 1919 की विशेषताएं ये रहीं:
- इस अधिनियम ने देश में पहली बार द्विसदनीयता और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की।
- इस अधिनियम ने प्रांतों में द्वैध शासन की शुरुआत की।
- इस अधिनियम ने सिविल सेवकों की भर्ती के लिए लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान किया।
- इस अधिनियम ने केंद्र और प्रांत दोनों स्तरों पर शासन में सुधार किए।
- इस अधिनियम ने केंद्रीय विधायिका को ज़्यादा ताकतवर और जवाबदेह बनाया।

8. [a]
व्याख्या:-
- 1813 के चार्टर अधिनियम के प्रावधान : भारत में व्यापार पर कंपनी का एकाधिकार समाप्त हो गया, लेकिन कंपनी ने चीन के साथ व्यापार और चाय में व्यापार को बरकरार रखा।
- कंपनी के शेयरधारकों को भारत में राजस्व पर 10.5 प्रतिशत लाभांश दिया गया था।
- कंपनी को क्राउन की संप्रभुता के पक्षपात के बिना, प्रदेशों के कब्जे और 20 वर्षों के राजस्व को अधिक बनाए रखना था।
- नियंत्रण बोर्ड की शक्तियों को और बढ़ाया गया।
- हर साल भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और प्रेरणा के लिए एक लाख की राशि निर्धारित की जानी थी।

9. [c]

व्याख्या:-

- 1935 के भारत सरकार अधिनियम के संघीय हिस्से को तब लागू नहीं किया गया जब रियासतों को संघ में शामिल होने के लिए राजी किया गया। दरअसल, रियासतों की भागीदारी न होने के कारण संघीय प्रावधानों को पूरी तरह से लागू नहीं किया गया।

10. [a]

व्याख्या:-

- 1917 में आई अगस्त घोषणा को मोंटेग्यू-अगस्त घोषणा भी कहा जाता है।
- सांप्रदायिक पुरस्कार ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड द्वारा 16 अगस्त 1932 को बनाया गया था।
- अगस्त प्रस्ताव, ब्रिटिश सरकार का एक प्रस्ताव था, जिसे 8 अगस्त, 1940 को वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो ने शिमला में पेश किया था।
- वैवेल योजना, भारत के वायसराय लॉर्ड वेवेल द्वारा 4 जून, 1945 को प्रस्तावित की गई थी।

11. [d]

व्याख्या:-

- केन्द्रीय विधानसभा के लिए निर्वाचन (1919)
- केन्द्रीय विधायिका के दो सदन (1935)
- केन्द्र और इकाइयों के मध्य शक्ति का वितरण(1935)
- संविधान सभा की रचना (1946)

12. [d]

व्याख्या:-

- इस अधिनियम ने गवर्नर-जनरल को मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी बनाया।
- वायसराय की कार्यकारी परिषद में आठ सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया जिसमें तीन भारतीय सदस्यों को शामिल करना था।
- गवर्नर जनरल को अनुदानों में कटौती करने का अधिकार था, वह केंद्रीय विधायिका द्वारा लौटा दिये गए बिलों को प्रमाणित कर सकता था तथा अध्यादेश जारी कर सकता था।

13. [b]

व्याख्या:-

- 1919 का भारत सरकार अधिनियम (गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऐक्ट) प्रांतीय सरकारों को मजबूत बनाने और द्वैध शासन की स्थापना करने के लिए था।
- भारत सरकार अधिनियम 1935 ने भारत में संघीय शासन की नींव रखी। इस अधिनियम ने ब्रिटिश प्रांतों और स्वेच्छा से शामिल होने वाले भारतीय राज्यों के संघ के गठन का आह्वान किया।
- 1909 में, भारत परिषद अधिनियम, जिसे मार्ले-मिंटो सुधार भी कहा जाता है, पेश किया गया था। 1909 के सुधारों ने साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को अपनाया, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को नष्ट करना था।
- भारत सरकार अधिनियम 1858 ब्रिटिश संसद का एक अधिनियम था जिसने ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार और क्षेत्रों को ब्रिटिश क्राउन में स्थानांतरित कर दिया था। अधिनियम ने भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों पर कंपनी के शासन को समाप्त कर दिया और इसे सीधे ब्रिटिश सरकार को पारित कर दिया।

14. [c]

व्याख्या:-

- भारत सरकार अधिनियम, 1919 के तहत, 21 साल से ज़्यादा उम्र की महिलाओं को सीमित संख्या में वोट देने का अधिकार दिया गया था। यह अधिनियम, जिसे मोंटेग्यू-चेम्सफ़ोर्ड सुधारों के नाम से भी जाना जाता है, ने भारत में पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव की व्यवस्था की थी।

15. [a]

व्याख्या:-

- 1935 का भारत सरकार अधिनियम ने प्रांतीय स्वायत्तता के आधार पर प्रांतों के लिए सरकार की एक नई प्रणाली प्रदान की। प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की।

16. [b]

व्याख्या:-

- अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दे दी गईं। इस अधिनियम के तहत केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बँटवारा किया गया तथा राज्य में द्वैध शासन समाप्त कर केंद्र में द्वैध शासन लागू किया गया।

17. [b]

व्याख्या:-

- भारतीय संविधान की मूल संरचना के सिद्धांत का स्त्रोत, जर्मनी के संविधान और भारतीय न्यायिक नवाचार हैं

18. [d]

व्याख्या:-

- प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की।
- इसने केंद्र में द्वैध शासन को अपनाने का प्रावधान किया जिसमें संघीय विषयों को आरक्षित और स्थानांतरित विषयों में विभाजित किया गया था।

19. [a]

व्याख्या:-

- Regulating Act, 1773 ने बंगाल के गवर्नर को गवर्नर-जनरल बनाया तथा 1774 में कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट की स्थापना की। संघीय ढांचा बाद में 1935 के अधिनियम में आया।

20. [a]

व्याख्या:-

- Pitt's India Act, 1784 ने द्वैध नियंत्रण की व्यवस्था की और बोर्ड ऑफ कंट्रोल स्थापित किया। पूर्ण जिम्मेदार सरकार की स्थापना बहुत बाद में हुई।

21. [b]

व्याख्या:-

- Charter Act, 1833 ने गवर्नर-जनरल ऑफ इंडिया का पद बनाया और प्रथम विधि आयोग (मैकॉले) का गठन किया। प्रांतीय स्वायत्तता 1935 के अधिनियम में आई।

22. [a]

व्याख्या:-

- 1861 के अधिनियम ने भारतीयों को परिषदों में नामित करने और पोर्टफोलियो प्रणाली को मान्यता दी। प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत 1909 के अधिनियम से हुई।

23. [a]

व्याख्या:-

- 1909 के अधिनियम (मॉर्ले-मिंटो सुधार) ने पृथक निर्वाचक मंडल और परिषदों का विस्तार किया। द्वैध शासन 1919 के अधिनियम में लागू हुआ।

24. [a]

व्याख्या:-

- 1919 अधिनियम ने प्रांतों में द्वैध शासन लागू किया और केंद्र में द्विसदनीय व्यवस्था की। संघीय न्यायालय 1935 अधिनियम के अंतर्गत स्थापित हुआ।

25. [b]

व्याख्या:-

- 1935 अधिनियम ने संघीय ढांचे और प्रांतीय स्वायत्तता का प्रावधान किया। मौलिक अधिकार संविधान 1950 में शामिल किए गए।

♦ ♦ ♦ ♦

शिक्षा मनोविज्ञान

प्रकृति, क्षेत्र एवं प्रभावी शिक्षण के लिए इसके निहितार्थ

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।
अभिकथन (A): आधुनिक मनोविज्ञान को व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं का विज्ञान माना जाता है।
कारण (R): क्योंकि केवल बाह्य व्यवहार का अध्ययन ही वैज्ञानिक रूप से संभव है, मानसिक प्रक्रियाओं का नहीं।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(b) A सत्य है, परन्तु R असत्य है
(c) A असत्य है, परन्तु R सत्य है
(d) A और R दोनों असत्य हैं

2. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मनोविज्ञान की वैज्ञानिक प्रकृति को सर्वाधिक उपयुक्त रूप से व्यक्त करता है?
(a) यह केवल दार्शनिक चिंतन पर आधारित है
(b) यह अनुभवजन्य एवं प्रेक्षणीय तथ्यों पर आधारित अध्ययन करता है
(c) यह केवल आत्मा के अस्तित्व को सिद्ध करता है
(d) यह केवल व्यक्तिगत अनुभवों तक सीमित है

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. मनोविज्ञान व्यक्ति और उसके वातावरण के बीच अंतःक्रिया का अध्ययन करता है।
2. मनोविज्ञान केवल चेतन व्यवहार तक सीमित है।
3. मनोविज्ञान में पशु व्यवहार का भी अध्ययन किया जाता है।
सही विकल्प चुनिए:
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

4. निम्न कथनों पर विचार करें:
1. वुण्ट ने पहली प्रयोगशाला स्थापित की।
2. विलियम जेम्स ने संरचनावाद की स्थापना की।
3. वाटसन को व्यवहारवाद का जनक माना जाता है।
सही विकल्प चुनिए:
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

5. निम्नलिखित कथनों में से कौन-से मनोविज्ञान के विकास क्रम को सही दर्शाते हैं?
1. मनोविज्ञान पहले आत्मा का विज्ञान माना गया।
2. मनोविज्ञान का वर्तमान स्वरूप चेतना के अध्ययन पर आधारित है।
3. व्यवहारवाद ने मनोविज्ञान को अधिक वस्तुनिष्ठ बनाया।
(a) 1 और 3 (b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में।
अभिकथन (A): व्यवहारवाद में उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) संबंध को प्रमुख माना गया है।
कारण (R): क्योंकि व्यवहारवाद चेतना और अनुभूति को मनोविज्ञान की विषयवस्तु मानता है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A सत्य है, परन्तु R असत्य है
(b) A और R दोनों असत्य हैं
(c) A और R दोनों सत्य हैं, परन्तु R सही व्याख्या नहीं है
(d) A असत्य है, परन्तु R सत्य है

7. मनोविज्ञान में "उद्दीपक-अनुक्रिया" (Stimulus-Response) की अवधारणा का मुख्य निहितार्थ क्या है?
(a) व्यवहार जन्मजात होता है और परिवर्तित नहीं किया जा सकता
(b) सभी व्यवहार केवल आंतरिक मानसिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करते हैं
(c) व्यवहार बाह्य उद्दीपकों के प्रति प्रतिक्रियाओं के रूप में समझा जा सकता है
(d) अधिगम केवल संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं पर आधारित है

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. मनोविज्ञान एक सकारात्मक विज्ञान है।
2. यह केवल भौतिक वातावरण का अध्ययन करता है।
3. यह व्यवहार के साथ मानसिक प्रक्रियाओं का भी अध्ययन करता है।
4. इसकी अवधारणाएँ समय के साथ परिवर्तित होती रही हैं।
सही विकल्प चुनिए:
(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

9. मनोविज्ञान की शाखाओं के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार करें:
1. बाल मनोविज्ञान केवल शारीरिक विकास का अध्ययन करता है।
2. सामाजिक मनोविज्ञान समूह में व्यवहार का अध्ययन करता है।
3. असामान्य मनोविज्ञान मानसिक विकारों से संबंधित है।
4. औद्योगिक मनोविज्ञान कार्यस्थल व्यवहार से संबंधित है।
सही विकल्प चुनिए:
(a) 2, 3 और 4 (b) 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 3 और 4

10. शैक्षिक मनोविज्ञान के क्षेत्र को आकार देने वाली कई ऐतिहासिक जड़ों में से, एक अग्रणी व्यक्ति जिन्होंने पहली शैक्षिक मनोविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की और बालक को एक सक्रिय अधिगमकर्त्ता के रूप में देखा, वे थे:
(a) विलियम जेम्स (b) जॉन ड्यूई
(c) ई. एल. थॉर्नडाइक (d) बी.एफ. स्कीनर

11. किसके अनुसार "शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक सीखने संबंधी अनुभवों का वर्णन और व्याख्या करता है?
(a) स्किनर
(b) क्रो और क्रो
(c) पील
(d) जेम्स ड्रेवर

12. निम्नलिखित का सही मिलान कीजिए:

सूची-I (विद्वान)	सूची-II (योगदान)
(a) विलियम वुण्ट	(I) व्यवहारवाद
(b) जे.बी. वाटसन	(II) प्रथम प्रयोगशाला
(c) इवान पावलॉव	(III) शास्त्रीय अनुबंधन
(d) स्टेनले हॉल	(IV) अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ

सही विकल्प चुनिए:
(a) a-II, b-I, c-III, d-IV (b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-II, b-III, c-I, d-IV (d) a-IV, b-I, c-II, d-III

13. शिक्षा मनोविज्ञान एक सकारात्मक विज्ञान है। शिक्षा मनोविज्ञान की इस प्रकृति के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कथन उपयुक्त नहीं है?
(a) यह तथ्यों को जैसे वे हैं उसी तरह लेती है।
(b) यह तथ्यों को जैसे वे कार्य करते हैं उसी तरह लेती है।
(c) यह तथ्यों को तर्क और नैतिकता की दृष्टि से लेती है जैसा कि उन्हें होना चाहिए।
(d) यह बालक के व्यवहार को जैसा है उसी तरह लेती है।

14. शिक्षा मनोविज्ञान है-
(a) मानक विज्ञान (b) अनुप्रयुक्त विज्ञान
(c) विशुद्ध विज्ञान (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र एक अध्यापक के लिये उसके अध्ययन की आवश्यकता को स्पष्ट करता है।
(b) शिक्षा मनोविज्ञान अपनी अध्ययन की विधियों में एक विज्ञान है।
(c) शिक्षा मनोविज्ञान अधिगम के सिद्धान्त और नियम स्थापित करता है।
(d) शिक्षा मनोविज्ञान भौतिकशास्त्र या गणित की तरह एक शुद्ध विज्ञान है।

16. 'शिक्षा मनोविज्ञान नये और हमेशा नये अनुसंधानों से संबंधित है। शिक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान परिणामों के एकत्रीकरण से बालक की प्रकृति के विषय में बेहतर सूझ (अन्तर्दृष्टि) प्राप्त करते हैं और अन्वेषण की संशोधित विधियों का विकास करते हैं।' शिक्षा मनोविज्ञान की यह प्रकृति है–
(a) धनात्मक विज्ञान (b) नियामक विज्ञान
(c) विकासशील विज्ञान (d) सामाजिक विज्ञान

17. शैक्षिक मनोविज्ञान की वैज्ञानिक प्रकृति के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही <u>नहीं</u> है?
(a) इसमें वैज्ञानिक विधियों और प्रविधियों का अनुप्रयोग होता है।
(b) यह व्यवहार के आकलन के लिए व्यक्तिनिष्ठता पर बल देता है।
(c) यह शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में व्यवहार को समझने, भविष्यवाणी करने और नियन्त्रित करने में सहायक है।
(d) इसके सुव्यवस्थित सिद्धांत नियमों द्वारा समर्थित हैं।

18. निम्न में से कौन शिक्षा मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र में आता है?
1. शिक्षार्थी 2. सीखने की प्रक्रिया
3. सीखने की परिस्थिति 4. निर्देशन तथा मानसिक स्वास्थ्य
नीचे दिये कोड से सही उत्तर चयन कीजिए-
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 एवं 4

19. 'प्रभावी शिक्षण हेतु निर्देशन' शैक्षिक मनोविज्ञान के किस क्षेत्र में सम्मिलित है?
(a) अधिगम उपलब्धि (b) अधिगमकर्ता
(c) अधिगम मूल्यांकन (d) अधिगम प्रक्रिया

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शैक्षिक मनोविज्ञान का क्षेत्र नहीं है?
(a) व्यक्तिगत समानताएँ (b) मूल्यांकन
(c) पाठ्यक्रम का निर्माण (d) अधिगम

21. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?
(a) शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा सम्बन्धी व्यापक दृष्टिकोण नहीं प्रदान करता।
(b) शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्तिगत विभिन्नताओं को ध्यान रखना सिखाता है।
(c) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापकों को मापन की विधियों से परिचित कराता है।
(d) शिक्षा मनोविज्ञान श्रेष्ठ शिक्षण विधियों की जानकारी देता है।

22. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में शिक्षा मनोविज्ञान का महत्त्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है?
(a) विद्यार्थियों की विकासात्मक विशेषताओं को समझने में
(b) विद्यार्थियों की वैयक्तिक विभिन्नताओं को समझने में
(c) प्रभावी शिक्षण विधियों को पहचानने में
(d) पाठ्यचर्या के निर्माण में
नीचे दिये गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये:
कूट:
(a) (a), (c) एवं (d) सही हैं, किन्तु (b) सही नहीं है।
(b) (b), (c) एवं (d) सही हैं, किन्तु (a) सही नहीं है।
(c) (d) सही है किन्तु (a), (b) एवं (c) सही नहीं हैं।
(d) (a), (b), (c) एवं (d) सही हैं।

23. शिक्षा मनोविज्ञान एक अध्यापक को सम्पूर्ण सामाजिक वातावरण और अधिगम पर उसके प्रभाव की संक्रियाओं के बारे में जानने में सहायता करता है। शिक्षा मनोविज्ञान का यह योगदान निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है?
(a) विद्यार्थियों की समस्याओं की समझ से
(b) प्रभावी शिक्षण विधियों की समझ से
(c) समूह गतिशीलता की समझ से
(d) व्यक्तिगत विभिन्नताओं की समझ से

24. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन शिक्षा मनोविज्ञान के महत्त्व के संदर्भ में सही नहीं है?
(a) यह शिक्षकों में शैक्षिक समस्याओं को दूर करने के प्रति उचित मनोवृत्ति उत्पन्न करता है।
(b) यह अध्यापकों की विद्यार्थियों के व्यवहारों में समुचित परिवर्तन लाने में मदद करता है।
(c) यह विद्यार्थियों की कमजोरियो एवं असफलताओं को नजरअंदाज करने के लिए प्रेरित करता है।
(d) यह शिक्षकों को स्वयं को समझने में मदद करता है।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन शिक्षा मनोविज्ञान के सन्दर्भ में सर्वाधिक उपयुक्त है?
(a) यह मनोरोगों का अध्ययन है।
(b) यह शिक्षण, अधिगम एवं अधिगमकर्ता का अध्ययन है।
(c) यह बुद्धि परीक्षणों का अध्ययन है।
(d) यह संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का अध्ययन है।

26. शिक्षण और अधिक प्रभावी हो सकता है, जब-
(a) अधिगम, शिक्षक द्वारा निर्देशित एवं नियंत्रित हो।
(b) अधिगमकर्ता को स्वयं करने की स्वायत्तता व नियंत्रण दिया जाए।
(c) शिक्षक तथ्यों की व्याख्या करने में केन्द्रीय भूमिका का निर्वहन करें।
(d) कक्षा-कक्षा में शिक्षक निर्देशित विधियों का उपयोग किए जाए।

27. केरोल (1965) के अनुसार, एक शिक्षक को कक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान को व्यावहारिक रूप से कैसे लागू करना चाहिए?
(a) केवल शैक्षणिक सामग्री प्रदान करने पर ध्यान देकर
(b) मनोवैज्ञानिक प्रयोग करके
(c) छात्रों के विद्यालयी अधिगम के सभी पक्षों को समझकर
(d) मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों को कंठस्थ करके

28. निम्न में से कौन-सा शिक्षा मनोविज्ञान का कार्य नहीं है-
(a) अधिगमकर्ता को जानना।
(b) विषयवस्तु का चयन एवं संगठन करना।
(c) सीखने की प्रविविधियों के लिए सलाह देना।
(d) असामान्य मनोविज्ञान वाले व्यक्तियों को समझना।

29. निम्नलिखित में से कौन-सी, शिक्षा मनोविज्ञान की विशेषता नहीं है?
(a) शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य केंद्र दर्शनशास्त्र का अध्ययन करना है।
(b) शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य केंद्र मानव व्यवहार है।
(c) शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थिति में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है।
(d) शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षण अधिगम प्रक्रिया हेतु सरल मार्ग प्रशस्त करता है।

उत्तर सहित व्याख्या

1. [b]
व्याख्या:-
◈ आधुनिक मनोविज्ञान को व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं दोनों का विज्ञान माना जाता है। इसमें केवल बाहरी व्यवहार ही नहीं, बल्कि स्मृति, चिंतन, भावना, संज्ञान जैसी आंतरिक प्रक्रियाएँ भी शामिल हैं। कारण (R) गलत है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक विधियाँ (जैसे अप्रत्यक्ष मापन, न्यूरो-इमेजिंग) मानसिक प्रक्रियाओं का भी अध्ययन संभव बनाती हैं। इसलिए A सही और R गलत है।

2. [b]
व्याख्या:-
◈ मनोविज्ञान की वैज्ञानिक प्रकृति का अर्थ है कि यह अनुभवजन्य (empirical), प्रेक्षणीय (observable) और परीक्षण योग्य (testable) तथ्यों पर आधारित है। यह केवल दार्शनिक चिंतन या आत्मा के अध्ययन तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिक विधियाँ जैसे प्रयोग, अवलोकन और डेटा विश्लेषण मनोविज्ञान को एक सुदृढ़ विज्ञान बनाती हैं। इसलिए विकल्प (b) सही है।

3. [c]
व्याख्या:-
◈ मनोविज्ञान व्यक्ति और उसके वातावरण के बीच अंतःक्रिया का अध्ययन करता है (सही)। यह केवल चेतन व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि अचेतन और अवचेतन व्यवहार को भी शामिल करता है (इसलिए कथन 2 गलत)। साथ ही मनोविज्ञान पशु व्यवहार का भी अध्ययन करता है, जिससे अधिगम सिद्धांत विकसित हुए हैं (जैसे पावलॉव, स्किनर)। अतः 1 और 3 सही हैं।

4. [c]
व्याख्या:-
◈ विलियम वुण्ट ने 1879 में पहली मनोविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की, इसलिए उन्हें प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक कहा जाता है। विलियम जेम्स संरचनावाद के नहीं बल्कि प्रकार्यवाद (Functionalism) से जुड़े थे। वाटसन को व्यवहारवाद का जनक माना जाता है। अतः कथन 1 और 3 सही हैं, जबकि 2 गलत है।

5. [a]
व्याख्या:-
◈ मनोविज्ञान का विकास क्रम आत्मा → मन → चेतना → व्यवहार के रूप में हुआ। वर्तमान मनोविज्ञान केवल चेतना तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं दोनों को शामिल करता है। व्यवहारवाद ने मनोविज्ञान को अधिक वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ बनाया क्योंकि उसने प्रेक्षणीय व्यवहार पर बल दिया। इसलिए कथन 1 और 3 सही हैं, जबकि 2 गलत है।

6. [a]
व्याख्या:-
◈ व्यवहारवाद का मुख्य आधार उद्दीपक-अनुक्रिया (Stimulus-Response) संबंध है, जिसे वाटसन और पावलॉव ने स्थापित किया। व्यवहारवाद चेतना, अनुभूति या मानसिक अवस्थाओं को वैज्ञानिक अध्ययन के लिए उपयुक्त नहीं मानता। इसलिए कारण (R) गलत है। व्यवहारवाद पूरी तरह प्रेक्षणीय व्यवहार पर आधारित है। अतः A सही और R गलत है।

7. [c]
व्याख्या:-
◈ उद्दीपक-अनुक्रिया (S-R) सिद्धांत के अनुसार व्यवहार बाहरी उद्दीपकों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में होता है। यह व्यवहारवाद का मूल सिद्धांत है, जिसमें अधिगम को पर्यावरणीय कारकों द्वारा नियंत्रित माना जाता है। यह विचार शिक्षा में भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उचित उद्दीपनों से वांछित व्यवहार विकसित किया जा सकता है। इसलिए विकल्प (c) सही है।

8. [c]
व्याख्या:-
◈ मनोविज्ञान एक सकारात्मक (Positive) विज्ञान है क्योंकि यह तथ्यों को जैसे हैं वैसे ही स्वीकार करता है। यह केवल भौतिक वातावरण नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वातावरण का भी अध्ययन करता है, इसलिए कथन 2 गलत है। साथ ही यह मानसिक प्रक्रियाओं और व्यवहार दोनों का अध्ययन करता है तथा समय के साथ इसकी अवधारणाएँ बदलती रही हैं। अतः 1, 3 और 4 सही हैं।

9. [a]
व्याख्या:-
◈ बाल मनोविज्ञान केवल शारीरिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास का भी अध्ययन करता है (इसलिए कथन 1 गलत)। सामाजिक मनोविज्ञान समूह व्यवहार का अध्ययन करता है, असामान्य मनोविज्ञान मानसिक विकारों से संबंधित है, और औद्योगिक मनोविज्ञान कार्यस्थल व्यवहार से जुड़ा है। अतः 2, 3 और 4 सही हैं।

10. [b]
व्याख्या:-
◈ जॉन ड्यूई को आधुनिक शैक्षिक मनोविज्ञान और प्रगतिशील शिक्षा आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है।
◈ उन्होंने 1896 में शिकागो विश्वविद्यालय में पहली शैक्षिक मनोविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की।
◈ ड्यूई का मत था कि बालक एक सक्रिय अधिगमकर्ता (Active Learner) है, जो अनुभवों के माध्यम से सीखता है। उन्होंने 'करके सीखना'(Learning by Doing) और बालक-केन्द्रित शिक्षा पर बल दिया।

11. [b]

व्याख्या:-

- **स्किनर –** 'शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत शिक्षा से संबंधित सम्पूर्ण व्यवहार व व्यक्तित्व आ जाता है'।
- **पील** - शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा का विज्ञान है।
- **क्रो एण्ड क्रो:-** शिक्षा मनोविज्ञान व्यावहारिक विज्ञान है क्योंकि मानव व्यवहार के सम्बन्ध में वैज्ञानिक विधि के सिद्धान्तों व तथ्यों के अनुसार सीखने की व्याख्या करता है।
- **जेम्स ड्रेवर-** शिक्षा मनोविज्ञान प्रयुक्त मनोविज्ञान की एक ऐसी शाखा है जो शिक्षा में मनोवैज्ञानिक नियमों एवं परिणामों के उपयोग से तथा साथ ही साथ शिक्षा की समस्याओं के मनोवैज्ञानिक अध्ययन से संबद्ध होती है।

12. [a]

व्याख्या:-

- विलियम वुण्ट ने प्रथम प्रयोगशाला स्थापित की (a-II), वाटसन व्यवहारवाद के जनक हैं (b-I), पावलॉव ने शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत दिया (c-III), और स्टेनले हॉल ने अमेरिकन मनोवैज्ञानिक संघ की स्थापना की (d-IV)। यह मिलान मनोविज्ञान के ऐतिहासिक विकास को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

13. [c]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान एक सकारात्मक विज्ञान है, जो तथ्यों को जैसे वे हैं, कैसे कार्य करते हैं, और जैसा है, उसी रूप में स्वीकार करता है। यह किसी आदर्श या नैतिक दृष्टिकोण से तथ्यों का विश्लेषण नहीं करता। इसलिए (c) कथन उपयुक्त नहीं है, क्योंकि यह शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति से मेल नहीं खाता है। शिक्षा मनोविज्ञान एक सकारात्मक विज्ञान है, जिसका अर्थ है कि यह तथ्यों को वस्तुगत रूप में और जैसे वे हैं, वैसे ही स्वीकार करता है।

14. [b]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology) अनुप्रयुक्त विज्ञान है। इसका मतलब है कि यह एक ऐसा विज्ञान है जो मनोविज्ञान के सिद्धांतों और विचारों को शिक्षा के क्षेत्र में लागू करने के लिए उपयोग करता है। यह छात्रों के अधिगम (learning) और शिक्षण (teaching) प्रक्रियाओं को समझने और सुधारने के उद्देश्य से कार्य करता है।
- अनुप्रयुक्त विज्ञान वह विज्ञान होता है जो वास्तविक जीवन में किसी समस्या के समाधान के लिए विज्ञान के सिद्धांतों का उपयोग करता है। शिक्षा मनोविज्ञान में मनोविज्ञान के सिद्धांतों को शिक्षण, अधिगम और कक्षा प्रबंधन में प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है, ताकि विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को सुधार सकें।

15. [d]

व्याख्या:-

- "शिक्षा मनोविज्ञान भौतिकशास्त्र या गणित की तरह एक शुद्ध विज्ञान है" **यह कथन गलत है**, क्योंकि शिक्षा मनोविज्ञान एक अनुप्रयुक्त विज्ञान है, न कि एक शुद्ध विज्ञान। यह मानव व्यवहार, मानसिक प्रक्रियाओं और शैक्षिक स्थितियों के अध्ययन पर आधारित होता है, जो अधिकतर सापेक्ष होते हैं।
- यह एक शुद्ध विज्ञान की तरह नहीं होता, जैसे भौतिकशास्त्र (Physics) या गणित (Mathematics), क्योंकि इसमें मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं, जो अधिकतर विविध और परिस्थिति-निर्भर होती हैं।

16. [c]

व्याख्या:-

- **विकासशील विज्ञान** का अर्थ है वह विज्ञान जो निरंतर परिवर्तन और उन्नति की प्रक्रिया से गुजरता रहता है और जिसमें समय के साथ नए अनुसंधान, नई विधियाँ और नए दृष्टिकोण जुड़ते रहते हैं। शिक्षा मनोविज्ञान भी एक **विकासशील विज्ञान** है क्योंकि यह निरंतर नए अध्ययन, परिणाम और खोजें करता है, जिससे हमारे बालकों के मानसिक और शैक्षिक विकास को समझने के लिए नवीनतम और संशोधित दृष्टिकोण सामने आते हैं।
- **धनात्मक विज्ञान-** इसमें तथ्यों और घटनाओं का वस्तुनिष्ठ और अनुभवजन्य तरीके से अध्ययन करना शामिल है, लेकिन शैक्षिक मनोविज्ञान अवलोकन से आगे जाता है, निरंतर विकास और सिद्धांत निर्माण पर ध्यान केंद्रित करता है।
- **नियामक विज्ञान-** मानदंड और मानकों को स्थापित करने पर केंद्रित है, जो शैक्षिक मनोविज्ञान का प्राथमिक ध्यान केंद्रित नहीं है।
- **सामाजिक विज्ञान**- शैक्षिक मनोविज्ञान सामाजिक विज्ञानों के साथ प्रतिच्छेद करता है, यह केवल सामाजिक व्यवहार पर केंद्रित नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत अधिगम और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं पर भी केंद्रित है।

17. [b]

व्याख्या:-

- शैक्षिक मनोविज्ञान की वैज्ञानिक प्रकृति होती है, क्योंकि इसमें अनुसंधान और अध्ययन के लिए वैज्ञानिक विधियों व प्रविधियों का प्रयोग होता है।
- यह शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में व्यवहार को समझने, भविष्यवाणी करने और नियंत्रित करने में सहायक होता है।
- इसके सिद्धांत सुव्यवस्थित नियमों द्वारा समर्थित होते हैं।
- यह व्यवहार के आकलन के लिए वस्तुनिष्ठता पर बल देता है।

18. [d]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र विभिन्न पहलुओं को कवर करता है जो अधिगम (learning), शिक्षार्थी (learner), शिक्षण प्रक्रिया और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित होते हैं।
- **शिक्षार्थी (Learner)-**शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों की मानसिक प्रक्रियाओं और उनके व्यक्तित्व का अध्ययन करना है। यह अध्ययन करता है कि विद्यार्थियों के बीच में व्यक्तिगत भिन्नताएँ (individual differences) क्या हैं और उनका शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- **सीखने की प्रक्रिया (Learning Process) -** शिक्षा मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र अधिगम प्रक्रिया है, जिसमें यह समझा जाता है कि विद्यार्थी किस प्रकार सीखते हैं, उनका सीखने का तरीका और सीखने में आने वाली समस्याएँ क्या हो सकती हैं।
- **अधिगमकर्ता (Learner)-** यह छात्रों की मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है, जैसे उनकी सोचने की क्षमता, समझने की शक्ति, और उनका मानसिक विकास। यह भी देखता है कि आयु और विकासात्मक स्तर के अनुसार छात्रों का अधिगम किस प्रकार से प्रभावित होता है।

19. [d]

व्याख्या:-

निर्देशन एवं परामर्श :- शिक्षा मनोविज्ञान बालकों के निर्देशन एवं परामर्श में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- लिण्डग्रेन (1972) ने शिक्षा मनोविज्ञान के 5 कार्यक्षेत्र बताए-

  (i) शिक्षक व शिक्षार्थी (ii) अधिगम प्रक्रिया
  (iii) अधिगम परिस्थिति (iv) मापन व मूल्यांकन
  (v) निर्देशन व परामर्श

Note:- लिण्डग्रेन ने शिक्षार्थी, अधिगम प्रक्रिया व अधिगम परिस्थिति को शिक्षा मनोविज्ञान के तीन केंद्रीय क्षेत्र माना है।

- लेकिन शिक्षा मनोविज्ञान स्वयं साध्य नहीं है, बल्कि यह तो साधन है जिसके द्वारा शिक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति की जाती है।

20. [a]

व्याख्या:-

- **व्यक्तिगत समानताएँ-** व्यक्तिगत समानताएँ शैक्षिक मनोविज्ञान का हिस्सा नहीं हैं क्योंकि यह मुख्य रूप से मनोविज्ञान के अन्य क्षेत्रों से संबंधित है, जबकि शैक्षिक मनोविज्ञान अधिगम, मूल्यांकन, और पाठ्यक्रम निर्माण जैसी प्रक्रियाओं पर केंद्रित होता है।
- **मूल्यांकन-** यह शैक्षिक मनोविज्ञान का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। शिक्षा में मूल्यांकन (evaluation) का कार्य यह निर्धारित करना है कि विद्यार्थी ने कितना सीखा है और उनकी क्षमता का सही आकलन करना। यह शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के प्रदर्शन को समझने में मदद करता है।
- **पाठ्यक्रम का निर्माण-**यह शैक्षिक मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। शैक्षिक मनोविज्ञान में पाठ्यक्रम (curriculum) का निर्माण इस बात पर निर्भर करता है कि विद्यार्थियों की अधिगम क्षमताओं को कैसे अधिकतम किया जा सकता है और उनके मानसिक और शैक्षिक विकास के अनुसार सामग्री तैयार की जा सकती है।
- **अधिगम-** यह शैक्षिक मनोविज्ञान का केंद्रीय क्षेत्र है। अधिगम (learning) शैक्षिक मनोविज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि यह अध्ययन करता है कि विद्यार्थी कैसे सीखते हैं और किस प्रकार से उनका मानसिक और शैक्षिक विकास होता है।

21. [a]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा सम्बन्धी व्यापक दृष्टिकोण नहीं प्रदान करता। यह कथन असत्य है।
- शिक्षा मनोविज्ञान, या Educational Psychology, शिक्षा की प्रक्रिया में मनोविज्ञान के सिद्धांतों का अध्ययन करता है और विद्यार्थियों, शिक्षकों और शिक्षा के अन्य पहलुओं पर इसके प्रभाव को समझने में मदद करता है। यह व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है, क्योंकि यह न केवल शिक्षा के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करता है, बल्कि व्यक्तिगत, सामाजिक और मानसिक विकास पर भी विचार करता है।
- यह मनोविज्ञान और शिक्षा के बीच के रिश्ते को समझने के लिए सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और विधियों का उपयोग करता है, जैसे कि सीखने की प्रक्रियाएं, विकासात्मक भिन्नताएँ, और विविध शिक्षा विधियाँ। अतः यह कथन गलत है।
- शिक्षा मनोविज्ञान मापन (measurement) और मूल्यांकन (assessment) की विधियों से भी परिचित कराता है, जो शिक्षकों को विद्यार्थियों की प्रगति को मापने में मदद करती हैं। इसमें मानसिक परीक्षण, शैक्षिक परीक्षण, और प्रवृत्तियों का मूल्यांकन शामिल हैं।
- शिक्षा मनोविज्ञान श्रेष्ठ शिक्षण विधियों (effective teaching methods) के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है। यह छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास, उनकी सीखने की क्षमता और उनके शिक्षा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त शिक्षण रणनीतियों को विकसित करने में मदद करता है।

22. [d]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान का महत्व विद्यार्थियों की विकासात्मक विशेषताओं, वैयक्तिक विभिन्नताओं, प्रभावी शिक्षण विधियों, और पाठ्यचर्या निर्माण में होता है। यह शिक्षकों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझने और शिक्षण को अनुकूल बनाने में सहायता करता है।

23. [c]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक को सामाजिक वातावरण और अधिगम पर उसके प्रभाव को समझने में मदद करता है, जो समूह गतिशीलता से सीधे संबंधित है। समूह गतिशीलता कक्षा में सामाजिक अंतःक्रियाओं, समूह व्यवहार, सहयोग, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक प्रभावों जैसे पहलुओं को समझने से संबंधित है। यह अध्ययन शिक्षक को यह समझने में सहायता करता है कि कक्षा का सामाजिक वातावरण (जैसे सहपाठियों का प्रभाव, समूह की गतिशीलता, सामाजिक संरचना) विद्यार्थियों के अधिगम को कैसे प्रभावित करता है।

24. [c]

व्याख्या:-

- विकल्प c - यह विद्यार्थियों की कमजोरियों एवं असफलताओं को नजरअंदाज करने के लिए प्रेरित करता है।
- यह कथन गलत है। शिक्षा मनोविज्ञान का **उद्देश्य विद्यार्थियों की कमजोरियों और असफलताओं को नजरअंदाज करना नहीं है, इसके बजाय, यह विद्यार्थियों की समस्याओं और कमजोरियों को समझने, उनका विश्लेषण करने और उन पर काम करने के उपायों को बढ़ावा देता है।** इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मानसिक और शैक्षिक विकास को बेहतर बनाना है।
- शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षकों में शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और उचित मनोवृत्ति विकसित करता है। यह उन्हें विद्यार्थियों के साथ प्रभावी ढंग से काम करने में मदद करता है।

25. [b]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology) एक ऐसा विज्ञान है जो शिक्षण और अधिगम की प्रक्रियाओं को समझने के लिए मनोविज्ञान के सिद्धांतों का उपयोग करता है।
- **"यह शिक्षण, अधिगम एवं अधिगमकर्ता का अध्ययन है" सर्वाधिक उपयुक्त है** क्योंकि शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य शिक्षण और अधिगम की प्रक्रियाओं को समझना है, और यह भी देखा जाता है कि विभिन्न प्रकार के छात्र अधिगमकर्ता के रूप में कैसे सीखते हैं।
- **अधिगम (Learning)-** शिक्षा मनोविज्ञान इस पर केंद्रित है कि लोग कैसे सीखते हैं। यह समझने के लिए विभिन्न अधिगम सिद्धांतों (जैसे व्यवहारवाद, संज्ञानात्मक सिद्धांत, और सामाजिक सिद्धांत) का उपयोग किया जाता है।
- **शिक्षण (Teaching)-** शिक्षा मनोविज्ञान यह भी देखता है कि शिक्षक अपनी शिक्षण विधियों को कैसे सुधार सकते हैं। यह अध्ययन करता है कि किस प्रकार के शिक्षण विधियाँ छात्रों के लिए सबसे प्रभावी होती हैं। इसमें शिक्षक के लिए विभिन्न शिक्षण रणनीतियाँ और कक्षा प्रबंधन तकनीकें शामिल हैं, जो छात्रों के विकास में सहायक होती हैं।

26. [b]

व्याख्या:-

- शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए, अधिगमकर्ता (learner) को स्वयं सीखने का स्वायत्तता (autonomy) और नियंत्रण देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब विद्यार्थी को अपनी शिक्षण प्रक्रिया पर नियंत्रण मिलता है, तो वह स्वयं अपनी गति से, अपनी शैली में और अपनी रुचियों के अनुसार सीखने के लिए प्रेरित होते हैं। यह उन्हें अधिक प्रेरित करता है और उनके सीखने के अनुभव को समृद्ध करता है।

27. [c]

व्याख्या:-

- केरोल (1965) के अनुसार, एक शिक्षक को कक्षा में शैक्षिक मनोविज्ञान को व्यावहारिक रूप से छात्रों के विद्यालयी अधिगम के सभी पक्षों को समझकर लागू करना चाहिए।

28. [d]

व्याख्या:-

- असामान्य मनोविज्ञान वाले व्यक्तियों को समझना। यह शिक्षा मनोविज्ञान का कार्य नहीं है।
- शिक्षा मनोविज्ञान के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं-
- **अधिगमकर्ता को जानना–** शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के वैयक्तिक और मानसिक विकास को समझना है ताकि उन्हें उपयुक्त शिक्षा दी जा सके। यह अध्यापक को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और क्षमताओं को पहचानने में मदद करता है।
- **विषयवस्तु का चयन और संगठन करना** -शिक्षा मनोविज्ञान यह भी मदद करता है कि अध्यापक किस प्रकार से पाठ्यक्रम और विषयवस्तु को विद्यार्थियों के स्तर और उनकी क्षमताओं के अनुसार सही तरीके से चुनें और व्यवस्थित करें।
- **सीखने की प्रवृत्तियों के लिए सलाह देना–** यह शिक्षा मनोविज्ञान का कार्य है कि वह अध्यापक को यह बताए कि विद्यार्थी किस प्रकार से सबसे अच्छा सीख सकते हैं और कौन-सी विधियाँ उनके लिए उपयुक्त हैं, जैसे कि सक्रिय अधिगम, आत्ममूल्यांकन आदि।

नोट - असामान्य मनोविज्ञान वाले व्यक्तियों को समझना हालांकि यह मनोविज्ञान के एक विशेष क्षेत्र का हिस्सा है, लेकिन यह शिक्षा मनोविज्ञान का कार्य नहीं है। असामान्य मनोविज्ञान, जैसे मानसिक विकार, विकलांगता, और मानसिक रोगों का अध्ययन मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सकीय मनोविज्ञान से संबंधित होता है, न कि सीधे शिक्षा मनोविज्ञान से।

29. [a]

व्याख्या:-

- शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य केंद्र दर्शनशास्त्र का अध्ययन करना है। यह गलत है।
- शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य उद्देश्य मानव व्यवहार और शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का अध्ययन करना है, न कि दर्शनशास्त्र का अध्ययन करना। शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षा के संदर्भ में विद्यार्थियों और शिक्षकों के मानसिक, शारीरिक, और भावनात्मक पहलुओं को समझने पर केंद्रित है। शिक्षा मनोविज्ञान का मुख्य केंद्र मानव व्यवहार है। शिक्षा मनोविज्ञान मानव व्यवहार के अध्ययन पर आधारित है, विशेष रूप से शिक्षण और अधिगम (learning) के संदर्भ में। यह अध्ययन करता है कि विद्यार्थी कैसे सीखते हैं, उनका मानसिक विकास कैसे होता है, और वे किस तरह से अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं।

♦ ♦ ♦ ♦